वर्ष 72 अंक 294 पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 22 जुलाई, 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष 12, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

> अगर आपको उस इंसान की संगत पसंद है जिसके साथ आप अकेले रह सकते हैं, तो आप कभी अकेले नहीं हो सकते।
> –वेन डायर

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा: स्वास्थ्य को वजह बताया, सत्र के दौरान ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार रात को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों के चलते लिया है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में लिखा कि वह 'स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और डॉक्टरी सलाह का पालन करने' के लिए यह निर्णय ले रहे हैं। उनका इस्तीफा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के तहत तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया गया।

धनखड़ का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वे संसद के चालू सत्र के बीच पद छोड़ने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति भी होते हैं और उनका अचानक पद छोड़ना संसदीय कार्यों के संचालन पर भी प्रभाव डालेगा।

इस्तीफा देते हुए धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावुक पत्र लिखा है।

दो साल थे शेष

6 अगस्त 2022 को धनखड़ 14वें उपराष्ट्रपति चुने गए। उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक था।

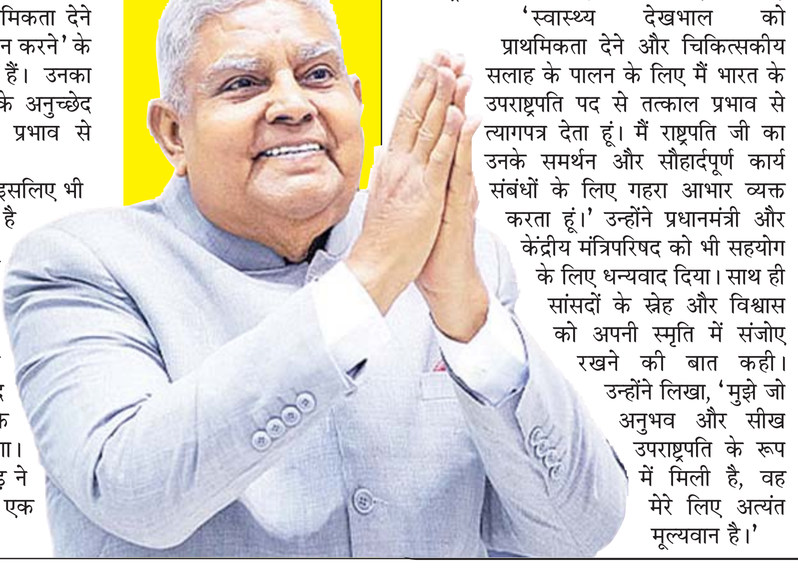

राष्ट्रपति को भेजा पत्र, कहा- चिकित्सा सलाह का पालन करने के लिए त्याग रहे हैं पद

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और कैबिनेट के प्रति जताया गहरा आभार

राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में धनखड़ ने लिखा, 'स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सकीय सलाह के पालन के लिए मैं भारत के उपराष्ट्रपति पद से तत्काल प्रभाव से त्यागपत्र देता हूं। मैं राष्ट्रपति जी का उनके समर्थन और सौहार्दपूर्ण कार्य संबंधों के लिए गहरा आभार व्यक्त करता हूं।' उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सांसदों के स्नेह और विश्वास को अपनी स्मृति में संजोए रखने की बात कही। उन्होंने लिखा, 'मुझे जो अनुभव और सीख उपराष्ट्रपति के रूप में मिली है, वह मेरे लिए अत्यंत मूल्यवान है।'

किसान परिवार से लेकर दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद तक

धनखड़ का जन्म 18 मई 1951 को राजस्थान के झुंझुनूं जिले के किठाना गांव में हुआ। एक साधारण किसान परिवार से आने वाले धनखड़ ने राजस्थान विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक और फिर कानून में स्नातक की डिग्री ली। वे सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता रहे और राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे। उनका राजनीतिक करियर 1989 में शुरू हुआ जब वे जनता दल के टिकट पर झुंझुनूं से सांसद चुने गए। 1990 में उन्हें केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री बनाया गया। बाद में वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए और 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल नियुक्त किए गए।

छह माह के भीतर होगा चुनाव

उपराष्ट्रपति का पद रिक्त होने के बाद चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित सदस्यों के वोटों से किया जाता है। संविधान के अनुसार, छह महीने के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव होना अनिवार्य है। जब तक नया उपराष्ट्रपति नहीं चुना जाता, तब तक राज्यसभा की अध्यक्षता वरिष्ठतम सदस्य कर सकते हैं या राष्ट्रपति कोई अंतरिम व्यवस्था कर सकते हैं।

बंगाल के राज्यपाल के रूप में मुखर कार्यकाल

राज्यपाल रहते हुए वे कई बार सीएम ममता बनर्जी से टकराव में आए। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों और विधायी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए, जिससे वे राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित रहे। उन्होंने बार-बार संविधान की रक्षा और राज्यपाल के अधिकारों की बात की, जिससे वे भाजपा समर्थकों में लोकप्रिय हो गए।

प्रधानमंत्री का ट्वीट

कार्यकाल मूल्यों और गरिमा का प्रतीक

'धनखड़ जी का कार्यकाल संवैधानिक मूल्यों और गरिमा का प्रतीक रहा। उन्होंने सदन में मर्यादा बनाए रखते हुए उत्कृष्ट नेतृत्व दिया। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'

कुछ महीनों से थे बीमार

धनखड़ पिछले कुछ महीनों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। मार्च 2025 में उन्हें सीने में दर्द की शिकायत के बाद एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। जून 2025 में उत्तराखंड में एक कार्यक्रम के दौरान भी उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। ऐसे में उनके इस्तीफे को चिकित्सकीय सलाह का पालन माना जा रहा है। हालांकि इसके पीछे अन्य राजनीतिक कारणों के भी कयास हैं।

ऑफ बीट

होटल में बर्तन मांजे, अब हर माह कमा रही 30 करोड़!

अमेरिका के फ्लोरिडा की रहने वाली 20 वर्षीय सोफी रैन इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। हो भी क्यों नहीं, आखिर इस लड़की की कहानी ही कुछ ऐसी है। सोफी कभी होटल में बर्तन मांजती थीं, लेकिन अब इंटरनेट की 'दुनिया' में धमाल मचाकर हर महीने 3.6 मिलियन डॉलर (यानी लगभग 30 करोड़ रुपये) कमा रही हैं। इस लड़की की गरीबी से अरबपति बनने का सफर कुछ ऐसा रहा है। सोफी का बचपन बेहद गरीबी में बीता। सोफी बताती हैं कि उनके परिवार को गुजारा करने के लिए अक्सर फूड स्टैम्प्स (अमेरिका में कम आय वाले परिवारों को मिलने वाले फूड बेनिफिट्स और वित्तीय मदद) पर निर्भर रहना पड़ता था। अपने माता-पिता की आर्थिक तंगी देखकर उनका दिल टूट जाता था। 17 की उम्र में उन्होंने एक होटल में वेट्रेस का काम शुरू किया।

मानसून सत्र: विपक्ष के हंगामे के बाद सरकार संसद में बहस के लिए तैयार

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में होगी 25 घंटे बहस

नई दिल्ली, जेएनएन। संसद के मानसून सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा। सोमवार को विपक्ष ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जमकर विरोध दर्ज कराया। विपक्ष ने पीएम मोदी से इन मुद्दों पर सीधे जवाब की मांग की। बाद में सरकार ने इस पर बहस की घोषणा कर दी है।

सरकार ने घोषणा की है कि ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में व्यापक चर्चा होगी। लोकसभा में इस पर 16 घंटे और राज्यसभा में 9 घंटे तक बहस तय की गई है। लेकिन विपक्ष की मांग है कि यह बहस सत्र के प्रारंभ में हो और स्वयं प्रधानमंत्री मोदी सदन में उपस्थित होकर जवाब दें। विपक्षी दलों का कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर सरकार की ओर से स्पष्टता और पारदर्शिता जरूरी है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भी अब तक आतंकियों को न पकड़ा गया है, न मारा गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने भी स्वीकार किया है कि इंटेलिजेंस की विफलता हुई है।

32 दिन चलेगा सत्र

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक कुल 32 दिनों तक चलेगा। इस दौरान 18 बैठकें होंगी और सरकार की ओर से 15 से अधिक विधेयक पेश किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13-14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी। सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले प्रमुख विधेयकों में नया इनकम टैक्स बिल, मणिपुर जीएसटी संशोधन विधेयक और नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल शामिल हैं।

नए बिल पास और प्रस्तुत

मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा ने बिल ऑफ लैडिंग बिल, 2025 को पास कर दिया। यह बिल 1856 के भारतीय बिल्स ऑफ लैडिंग एक्ट की जगह लेगा और समुद्री मार्ग से भेजे गए माल के लिए कानूनी डॉक्यूमेंटेशन का आधुनिकीकरण करेगा। वहीं, लोकसभा में नए इनकम टैक्स बिल पर बनी संसदीय समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समिति ने इस 622 पन्नों वाले बिल में कुल 285 सुझाव दिए हैं।

महाभियोग प्रस्ताव पर भी किए हस्ताक्षर

सत्र के पहले दिन जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में 145 और राज्यसभा में 63 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को ज्ञापन सौंपा। यह प्रस्ताव नकदी बरामदगी को लेकर लाया गया है।

सत्र के बाद: पीएम की बैठक, खड़गे का जन्मदिन

सत्र के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का जन्मदिन भी था। इस अवसर पर संसद भवन में कांग्रेस सांसदों ने केक काटा और उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही, पीएम मोदी ने संसद भवन में महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेता शामिल हुए।

2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में सभी 12 आरोपी बरी

सरकार दोष साबित करने में नाकाम: हाईकोर्ट

मुंबई, जेएनएन। मुंबई हाईकोर्ट ने 2006 के भयावह ट्रेन ब्लास्ट मामले में सोमवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि प्रॉसीक्यूशन (सरकारी पक्ष) आरोपियों के खिलाफ आरोप सिद्ध करने में पूरी तरह विफल रहा है। न्यायालय ने कहा कि इस केस में आरोपियों के दोषी होने के कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं, इसलिए संदेह का लाभ देते हुए सभी को बरी किया जाता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि आरोपी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। 12 आरोपियों में से एक की ट्रायल के दौरान मौत हो चुकी है। बाकी 11 आरोपी अगर किसी अन्य मुकदमे में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें जेल से छोड़ा जाएगा। एटीएस ने कुल 30 लोगों को आरोपी बनाया, जिनमें 13 पाकिस्तानी नागरिक थे। 2015 में मकोका कोर्ट ने 13 में से 5 आरोपियों को फांसी, 7 को उम्रकैद और 1 को बरी किया था। आरोपियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील की। कोर्ट ने 2019 से इस पर सुनवाई शुरू की, जो अलग-अलग चरणों में 2023 तक चली और अंततः 2025 में यह फैसला आया।

11 मिनट में 7 धमाके, 189 मौतें

11 जुलाई 2006 को शाम 6.24 से 6.35 के बीच मुंबई की वेस्टर्न रेलवे लाइन की 7 लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास डिब्बों में प्रेशर कुकर बमों से सिलसिलेवार धमाके किए गए। ये खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर स्टेशनों के पास हुए। कुल 189 लोग मारे गए और 824 लोग घायल हुए थे। बमों में आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों का इस्तेमाल किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

नहीं रहे जनता के चहेते कॉमरेड अच्युतानंदन

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। कम्युनिस्ट आंदोलन के जीवंत प्रतीक और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे 23 जून को हुए हृदयाघात के बाद से राजधानी के एक निजी अस्पताल में इलाजरत थे। वर्ष 2019 में उन्हें आघात (स्ट्रोक) भी आया था, जिसके बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर थे। अच्युतानंदन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के संस्थापक सदस्यों में अंतिम जीवित नेता थे। 1964 में जब 32 नेताओं ने सीपीआई की राष्ट्रीय परिषद से अलग होकर सीपीआई (एम) की स्थापना की, तब वीएस उनमें अग्रणी थे। वे 1980 से 1992 तक पार्टी के राज्य सचिव रहे और 1985 से 2009 तक पोलितब्यूरो सदस्य। 20 अक्तूबर 1923 को जन्में अच्युतानंदन का जीवन मजदूर नेता के रूप में शुरू हुआ। मां के बचपन में निधन के बाद उन्होंने दर्जी भाई की मदद की और फिर नारियल रेशा कारखाने में काम किया।

सौरभ शर्मा की जमानत पर फैसला सुरक्षित

जागरण, जबलपुर। ईडी द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल से करोड़पति बिल्डर बने सौरभ शर्मा की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल ने सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई कड़ी फटकार

राजनीतिक लड़ाई में न हो जांच एजेंसियों का उपयोग

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयों का मंच चुनाव होता है, न कि जांच एजेंसियों के दफ्तर। कोर्ट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को भेजे गए समन को लेकर ईडी की मंशा पर सवाल उठाए और पूछा कि आखिर एजेंसी का राजनीतिक औजार की तरह इस्तेमाल क्यों हो रहा है?

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मुडा) केस में ईडी की अपील पर सुनवाई के दौरान की। मुख्य न्यायाधीश ने यहां तक कहा, 'हमारा मुंह मत खुलवाइए, नहीं तो हमें ईडी को लेकर कठोर टिप्पणियां करनी पड़ेंगी।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'मेरे पास महाराष्ट्र का अनुभव है। कृपया देश भर में यह हिंसा मत फैलाइए। राजनीतिक लड़ाई चुनाव तक ठीक है, लेकिन इसके लिए ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल अस्वीकार्य है।' ईडी ने सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मुडा भूमि आवंटन मामले में समन भेजा था। हाईकोर्ट ने यह समन रद्द कर दिया था, जिसे ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

भोपाल मेट्रो: आरडीएसओ ने परखा ऑसिलेशन और इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस

जांच का पहला चरण पूरा, सीएमआरएस टीम की जांच के बाद जल्द शुरू होगी मेट्रो

जागरण संवाददाता, भोपाल। तेज रफ्तार पर भोपाल मेट्रो आम लोगों के लिए कितनी सुरक्षित है। इसकी जांच करने के लिए लगभग दो सप्ताह पहले रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ), इंडियन रेलवे की टीम भोपाल पहुंच चुकी थी। टीम ने 9 जुलाई से 21 जुलाई तक सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो को विभिन्न गति सीमा और वजन के साथ चलाकर देखा। इस दौरान मुख्य रूप से भोपाल मेट्रो रोलिंग स्टॉक के लिए ऑसिलेशन (दोलन) और इमरजेंसी ब्रेकिंग डिस्टेंस की जांच की गई। 15 से 20 दिन बाद कमिश्नर मेट्रो सेफ्टी के भोपाल आने की संभावना है। उनकी ओर से जांच और सुरक्षा मानकों पर रिपोर्ट के बाद मेट्रो संचालन शुरू हो जाएगा। आरडीएसओ के डायरेक्टर (एक्सपेरिमेंट) संदीप गुप्ता के नेतृत्व में सभी परीक्षण किए।

मेट्रो की सुरक्षा जांच करने के लिए भोपाल पहुंची आरडीएसओ की टीम।

मेट्रो कोच में रेत की बोरियां भरकर टेस्ट 20 दिन बाद आएगी रिपोर्ट (पेज-03)

सीबीएसई स्कूलों में हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। बोर्ड ने अपने नियमों में संशोधन करते हुए देशभर के सभी संबद्ध स्कूलों के लिए हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाने को अनिवार्य कर दिया है। खास बात यह है कि इन कैमरों में रीयल टाइम ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग की सुविधा होगी। सीबीएसई के नए नियम के अनुसार, ये कैमरे स्कूल के प्रवेश और निकास द्वारों, लॉबी, गलियारों, सीढ़ियों, कक्षा कक्षों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कैंटीन क्षेत्र, स्टोर रूम, खेल के मैदान और अन्य सामान्य क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। केवल शौचालय और वॉशरूम को इस नियम से बाहर रखा गया है। गौरतलब है कि हाल ही में स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा को लेकर कई मामले सामने आए हैं।

18 माह में होगा नवीन विश्राम गृह का निर्माण

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर व सीएम ने किया भूमिपूजन, अन्य नेता भी रहे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि बदलते परिवेश में जो मूलभूत आवश्यकताएं हैं वे प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक हैं। विधायक जनता के प्रतिनिधि होते हैं, वे अपने दायित्व का ठीक से निवर्हन कर पाएं इसके लिए जरूरी है कि उनकी मूलभूत आवश्यकताओं एवं सुविधाओं का भी समय पर ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए प्राणप्रण से जुटे हुए हैं। तोमर सोमवार को विधानसभा विश्राम गृह में नवीन आवास निर्माण कार्य के भूमि-पूजन के उपरांत उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नई चुनौतियों को स्वीकार करके प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में औद्योगिक निवेश एवं युवाओं को रोजगार मिले इसके लिए इनवेस्टर्स से मिल कर वे सात-आठ दिन की विदेश यात्रा करके हाल ही में लौटे हैं। उनकी यह यात्रा सफल होगी एवं प्रदेश, डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक औद्योगिक राज्य के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल होगा। तोमर ने कहा कि स्वच्छता की दृष्टि से भी प्रदेश लगातार पूरे देश में उत्कृष्ट स्थान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम ने विधायकों के नवीन विश्राम गृह के निर्माण कार्य को प्राथमिकता पर लिया और आज उनके प्रयासों से इसका भूमि पूजन हो रहा है। 18 माह में यह परिसर बन कर तैयार हो जाएगा।

विधानसभा में जल्द ही पूरी तरह पेपरलेस होगा काम, सदस्यों को होगी आसानी

तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। हमारी विधानसभा जल्द ही ई-विधानसभा में परिवर्तित हो जाएगी और कामकाज पूरी तरह से पेपरलेस हो जाएगा। सदस्यों को गर्भगृह में भी काम करने में इससे आसानी होगी। वर्ष 1958 में इस विधायक विश्राम गृह का निर्माण किया गया था। यहां बने विधायक विश्राम भवन की इमारत बहुत पुरानी हो गई थी। इस भवन ने 67 साल की यात्रा पूरी की है। लेकिन अब सभी विधायकों को यह महसूस हो रहा था कि नया प्रकल्प बनाया जाए क्योंकि इसमें समय के अनुसार सुविधाओं का अभाव है।

औद्योगिक विकास से युवाओं को रोजगार मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति एवं विकास हो रहा है। पिछले 11 वर्षों में हमने एसी सफलताएं प्राप्त की हैं कि पूरी दुनिया हमें देख रही है और हमसे जुड़कर काम करना चाहती है। कृषकों के फसल उत्पादन में नवीन तकनीकी के प्रयोग की दिशा में भी हम कार्य कर रहे हैं। औद्योगिक विकास से युवाओं के रोजगार के लिए भी कार्य हो रहा है। सीएम ने बताया कि दुबई और स्पेन यात्रा से मध्य प्रदेश को 11 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर संसदीय कार्य एवं नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्णा गौर अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, सदस्यगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री एवं सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मांडू में कांग्रेस का दो दिवसीय नव संकल्प शिविर

महाराष्ट्र की तरह मप्र में भी की गई 'चुनाव चोरी': राहुल

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र की तरह मध्यप्रदेश में भी चुनाव चोरी किया गया। मैं बिना किसी शक के कह रहा हूं महाराष्ट्र में चुनाव चोरी किया गया है। हमनें अनेक बार चुनाव आयोग से इलेक्शन डेटा, वोटर लिस्ट, और पोलिंग बूथ के वीडियो फुटेज मांगे लेकिन आज तक आयोग ने डेटा नहीं दिया। राहुल गांधी रविवार को धार जिले में मांडू में आयोजित दो दिवसीय नव संकल्प शिविर को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विधायकों और पार्टी नेताओं से कहा कि अगर हम सावधान नहीं रहेंगे, हमारी पार्टी तैयारी नहीं करेगी तो जो महाराष्ट्र में हुआ वो एमपी में फिर होगा। हमने महाराष्ट्र चुनाव की वीडियोग्राफी मांगी, तो उन्होंने कानून बदल दिया। पुरानी वोटर लिस्ट को डिस्ट्रॉय कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऐतिहासिक काम किया है। हमने पहली बार एक कास्ट बेस्ड इको- सोशल सर्वे तेलंगाना में करके दिखाया है। इसके माध्यम से तेलंगाना का हमने आर्थिक-सामाजिक एक्सरे कर लिया है। इस सर्वे के सवाल हमने बंद कमरे में नौकरशाहों से नहीं बनवाये। दलित, आदिवासी, सामान्य और सभी सामाजिक संगठनों से इन सवालों का प्रारूप तैयार करवाया है।

आज तेलंगाना का जो भी डेटा आप चाहते हो वो हम दे सकते हैं। ये विकास का नया मॉडल है, भागीदारी का नया मॉडल है। इससे तेलंगाना में हम नई तरह की राजनीति करने जा रहे हैं, भागीदारी की राजनीति करने जा रहे हैं।

जातिगत जनगणना राहुल गांधी की बड़ी सोच: चौधरी (पेज-02)

न्यूज कार्नर

एसबीएम सहायक नोडल अधिकारी ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का किया निरीक्षण

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत शहरी स्वच्छता थीम पर आधारित स्वच्छता गतिविधि प्रारंभ कर दी गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण में रीवा नगर निगम को फाइव स्टार मिलने के बाद अगले वर्ष वाटर प्लस के लिए अभी से प्रयास प्रारंभ कर दिये गये हैं। इसके तहत एसबीएम सहायक नोडल अधिकारी अपूर्वा चतुर्वेदी द्वारा सोमवार को स्वच्छता जागरूकता टीम के साथ वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट पहड़िया का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने पहड़ियां प्लांट में बेस्ट टू एनर्जी, बेस्ट टू कंपोस्ट एवं एमआरएफ प्लांट का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्लांट की साफ-सफाई, मशीनों का रखरखाव एवं कचरे से बन रही बिजली एवं जैविक खाद के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। इसके साथ ही एसबीएम सहायक नोडल अधिकारी अपूर्वा चतुर्वेदी द्वारा प्लांट में पौधारोपण किया गया।

परशुराम जनकल्याण सेवा समिति की बैठक संपन्न

रीवा। आत्मरक्षा श्री परशुराम जनकल्याण सेवा समिति के सहयोग से गत दिवस श्री रामेश्वरधाम मंदिर प्रांगण में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में हिन्दू धर्म को जगाने, भाईचारा व अपने इष्ट हनुमानजी या अन्य देवी-देवताओं की अपने-अपने गांव में पूजन, आरती कर तिलक लगा, गले लगकर संगठित रहकर हिन्दुत्व सनातन धर्म की रक्षा करने का आह्वान किया गया। साथ ही आत्मरक्षा, स्वरक्षा एवं सबकी रक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में समिति पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

सावन के दूसरे सोमवार को शिव मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सुबह से प्रारंभ हुआ जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना का दौर देर रात तक चलता रहा

जागरण, रीवा

सावन के दूसरे सोमवार को जिले भर के शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना एवं अभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंजते रहे। मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे जिले में भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल छाया रहा। भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए भिन्न-भिन्न पदार्थो से अभिषेक किया गया। दूसरे सोमवार को श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जल के साथ-साथ दूध-दही, शहद, घी, इत्र, चंदन के लेप, काले तिल, गेहूं, बेलपत्र एवं गन्ने के रस से अभिषेक कर उनकी कृपा प्राप्त की। शहर के प्रमुख शिव मंदिरों भगवान महा मृत्युंजय मंदिर किला, मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर कोठी कंपाउंड, ओंकारेश्वर महादेवालय गांधी नगर उर्रहट में अभिषेक एवं पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की लंबी लाइन लगी रही। भगवान भोलेनाथ को खुश करने के लिए लोगों ने पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। कई मंदिरों में भंडारे का भी आयोजन किया। मनकामेश्वरनाथ शिव मंदिर सहित शहर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया। दूसरे सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में भक्त डूब गए। किला में भगवान महामृत्युंजय मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। सभी श्रद्धालु हाथों में फूल, बेलपत्र, जल, धूप, धतूरा लेकर पहुंचे और कतार में लग घंटों प्रतीक्षा कर भगवान शिव का पूजन किया। भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने बच्चे बूढ़े, महिलाएं और युवतियां भी पहुंची। भगवान भोले नाथ की पूजा अर्चना करने से सारी मुरादें पूरी होती हैं। सावन मास में भगवान शिव की आराधना घर में सुख समृद्धि लेकर आती है। सारी मनोकामना भगवान पूरी करते हैं। लोग भगवान को प्रसन्न करने व्रत भी रखते हैं।

ओंकारेश्वर महादेवालय में लगा रहा भक्तों का तांता

गांधी नगर उर्रहट स्थित ओंकारेश्वर महादेवालय में दूसरे सोमवार को भी श्रद्धालुओं की भारी उमड़ी। महादेवालय में सुबह से शुरू हुआ भगवान महादेव के अभिषेक एवं पूजा अर्चना का दौर देर रात तक चलता रहा। यहां पर पूरे सावन माह में विशेष पूजा की जाती है। महिलाओं द्वारा प्रतिदिन भक्ति संगीत का कार्यक्रम किया जाता है। सावन माह में कई बार भण्डारे का भी आयोजन किया जाता है। इस शिवालय में सर्वाधिक संख्या महिलाओं एवं बच्चों की होती है। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग के अलावा इस मंदिर के निर्माण की भव्यता भी देखने लायक हैं। संध्या के समय मंदिर परिसर खचाखच भरा रहता है।

शिवालयों में उमड़ी भीड़

रीवा एवं मऊगंज जिले के अन्य प्रमुख शिव मंदिरों में देवतालाब शिव मंदिर, कष्टहरनाथ शिवालय गुढ़, चिरहुलानाथ मंदिर, रानी तालाब देवी मंदिर और अन्य छोटे-बड़े शिवालयों में भी भक्तों की भारी भीड़ पहुंची। इन मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रीवा पहुंचे, जिससे सड़कों पर भी भक्ति का माहौल दिखाई दिया।

नामदेव समाज की जनसंख्या कितनी, करेंगे गणना

बैठक में लिए गए कई निर्णय

रीवा। संत शिरोमणि नामदेव महाराज जी की आगामी जयंती व रीवा नामदेव समाज के कमेटी गठन की चर्चा हेतु समाज की बैठक बैजू धर्मशाला में हुई। बैठक में नामदेव समाज संगठन को मजबूती के साथ संगठित करने पर बल दिया गया। कहा गया कि नामदेव समाज का नाम आगे बढ़ाना है वो चाहे नशे के खिलाफ हो या शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति हमारा दायित्व हो समाज को हमेशा अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही सामाजिक विवाह सम्मेलन व नामदेव समाज की जनसंख्या की गणना भी रणनीति बनाने पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के श्रवण नामदेव ने जबकि मुख्य अतिथि पुलिस विभाग से रिटायर महेश नामदेव, विशिष्ट अतिथि सेना से रिटायर समाजसेवी डॉ दिलीप नामदेव रहे। इस अवसर पर नवीन कमेटी का अध्यक्ष राजेश नामदेव, उपाध्यक्ष विनोद नामदेव, बालमुकुंद नामदेव, सचिव बैद्यनाथ नामदेव, सह सचिव श्रीनाथ नामदेव, कोषाध्यक्ष रामसुमिरन नामदेव, सांस्कृतिक सचिव की जिम्मेदारी विवेक नामदेव, शेखर नामदेव को दी गई। इस अवसर पर नामदेव समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नवनियुक्त शिक्षकों के डीए एरियर्स भुगतान की मांग

रीवा। नव नियुक्त शिक्षक द्वारा सोमवार को जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नवनियुक्त शिक्षकों के तीन वर्षों के लंबित डीए एरियर्स का भुगतान, परिवीक्षा अवधि पूर्ण के आदेश, जुलाई में वेतन वृद्धि कराए जाने की मांग रखी गई। ज्ञापन में बताया कि जिले में कार्यरत सैंकड़ों नवनियुक्त शिक्षकों के विगत तीन वर्षों से अधिक समय का लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स दिए जाने की कार्यवाही, संबंधित अधिकारियों द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय से नवनियुक्त शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने का आदेश जारी न होने का हवाला देकर डीए एरियर्स नहीं दिया है। जबकि देय एरियर्स का परिवीक्षा अवधि समाप्ति से कोई संबंध नहीं है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम ने बताया कि विसंगति है कि समस्त नवनियुक्त शिक्षकों को वर्तमान में शासन द्वारा लागू महंगाई भत्ता प्राप्त हो रहा है किन्तु उसी महंगाई भत्ते का एरियर्स नवनियुक्त शिक्षकों को नहीं दिया जा रहा।

बरसात में कई घर गिरे तब निगम प्रशासन को याद आए जर्जर भवन

भयप्रद भवनों पर चस्पा होगी नोटिस, फिर होगी गिराने की कार्यवाही, शहर की अवैध कॉलोनियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

जागरण, रीवा। बरसात में जब कई घर गिरे तो निगम प्रशासन को जर्जर भवन याद आए। सोमवार को टीएल बैठक में जर्जर एवं भयप्रद भवनों का मामला छाया रहा। भयप्रद भवनों को गिराने की कार्यवाही करने तथा अवैध कॉलोनियों के मामले में जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिये गये। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सोमवार को निगम सभागार में टीएल बैठक ली। बैठक में जर्जर एवं भयप्रद भवनों, टीएल पत्रों, अवैध कॉलोनियों, निर्माण कार्यों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निगम क्षेत्रांतर्गत जोनवार चिन्हित जर्जर एवं भयप्रद भवनों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि चिन्हित भयप्रद भवनों पर नोटिस चस्पा कर विधिवत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिराया जाए। पूर्व में जारी नोटिसों का फॉलोअप कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आयुक्त ने चेतावनी दी कि लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि बुधवार तक समिति निर्णय लेकर सभी तैयारियां पूरी करे और उसके उपरांत भवनों को गिराने की कार्रवाई की जाए। जोन 1 में स्थित पीडब्ल्यूडी के भयप्रद भवनों का लोक निर्माण विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जोनों में उन अवैध कॉलोनियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जिन पर अब तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। इसके साथ ही जो कॉलोनियां वैधीकरण की प्रक्रिया में हैं लेकिन सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित भूमि नहीं छोड़ी गई है, उनसे वसूली राशि तय कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

नीम चौराहा में बनेगा फायर स्टेशन एवं जोन कार्यालय

टीएल बैठक के दौरान निगमायुक्त ने नीम चौराहा के पास फायर स्टेशन और नगर निगम का जोन 2 कार्यालय बनाये जाने के निर्देश दिया। उन्होंने नीम चौराहे के पास ही स्थल चिन्हित कर योजना बनाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निगमायुक्त वार्ड 37 में पुरानी कोतवाली के पास सामुदायिक भवन का इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया कि जनहित में अतिआवश्यक विकास कार्यों के इस्टीमेट वरीयता के अनुसार बनाकर प्रस्तुत करें, जिससे इन कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर कराये जा सकें।

लंबित शिकायतों पर जताई नाराजगी

निगमायुक्त ने टीएल बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा के दौरान लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधानकारक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वार्ड 15 रतहरा नहर के पास और वार्ड 25 में हॉकर्स जोन बनाने एवं क्षेत्रांतर्गत रोड एवं नाली निर्माण कार्य के पूर्व सीवर और जलप्रदाय से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, एचके त्रिपाठी, उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त शीतल भलावी, रामनरेश तिवारी, केएन साकेत, सहायक यंत्री एसके गर्ग, राजेश मिश्रा, पीएन शुक्ला, राजेश चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविन्द चतुर्वेदी, मुरारी कुमार, सहायक राजस्व अधिकारी रावेन्द्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी सहित उपयंत्री एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक की शिकायतों का तत्काल निराकरण करें : डॉ सोनवड़े

टूरिज्म कॉन्क्लेव की तैयारियाँ समय पर कर लें : डॉ सोनवड़े

रीवा । कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने टीएल पत्रों के निराकरण की समीक्षा की। डॉ सोनवड़े ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व विभाग, पीएचई विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तत्परता से आवेदन का निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में अभी भी कई प्रकरण बिना किसी कार्यवाही के एल-1 से एल-2 अधिकारी के पास जा रहे हैं। प्रकरण के नॉन अटेंडेड रहने पर एल-1 अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करें। कई विभागों में एल-3 स्तर पर भी बड़ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में ध्यान न देने वाले अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करके कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान में जिन विभागों को पौधरोपण के लक्ष्य दिए गए हैं वे नियमित रूप से पौधे रोपित करके 31 जुलाई तक लक्ष्य पूर्ति करें। रोपित पौधों की जानकारी वायुदूत ऐप में दर्ज कराएं। जिला शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास तथा उप संचालक कृषि पौधरोपण पर विशेष ध्यान दें। रीवा में 26 और 27 जुलाई को टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। इससे जुड़े अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। सभी अधिकारी कॉन्क्लेव की तैयारियाँ समय पर पूरी कर लें। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा सेतु शहर की प्रमुख सड़कों और फ्लाईओवर में तत्काल आवश्यक सुधार, साफ-सफाई तथा रंगरोगन का कार्य कराएं।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि जिला खनिज अधिकारी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रेत तथा अन्य खनिज पदार्थों के अवैध भण्डारण पर तत्काल कार्यवाही करें। ग्राम बड़ी डीह में संक्रामक बीमारी से बचाव के लिए मेडिकल टीम तैनात है तथा पीएचई विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों का शुद्धीकरण किया गया है। गांव तक आवागमन सुगम बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क में सुधार का कार्य किया जा रहा है। सड़क सुधार के लिए वन विभाग आवश्यक अनुमति देकर सहयोग करे। बैठक में जलभराव से क्षतिग्रस्त मकानों के सर्वेक्षण तथा राहत राशि के प्रकरण बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में कृषि आदान, खाद के वितरण, संक्रामक रोगों से बचाव तथा प्राकृतिक आपदा से राहत और बचाव के प्रबंधों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निकालने के बाद किनारे ही छोड़ देते हैं कचरा

बारिश के कारण पुनः नाले-नालियों में समाहित हो जाता है

जागरण, रीवा। नगर निगम को हाल ही में स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रदेश में पांचवा स्थान मिला है, किन्तु शहर के नाले-नालियों की दुर्दशा पूर्व की तरह ही बरकरार है। नाले-नालियों से कचरा तो निकाला जाता है, किन्तु वहां से हटाया नहीं जाता। कचरा निकालने के बाद किनारे पर ही ढेर लगा दिया जाता है, जिससे बारिश होने पर निकाला गया कचरा बहकर पुनः नाले-नालियों में समाहित हो जाता है।

कचरा वाहन का समय नहीं निर्धारित

शहर के अधिकतर क्षेत्रों की नालियों के किनारे निकाले गए कचरे का ढेर देखा जा सकता है। इसके अलावा कुछ क्षेत्रों में घरों से फेंके गए कचरे का ढेर भी सहजता से देखने को मिल सकता है। कुछेक वार्ड ऐसे हैं जहां कचरा वाहन पहुंचने का समय निर्धारित नहीं। कहीं भरी दोपहर को तो कहीं शाम को कचरा वाहन पहुंचता है, जिसके चलते लोग सड़क किनारे कचरा फेंक कर फुर्सत हो जाते हैं, जो दिन भर इधर-उधर उड़ता रहता है।

कंगना रनौत का फूंका पुतला, कहा-मांगे माफी

रीवा। शिवाजी पार्क रतहरा के पास भाजपा सांसद कंगना रनौत का पुतला फूंका गया और प्रदर्शनकारियों ने कंगना को अपने बयान पर माफी मांगने को कहा। इं दीपक ने कहा कि कंगना रनौत ने हाल ही में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए उनकी योग्यता पर सवाल उठाया था, जिससे पूरे देश में सरदार पटेल के अनुयायियों में रोष व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने कंगना रनौत का पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज किया और मांग की कि कंगना रनौत को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। सरदार पटेल ने जहां पूरे देश को एकीकरण करने का काम किया ऐसे देश के पहले गृह मंत्री जिनकी शिक्षा विदेश में हुई हो, ऐसे लौह पुरुष के बारे में आपत्ति जनक टिप्पणी करना बेहद निंदनीय है। सरदार सेना के अध्यक्ष दिनेश पटेल, क्रांतिकारी युवा परिषद अध्यक्ष धर्मेंद पटेल, सरदार पटेल संस्थान अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह उपरोक्त सभी संगठनों के लोगों ने एवंअन्य संगठनों के क्रांतिकारी साथियों ने भारी रोष व्यक्त किया। पुतला दहन कार्यक्रम में सैकड़ों की तादाद में गोमती पटेल, अशोक पटेल, दिनेश ओबीसी,विनोद पटेल,संजीव पटेल, विजय राजू पटेल, प्रदीप पटेल, उपेन्द्र सिंह सहित कई लोगों ने विरोध दर्ज कराया।

पशुओं के मामले में कलेक्टर के आदेश का कोई प्रभाव नहीं

जागरण, रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा जिले भर में आवारा घूमने वाले पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौशाला पहुंचाने के निर्देश दिये थे, लेकिन उनके आदेश का कोई प्रभाव कहीं भी देखने को नही मिल रहा है। ग्रामीण अंचलों की बात तो छोड़िये शहर में ही आवारा पशु खुलेआम विचरण कर रहे हैं और जगह-जगह यातायात में बाधक बन रहे हैं। पिछले दिनों निगमायुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम द्वारा कुछ पशुओं को अवश्य गौशाला पहुचाया गया। फिर शहर में आवारा पशुओं की संख्या कम नहीं हो पा रही है। रात्रि के समय इन पशुओं के कारण आये दिन सड़क दुर्घटनायें होती हैं। सोमवार को शाम के समय जयस्तंभ के पास छोटीपुल पर आधा दर्जन से अधिक पशु विचरण कर रहे थे। वहां से गजरने वाले सभी वाहन इनसे बच कर निकल रहे थे। लेकिन रात के समय यही पशु दूर से दिखाई नहीं देते हैं और इस वजह से दुर्घटना का कारण बनते हैं।

गुम शुदा की तलाश

वीरेन्द्र पांडे उम्र 50 वर्ष निवासी टेहरा पो. मदरी तह. सिरमौर का निवासी हूं। जो कि 17.07.2025 को पावर ट्रेक ट्रैक्टर खरीदने रिंग रोड रीवा आए थे, जहाँ उन्होंने कागजातों में हस्ताक्षर किए है, और कागजात भी जमा किए हैं, उसके पश्चात अभी तक ला पता है, जिसकी सूचना लालगांव थाने में दर्ज है, गुमशुदा व्यक्ति की लंबाई 5 फिट 6 इंच है, रंग गेहुआ कलर है, और लाल कलर की हॉफ सर्ट पहने हैं,यदि किसी सज्जन को जानकारी मिले तो उक्त नंबर पर सूचना देने का कष्ट करें।
RN- 82576
संपर्क- 8815141553, 9201042821

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन
हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी
जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी
जबड़े का फ्रैक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

दैनिक जागरण
रीवा, 22 जुलाई, 2025
www.dainikjagranmpcg.com

रीवा जागरण

शहर का तापमान/मौसम
अधिकतम 34.2°c | न्यूनतम 25.3°c
जिले में कहीं कहीं बादल के साथ वर्षा के आसार

• 11 • राज्य • 31 • संस्करण — मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

किसानों की समस्याओं को लेकर हुई चर्चा

रीवा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक 21जुलाई 25 को ऋतुराज पार्क बैठक हुई जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन के रीवा जिला अध्यक्ष सुग्रीव सिंह, प्रदेश महासचिव उमेश पटेल, संभागीय अध्यक्ष हरिहर प्रसाद पटेल, जिला उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह, कोषाध्यक्ष वीरभद्र सिंह, किसान नेता उमेश पटेल फौजी, मनोज कुमार पाण्डेय, उमेश कुमार पाण्डेय, विद्याविलास पाण्डेय, लक्ष्मण प्रसाद पटेल, रजनीश साकेत, सुरजीत सिंह इत्यादि किसान उपस्थित रहे।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

महिलाओं पर अत्याचार का लगाया आरोप, महिला कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जागरण, रीवा। महिला कांग्रेस इकाई रीवा ने महिला पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और भाजपा की प्रदेश व केंद्र की सरकार को असफल करार दिया। कांग्रेस प्रदेश महासचिव कविता पांडेय की अगुवाई में जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। विवेकानंद पार्क में सभी महिला नेत्री इकट्ठा होकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कविता पांडेय ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि मध्य प्रदेश के साथ-साथ रीवा में भी महिलाओं के ऊपर अत्याचार किए जा रहे हैं। यह सरकार पूरी तरह से महिलाओं के प्रति सुरक्षा प्रदान करने में अक्षम साबित हो रही है। मोहन के राज में महिलाएं अपने आप को सुरक्षित नहीं मान रही हैं। रीवा में महिला बच्चियों सुरक्षित नहीं हैं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश महासचिव कविता पांडेय, प्रदेश महासचिव पूर्व विधायक डॉ शीला त्यागी, महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष नीलम सिंह परिहार, जिला अध्यक्ष सीमा सिंह जरहा, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, प्रदेश सचिव ममता तिवारी, उत्पीड़न प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष प्रभा सोहगौरा, प्रदेश सचिव लक्ष्मी सिंह परिहार,वरिष्ठ नेत्री आशा पांडेय, वरिष्ठ नेत्री देवती वर्मा, शमीम बानो, नीलम पांडे, किरण सिंह, रीता पांडेय, सहित महिला कांग्रेस की समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थी।

ईओडब्ल्यू पहुंचा भाजपा नेता के बनाए मनगवां ओवर ब्रिज के भ्रष्टाचार का मामला

चंद माह में उखड़ गई भाजपा नेता की बनायी मनगवां ओवरब्रिज की सड़क

अधिवक्ता ने की ठेकेदार राजसज्जन शुक्ला सहित एनएचएआई के अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

जागरण, रीवा

मनगवां टिवनी मोड़ पर बनाए गए ओवर ब्रिज में हुए भ्रष्टाचार का मामला अब ईओडब्ल्यू पहुंच गया है। इस संबंध में अधिवक्ता द्वारा की गई शिकायत को अधिकारियों ने गंभीरता से लिया है और जल्द से जल्द निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की जांच कराकर कार्यवाही की बात कही है। बता दें कि क्षेत्रीय विकास संगठन ने इस मुद्दे पर लगातार शिकायत की जा रही है और इस ओवरब्रिज के निर्माण में हुए बंदरबांट का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की जा रही है। इस संबंध में ईओडब्ल्यू से शिकायत करते हुए क्षेत्रीय विकास संगठन के अध्यक्ष अधिवक्ता मानवेन्द्र द्विवेदी ने बताया है कि टिवनी मोड़ पर अधिक ट्रैफिक दबाव को कम करने व आए दिन हो रहे हादसों को कम करने एनएचएआई द्वारा ओवरब्रिज का निर्माण करीब 14.56 करोड़ की लागत से कराया गया। इसका निर्माण भाजपा नेता ठेकेदार रामसज्जन शुक्ला द्वारा किया गया है, निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया, जिसका प्रमाण इस ओवरब्रिज की उखड़ी सड़के हैं, चंद माह में ही हालात यह हो गए कि यहां से निकलना मुश्किल हो रहा है, ओवरब्रिज होते हुए भी लोग नीचे से निकल रहे हैं क्योंकि यहां से निकलने पर भारी धूल का सामना लोगों को करना पड़ता है, चार पहिया वाहन के अलावा दो पहिया वाहन वालों का यहां से निकलना मुश्किल है, खराब सड़कों की वजह से चार पहिया वाहन चालकों को भी परेशानी होती है।

अधिकारियों ने नहीं दिया ध्यान

अधिवक्ता ने शिकायत में कहा है कि ठेकेदार ने इस निर्माण में जमकर बंदरबांट किया है और इस पर अधिकारियों ने भी ध्यान नहीं दिया। ठेकेदार रामसज्जन शुक्ला व एनएचएआई के अधिकारियों ने मिलकर शासन की राशि में बंदरबांट किया है जो गंभीर विषय है। करोड़ों के इस ओवरब्रिज के निर्माण का मानक पूरा नहीं किया गया और बंदरबांट कर ऐसा ब्रिज तैयार कर दिया गया जो लोगों की जान के लिए खतरा है। इस पर तत्काल संज्ञान लेकर जांच कराकर कार्यवाही की जानी चाहिए।

अमिलकी ब्रिज की हालत खराब

बता दें कि इसी प्रकार गोविंदगढ़ मार्ग में रेलवे क्रॉसिंग के लिए बनाए गए अमिलकी के समीप ओवरब्रिज का बुरा हाल है, हालात यह है कि यहां आए दिन बाइक सवार दुर्घटना का शिकार होते हैं। बीते रविवार को भी बघवार से लौट रहे कर्मचारी की बाइक गड्ढे में फंसकर अनियंत्रित हो गई, जिससे उसे गंभीर चोटे आई। ग्रामीणों की मदद से उसे एसजीएमएच पहुंचाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उखड़ी सड़कों की वजह से यहां आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं, इस ओवरब्रिज के शुरु होते ही यह समस्या बन गई थी, इसके निर्माण में सरकारी राशि का जमकर बंदरबांट की गई है।

भगवान विश्वकर्मा जयंती को लेकर हुई बैठक

रीवा। बाबा घाट स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में ओम श्री विश्वकर्मा विकास परिषद के वरिष्ठ साथियों के साथ सामाजिक चर्चा एवं भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती पूजा महोत्सव के रूप में मनाये जाने के उपलक्ष्य में बृह्द चर्चा हुई। इस सभा की अध्यक्षता ओम श्री विश्वकर्मा विकास परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद विश्वकर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई।

निर्धारित नक्शे से बढ़ाकर बनाये जा रहे मकान का निर्माण रोका

सड़क की पटरी पर टीनशेड लगाकर किये गये अतिक्रमण को हटाया

जागरण, रीवा। नगर निगम के वार्ड 15 में नक्शे के विरुद्ध बनाये जा रहे मकान का निर्माण रोक दिया गया। उक्त भवन निर्माण के लिए दस साल पहले नगर निगम से नक्शा स्वीकृत कराया गया था। बताया गया है कि वर्तमान में मकान का जो निर्माण किया जा रहा है वह नक्शे से पांच फिट अधिक बढ़ा कर किया जा रहा है। इसकी शिकायत किये जाने के बाद निगमायुक्त के निर्देश पर उक्त निर्माण को रोक दिया गया। निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर नियमित रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। सोमवार को नया बस स्टैंड शहडोल मोड़ पर गोमतियां रखकर अतिक्रमण किया गया था। कई दुकानदारों द्वारा सड़क मार्ग की ओर अतिक्रमण करते हुये टीन शेड बनाकर व्यापार किया जा रहा था जिस कारण से राहगीरों को आवागमन में समस्या का सामना करना पड़ रहा था। टीनशेड के कारण आवागवन अवरूद्ध हो रहा था जिसे अतिक्रमण दल द्वारा हटाये जाने की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि दुबारा पाये जाने पर जब्ती के साथ कड़ी कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही में अतिक्रमण सहायक ज्ञानेन्द्र द्विवेदी अतिक्रमण अमले के साथ मौजूद रहे।

आउटसोर्स संगठन ने मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। विंध्य आउटसोर्स कर्मचारी संगठन द्वारा समस्याओं के निराकरण के संबंध में सोमवार को मुख्य अभियंता मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड प्रभा पांडे को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग रखी गई कि सब स्टेशनों में सुरक्षा किट एवं मेंटीनेंस कर्मचारियों को सुरक्षा किट एवं रैन कोट उपलब्ध कराया जाए। रीवा वृत्त अंतर्गत संभाग मऊगंज एवं त्योंथर में कंपनी के नियमानुसार जिन आउटसोर्स कर्मचारी की त्योहारों में ड्यूटी लगाई जाती है संबंधित आउटसोर्स कर्मचारी को अतिरिक्त त्योहारों का भुगतान नहीं किया जाता है साथ ही साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जाता। पश्चिम संभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों पर गलत आरोप लगाकर मनमानी ढंग से 30 से 50 किमी ट्रांस्फर किया जाता है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जाए। रीवा, मऊगंज जिले में कनिष्ठ यंत्री, सहायक यंत्री एवं कार्यपालन अभियंता द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों को मनमानी ढंग से कार्य से पृथक किया जा रहा है जबकि यह अधिकार सिर्फ अधीक्षण अभियंता व मुख्य अभियंता को है, जब 2021-22 में विंध्य आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा जब धरना प्रदर्शन किया गया था तो अधीक्षण अभियंता द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि हमारे अलावा किसी को कोई नहीं हटा सकता। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन पदाधिकारी मुकेश पाण्डेय, सतीश चौबे, प्रकाश मिश्रा, दिलीप शर्मा आदि उपस्थित रहे।

कई स्कूलों पर अब भी नहीं लग सका जुर्माना

प्राइवेट स्कूलों में बैग पॉलिसी का नहीं हो रहा है पालन विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा बस्ते का अतिरिक्त बोझ

नियमों के संचालक कर रहे अनदेखी, जांच तो हुई पर सब पर नहीं हुई कार्रवाई

फाइल फोटो

जागरण, रीवा। जिले में प्राइवेट स्कूल बैग पॉलिसी 2020 का पालन नहीं कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम को छोड़कर अन्य प्रकाशकों की मंहगी पुस्तकें चला रहे हैं। जिसके चलते बच्चों पर बस्ते और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों की जांच कराई गई है लेकिन कुछ स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक जिले के प्राइवेट स्कूल शासन के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के प्रावधानों के विरूद्ध पाठ्यक्रम चला रहे हैं। स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकों की जगह निजी प्रकाशकों की पुस्तकें चलाई जा रही हैं। जिससे कक्षा पहली के बच्चे को 5 से 6 किलोग्राम का वजन उठाना पड़ रहा है। बच्चे पर बस्ते का बोझ है। अभिभावकों को भी कक्षा पहली की पुस्तकें 2 हजार रुपए की पड़ रही हैं। अभिभावकों से स्कूल प्रबंधन अपना पाठ्यक्रम थमाकर पुस्तकें क्रय करा चुके हैं। कक्षा पांचवीं तक के बच्चे 10 किलोग्राम का वजन लेकर तीन तीन मंजिल स्कूल भवन में सीढ़ियां चढ़कर जा रहे हैं। जिससे बच्चों की आफत है। बस्ते के बोझ से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास रूक गया है। वहीं प्रायवेट स्कूल नए-नए प्रोजेक्ट के नाम पर अभिभावकों पर आर्थिक और बच्चों पर मानसिक दवाब डाल रहे हैं।

फीस में भी गफलत

मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के प्रावधानों के तहत प्राइवेट स्कूलों ने 10 प्रतिशत फीस बढ़ाकर अपलोड कर दी है लेकिन इसमें भी गफलत की जा रही है। हर इवेंट में स्कूल अलग से बिना रसीद के शुल्क वसूल लेते हैं। जो शासन से बताई गई फीस से अलग है। इसके अलावा 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने के बावजूद कोई नई सुविधा नहीं दी जा रही है। जिसके आधार पर हर साल 10 प्रतिशत फीस बढ़ाई जाती है।

कक्षा-	वजन सीमा
पहली:	1.6-2.2 किग्रा.
दूसरी:	1.6-2.2 किग्रा.
तीसरी:	1.7-2.5 किग्रा.
चौथी:	1.7-2.5 किग्रा.
पांचवी:	1.7-2.5 किग्रा.
छठवी:	2.0-3.0 किग्रा.
सातवीं:	2.0-3.0 किग्रा.
आठवीं:	2.5-4.0 किग्रा.
नौवीं:	2.5-4.5 किग्रा.

स्कूल की जांच के बाद जुर्माने की कार्यवाही की गई है। साथ ही सुधार के निर्देश दिये हैं। बस्ते के वजन को लेकर भी जांच की जाएगी। कुछ स्कूलों पर जुर्माने की कार्यवाही शेष है।
विनय मिश्रा डीईओ/डीपीसी रीवा

एनसीईआरटी के अलावा अन्य प्रकाशन की पुस्तकें न हो बस्ते में

बैग पॉलिसी में एनसीईआरटी के अलावा अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें बस्ते में नहीं होनी चाहिए। कक्षा 2 तक के बच्चों को गृह्कार्य नहीं देना चाहिए। कक्षा 3 से 5 तक प्रति सप्ताह 2 घंटे व कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों को प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे और कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को प्रतिदिन अधिकतम 2 घंटे का गृह्कार्य दिया जाना चाहिए। स्कूल के नोटिस बोर्ड पर बस्ते का वजन प्रदर्शित होना चाहिए। शाला प्रबंधन को समय सारिणी बनाना है जिससे विद्यार्थियों को प्रतिदिन सभी पुस्तकें नहीं लाना पड़े। कक्षा 8वीं तक के बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएं प्रतिदिन नहीं लानी पड़े, इसके लिए स्कूल में ही रखने की व्यवस्था होनी चाहिए। कम्प्यूटर, नैतिक शिक्षा, सामान्य ज्ञान की कक्षाएं बिना पुस्तक के लगाई जाना चाहिए और शिक्षक डिजिटल माध्यम से अभिभावकों से संवाद करें। बैग पॉलिसी के निर्धारित प्रावधानों को कोई भी प्राइवेट स्कूल नहीं मान रहा है। जिसके चलते बच्चे प्रतिदिन अतिरिक्त बोझ ढोने को मजबूर हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।
जांच का अता-पता नहीं : पिछले साल प्राइवेट स्कूलों की जांच के लिए विकासखंड स्तर पर दल गठित किए गए थे लेकिन शिक्षा विभाग के द्वारा प्राइवेट स्कूलों में पाई गई लापरवाही, बैग पॉलिसी और फीस अधिनियम के प्रावधानों में अभी कई स्कूलों पर कार्रवाई नहीं हुई है। हालांकि कुछ स्कूलों पर जुर्माने की कार्यवाही की गई लेकिन इसके बाद कुछ प्रमुख स्कूल जिन्हें नोटिस के बाद ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। जिम्मेदार इसकी अनदेखी कर रहे हैं।

मऊगंज विधायक की माताजी बीमार एयर एंबुलेंस से भोपाल ले गए

जागरण, रीवा। मऊगंज से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रदीप पटेल की माताजी की तबीयत सोमवार को अचानक अतधिक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें आपात स्थिति में एयर एम्बुलेंस के माध्यम से भोपाल रैफर किया गया। विधायक पटेल की माताजी को बीते रविवार को ही गंभीर हालत में रीवा स्थित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी कर रही थी। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी हृदय से जुड़ी स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक बनी हुई थी। सोमवार को उनकी तबीयत में और गिरावट आने के बाद स्थानीय डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें बेहतर उपचार और विशेषज्ञ देखरेख के लिए एयर एम्बुलेंस से भोपाल के जेके हॉस्पिटल स्थानांतरित किया गया। इस दौरान विधायक प्रदीप पटेल स्वयं परिजनों के साथ मौजूद रहे और पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम जनता द्वारा विधायक की माताजी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की जा रही है।

ओवरलोड ऑटो चालकों पर नहीं लग रहा अंकुश

क्षमता से अधिक बच्चे बैठा दौड़ा रहे तीव्र गति से

जागरण, रीवा। शहर में ओवरलोड ऑटो चालकों पर अंकुश नहीं लग रहा। सवारियां तो यहां के ऑटो चालक क्षमता से अधिक भरते ही हैं, साथ ही स्कूली बच्चों की जान से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। ऑटो में सवारियां बैठाने के स्थान पर तो बच्चे सामान की भांति जमाकर ठूंस दिए जाते हैं इसके अलावा चालक सीट के दोनों ओर भी दो-दो बच्चों को लटकाए तीव्र गति से ऑटो दौड़ा रहे हैं, जिन्हें रोकने वाला कोई नहीं।
बसों के चारों ओर खड़े कर देते हैं ऑटो : शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त करने में सबसे बड़ा हाथ यहां संचालित कर रहे ऑटो चालकों का है, जिनका न तो स्टैंड निर्धारित है न ही यातायात नियम। सवारी की होड़ में कहीं भी ऑटो खड़ा कर देते हैं, सवारियां उतारते यदि इन्हें कोई बस दिख जाए तो बस के चारों ओर ऑटो जमा देते हैं, जिससे सवारियों का उतरने तक की जगह नहीं मिलती। रेल्वे स्टेशन सहित समीपस्थ कस्बे, ग्रामों की ओर जाने वाले ऑटो में क्षमता से कहीं अधिक सवारियां भरी होती हैं, कई बार ओवरलोड के कारण ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। आए दिन शहर में यातायात अमला वाहनों पर कार्रवाही करते देखा जा सकता है, लेकिन इनकी नाक के नीचे से ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए ऑटो सरपट गुजर जाते हैं, यातायात अमला मुंह बाए खड़ा देखता रह जाता है।

करणी सेना ने की हरदा में लाठीचार्ज की निंदा, सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। हरदा में करणी सेना पर अत्यधिक बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज के विरोध स्वरूप करणी सेना प्रमुख अनुराग प्रताप सिंह राघव द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आवेदन सौंपा। आवेदन में मांग की गई कि गत 13 जुलाई को जिला हरदा में करणी सेना के नेतृत्व में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रित तरीके से किए जा रहे जन आंदोलन पर प्रशासन द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग कर लाठीचार्ज, अश्रु गैव व जल बौछार जैसे बर्बर कदम उठाए गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय घटना में कई कार्यकर्ता घायल हुए, महिला व वरिष्ठजनों के साथ भी अमानवीय व्यवहार किया गया। पूरा घटनाक्रम दर्शाता है कि हरदा जिले के पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर दोनों ने प्रशासनिक मर्यादा व संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन किया, जिससे जनभावनाओं को गहरा आघात पहुंचा। करणी सेना प्रमुख ने मांग रखी कि हरदा के एसपी, कलेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। घटना में संलिप्त दोषी पुलिसकर्मियों पर नामजद जांच कराकर उन पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाए। जिन कार्यकर्ताओं पर झूठे प्रकरण दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लिया जाए। हमारी मांगों की अनदेखी की जाती है तो करणी सेना समस्त प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करने बाध्य होगी।

मैदानी नाले में अतिक्रमण से डूबे कई घर

अवैध रूप से बना डाली दुकानें, जुर्माने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

जागरण, रीवा। मैदानी से जेपी रोड जाने वाले तिराहे पर स्थित चालीस फीट के जिस नाले को नाली का स्वरूप दे दिया गया है, उसके कारण मैदानी क्षेत्र में कई जगह गत गुरुवार को हुई बारिश से पानी भर गया। लोगों के आधे-आधे घर डूब गए, घरेलू सामान खराब हो गया, बिस्तर, कपड़े बर्बाद हो गए, राशन बर्बाद हो गया, लोगों को घरों में कैद रहना पड़ा। बच्चे स्कूल जाने से वंचित रहे, क्षेत्र के रहवासियों को काफी नुकसान झेलना पड़ा। एक बात यहां के रहवासियों की समझ से परे है कि प्रदेश भर में जितने भी नाले हैं लगभग समस्त शासकीय ही होते हैं, किन्तु मैदानी में स्थित इस नाले का मालिक कप्सा निवासी कोई राकेश तिवारी स्वयं को बता रहा है? जिसने नाले को बंद कर दर्जन भर दुकानों का निर्माण किया वह उपरहटी निवासी कोई संजय गुप्ता है। यहां के रहवासियों का कहना है कि संबंधितों ने नाला कब और किसकी अनुमति से क्रय किया ये जांच का विषय है।
शिकायत के बाद निर्माण तोड़ किया था जुर्माना : जब इस नाले पर कब्जा किया गया था उस समय यहां के रहवासियों ने शिकायत की थी, जिस पर यहां किए जा रहे अवैध निर्माण को जेसीबी से ढहाया गया था और निर्माण करने वालों पर पांच हजार रुपए जुर्माना भी किया गया था, लेकिन कुछ समय बाद यहां ताबड़तोब दर्जन भर दुकानों के साथ ही मकान का भी निर्माण हो गया, बताते हैं कि यहां बना मकान भी नाले में निर्माण करने वालों ने विक्रय कर दिया, दुकानें भी किराए पर दे दी। लोगों का घर डूबने, हजारों, लाखों की नुकसानी के बाद भी यहां किया जा रहा निर्माण रूक नहीं रहा। अभी भी निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है, जिसके चलते आसपास के रहवासियों सहित अवैध कब्जे की शिकायत करने वालों पर खासा आक्रोश है।

पहले अवैध था अब वैध कैसे हो गया?

लोगों का कहना है कि एक ओर तो शासन-प्रशासन बाढ़ नियंत्रण कक्ष बना रहे हैं, जल भराव से बचाव के जतन कर रहे हैं, लेकिन जिन अवैध कब्जों के कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है, ऐसे अवैध निर्माण को हटाने में कोई रूचि नहीं ले रहे। जबकि डेढ़ साल पूर्व तोड़े गए निर्माण व किए गए जुर्माने के दौरान यह अवैध कब्जा था अब वैध कैसे हो गया?

बंशी लाल के रीवा आगमन पर हुआ स्वागत

रीवा। मध्यप्रदेश तेलघानी बोर्ड रीवा इकाई का प्रभारी बनने के बाद पहली बार रीवा आगमन पर बंशी लाल साहू का रेलवे स्टेशन रीवा में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर बंसीलाल साहू ने कहा कि तेलघानी बोर्ड के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ दिलाना उसकी पहली प्राथमिकता रहेगी। स्वागत करने वालों में वरिष्ठ समाज सेवी राष्ट्रीय सचिव जगन्नाथ साहू ,जिला अध्यक्ष विनय साहू, रामदयाल साहू, संस्कृति साहू डॉ अरविंद साहू आदि लोगों ने जोशीला स्वागत किया।

राहुल सोनी हिन्दू महासंघ के बने रीवा जिला युवा अध्यक्ष

रीवा। भारतीय हिन्दू महासंघ जिला इकाई रीवा के अध्यक्ष संजीव सोनी ने प्रदेशाध्यक्ष एलएल सोनी की सहमति से राहुल सोनी को हिन्दू महासंघ का रीवा जिला इकाई का युवा अध्यक्ष मनोनीत किया है। राहुल सोनी ने रीवा जिला युवा अध्यक्ष मनोनीत होने पर प्रदेशाध्यक्ष एलएल सोनी एवं जिलाध्यक्ष संजीव सोनी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है उसका निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करते हुए संगठन में रीवा जिले के युवाओं को जोड़ने का प्रयास करूंगा। राहुल सोनी के युवा अध्यक्ष बनने पर विवेक सोनी, सुमित सोनी, गोविन्द सिंह, सत्यप्रकाश कौशल, रामभजन सोनी, रामसागर, रोहित आदि ने बधाई दी है।

सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर आज से

रीवा। सीएम हेल्पलाइन में बड़ी संख्या में 50 दिन से अधिक समय से शिकायतें लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में 22 जुलाई से 24 जुलाई तक तीन दिवसीय शिविर लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि जिन विभागों के सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से प्रकरण लंबित हैं उनके एल-1 और एल-2 अधिकारी शिविर में उपस्थित होकर लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण के लिए तथ्यपूर्ण प्रतिवेदन तैयार करके जिला प्रबंधक लोकसेवा को उपलब्ध कराएं। कार्यालय प्रमुख एल-3 अधिकारियों के समक्ष भी प्रकरणों के प्रतिवेदन प्रस्तुत करके उनका निराकरण करें। संबंधित अधिकारी शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

हमरे विन्ध्य वासिन केर पहिचान हय बघेली बोली : प्रो एन.पी. पाठक

नशा मुक्ति संकल्प के साथ अतिथियों-सम्मानितजनों ने बघेली बयार को सार्थक किया

ब्रह्माकुमारी -कलम परिवार का शांतिधाम में हुआ यादगार आयोजन

जागरण, रीवा। बघेली बोली मा हमरे विन्ध्य वासिन केर पहिचान हय, जऊन देश-विदेश मा उनका बिछड़े लोगन से मिलावे का काम करे हय, यह उदगार ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रीवा के कला-संस्कृति प्रभाग की प्रदेश प्रभारी राजयोगिनी बी.के.निर्मला के सानिध्य और विंध्य काव्य साहित्य परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में आयोजित बघेली बयार-2025 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कुलगुरू एनपी पाठक ने व्यक्त किये। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार डॉ चंद्रिका प्रसाद चंद्र ने कहा कि बघेली भाषा संरक्षण, संवर्धन और उन्नयन के लिये सभी विंध्य वासियों को नये आयामों के साथ बढ़ना होगा। आज बघेली भाषा को समृद्ध रूप प्रदान करने सभी रचनाधर्मी, कलाकार, गायक अपनी सार्थक भूमिका निभाने के लिये तैय्यार है। विशिष्ट अतिथि के रूप में हिन्दू धर्मपरिषद के संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव, रिद्म म्यूजिकल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ विनोद तिवारी, प्रसिद्ध शायर जामरीवानी एवं पत्रकार मुकुन्द मिश्रा ने बघेली भाषा-बोली को पुर्नस्थापित करने की दिशा में आयोजित कार्यक्रम बघेली बयार-2025 को मील का पत्थर बताया और आयोजकों को बधाई एवं साधुवाद दिया। इस अवसर पर अतिथियों एवं सम्मानित जनों ने नशा मुक्ति के लिये संकल्प लिया। स्वागत उदबोधन प्रचार सचिव रामकृष्ण द्विवेदी ने दिया। आभार प्रदर्शन शांतिधाम के संयोजक बी.के.प्रकाश ने किया। आयोजन का सफल संचालन कलम परिवार के अध्यक्ष नागेन्द्र मिश्रा मणी ने निर्वाध गति से किया। कलम परिवार के संरक्षक डॉ सरोज द्विवेदी शांतिदूत ने बताया कलम परिवार बघेली भाषा-बोली को आमजनों में लोकप्रिय बनाने के लिये कटिबद्ध है।

बघेली बयार-2025 आयोजन में विंध्य क्षेत्र के कई गणमान्य हस्तियों को बघेली प्रणेता सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। जिसमें मप्र साहित्य अकादमी से सम्मानित डॉ चन्द्रिका प्रसाद चंद्र, सीताराम गुप्ता मुकुन्दपुर, डॉ0 विवेक द्विवेदी एवं नेपाल में बघेली संस्कृति का काव्य परिचय देने वाली डॉ0 रश्मी शुक्ला, फिजी देश में रामलीला मंचन कर लौटी डॉ0 अरूणा पाठक, लोक गायिका विंध्य कोकिला मणीमाला सिंह, शकुंतला मिश्रा, दूरदर्शन कलाकार मनोभावना सिंह, हास्य कवि कमल किशोर मिश्र कमल, सुधाकांत त्रिपाठी बेलाला चाकघाट, रामसुख सफाया त्योथर, गिरजा शंकर कोकिल, बृजेश सिंह सरल बैकुण्ठपुर, मैथिली शरण गुप्ता, हिन्दी साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ0 शिवानंद तिवारी, बघेली सेवा मंच के अध्यक्ष भृगुनाथ पाण्डेय ''भ्रमर'' आकाशवाणी कलाकार इंदिरा अग्निहोत्री, गीतकार राजकुमार शर्मा राज, हशमत रीवानी, मो. जावेद सौदागर, अमित द्विवेदी, अवध बिहारी पाण्डेय, अवध मऊगंज, किरन सिंह, प्रीतू सिंह, राजकपूर शुक्ला, किरण मिश्रा, प्रीतम शुक्ला, इंजी0 संग्राम सिंह का करतल ध्वनि से गले में भोलेनाथ का पट्टा पहना कर बघेली प्रणेता सम्मान स्मृति चिन्ह-2025, हिन्दू धर्मपरिषद की महिला अध्यक्ष ममता नरेन्द्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ गीता शुक्ला गीत, संरक्षक डॉ रश्मी शुक्ला एवं संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव के सौजन्य से प्रदान किये गये। इस अवसर पर सभी रचनाकारो गायकों ने बघेली भाषा-बोली के इंद्रधनुषी रंगों से आयोजन को यादगार बना दिया और प्रस्तुतियों से समृद्ध बघेली भाषा का मार्ग प्रशस्त किया।

कौशल प्राप्त युवाओं से ही देश बनेगा समृद्ध : श्री मिश्र

जागरण, रीवा। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान द्वारा चाकघाट एवं गढ़ में कौशल प्रशिक्षण केन्द्र उद्घाटन पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में देश के आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं से कहा कि जब तक हमारे देश की महिलाएँ आत्मनिर्भर नहीं होगी तब तक न हमारा समाज और न देश विकास कर पायेगा। आज आवश्यकता है कि शिक्षण के साथ-साथ अपने रुचि के अनुसार किसी न किसी पाठ्यक्रम में कौशल हासिल करें, जिससे हमें बेरोजगारी के लाइन में खड़ा न होना पड़े। संस्थान के निर्देशक सुनील शुक्ला ने संस्थान के उद्देश्यों संचालित होने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों एवं स्वरोजगार के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन शिक्षण संस्थान देशभर में रोजगार, आजीविका और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने में एक मजबूत स्तंभ की भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच इन संस्थानों ने 30 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण देकर ग्रामीण और वंचित समुदायों के लिए आजीविका के नए द्वार खोले है। यह संस्थान न केवल कौशल विकास को जमीनी स्तर तक ले जा रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार कर रहा है। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी सीमा तिवारी, सहायक कार्यक्रम अधिकारी राज्यवर्धन तिवारी, राजेश गौतम, प्रशिक्षिका दीपिका नामदेव एवं रीता गुप्ता तथा सरोज तिवारी एवं स्थानीय जन उपस्थिति रहे।

कार्यालय नगर परिषद गुढ़ जिला- रीवा (म.प्र.)
Office of The Nagar Parishad Gurh Dist. Rewa (M.P.)
Address:- Ward No.-12 Gurh Dist.- Rewa (M.P.) Pin No. 486553 Email: cmogudh@mpurban.gov.in

क्र. 1171/(E.T.)/न.परि./2025 — गुढ़ दिनांक 21.07.2025

// द्वितीय ई-निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_438712_1 दिनॉक- 21.07.2025	CONSTRUCTION OF PCC ROAD AND RCC DRAIN RAVENDRA TO NARESH SAKET AT WARD NO.-07 NAGAR PARISHAD GURH IN FINANCIAL YEAR 2025-26.	1-2 माह वर्षाकाल सहित 2- 493572.00	1-2000.00 2-4935.00	28.07.2025

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाइड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिक अधिकारी
नगर परिषद गुढ़
जिला-रीवा (म.प्र.)

पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने नल-जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि एकल नल-जल योजनाओं में पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं के कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। स्वीकृत कार्यों में निविदा की कार्यवाही पूरी करके तत्काल कार्य शुरू कराएं। पुनरीक्षित नल-जल योजनाओं में 154 गांवों के कार्य कराने के लिए पूर्व की निर्माण एजेंसियाँ सहमत हैं। इनका कार्य तत्काल शुरू कराएं। अभी केवल 36 कार्यों की निविदा जारी हुई है। शेष कार्यों की भी निविदा तीन दिन में जारी कराएं। समय सीमा में कार्य पूरा न करने वाली निर्माण एजेंसियों को ब्लैक लिस्टेड कराने की कार्यवाही करें। जिन गांवों में निर्माण एजेंसियों ने कार्य करने में असहमति व्यक्त की है उनके टेण्डर तत्काल जारी कर दें। कमिश्नर ने कहा कि नल-जल योजनाओं के टेण्डर जारी होने से लेकर कार्य पूरा होने के प्रत्येक चरण की सघन मानीटरिंग और फालोअप करें। पूर्ण नल-जल योजनाओं से घरों में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कनेक्शन भी 15 अगस्त तक अनिवार्य रूप से करा दें।

CHANGE OF NAME

I, NOORUL HODA, son of MD HASSAN, aged about 60 Years, residing at 1557, -Hamidia Colony Near Pani Tanki Dhekaha Huzur, Rewa, (MP) do hereby solemnly affirm and declare as under: That I was issued a passport (Passport No: Q762350 Issue Date :28.10.1993) which expired in the year 27.10.2003 belongs to me, where my name is mentioned as NOORUL HODA and my father's name as MOHAMED HASSAN. That I am now applying for a fresh passport, and in all my current documents (such as Aadhaar, PAN, educational certificates) my father's name is recorded as MD HASSAN. That MOHAMED HASSAN and MD HASSAN refer to the same person - my father - and this variation is due to abbreviation/spelling difference over time. That NOORUL HODA S/O MOHAMED HASSAN and NOORUL HODA S/O MD HASSAN are one and the same person - myself. That I am making this affidavit to declare the above facts for the purpose of applying for a new passport with correct and updated details. I affirm that the contents of this affidavit are true and correct to the best of my knowledge and belief. Nothing material has been concealed therein.

RN- 82714 — **NOORUL HODA**

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित
मुख्यालय : जहांगीराबाद, भोपाल

क्र./यां.शा./490/2025 — भोपाल, दिनांक : 21.07.2025

निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

विपणन संघ द्वारा स्वयं के लिए Construction of Krashak Vishram Shed (Farmer Shed) 20'X40' at Storage Center of Markfed (Own Fund) निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से E-Tender प्रणाली के अन्तर्गत **www.mptenders.gov.in** पर केवल Online प्रतिशत दर के आधार पर निविदाएं दिनांक 04.08.2025 को शाम 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं कार्य के संबंध में अन्य जानकारी एवं अनिवार्य शर्तें निविदाकारों को मध्यप्रदेश शासन के ई-निविदा के पोर्टल **www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त होंगी एवं विपणन संघ की वेबसाइट **www.mpmarkfed.mp.gov.in** पर भी अवलोकनीय होंगी।

क्र.	Tender Ref. No.	कार्य का नाम	निविदा राशि रु. में
1	2128	Construction of Krashak Vishram Shed (Farmer Shed) 20'X40' at Storage Center (Storage Cap. 1000) Hadbado Of Markfed Distt. Sidhi (2nd Call)	4,92,827.00
2	2129	Construction of Krashak Vishram Shed (Farmer Shed) 20'X40' at Storage Center (Storage Cap. 1525) Amiliya Of Markfed Distt. Sidhi (2nd Call)	4,92,827.00
3	2130	Construction of Krashak Vishram Shed (Farmer Shed) 20'X40' at Storage Center (Storage Cap. 3000) Sehore Of Markfed Distt. Sehore (2nd Call)	4,92,827.00

नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना अथवा संशोधन संबंधी जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल एवं वेबसाइट पर प्रदर्शित की जावेगी।

म.प्र. माध्यम/121189/2025 — **मुख्य अभियन्ता (सि.)**

पार्किंग स्टैण्ड संचालन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

रीवा। नवीन जिला न्यायालय परिसर रीवा में वाहन पार्किंग स्टैण्ड संचालन के लिए 31 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक प्रस्ताव आमंत्रित हैं। निर्धारित शर्तों की पूर्ति के साथ पात्र व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। प्रस्ताव के आधार पर नीलामी की कार्यवाही एक अगस्त को सुबह 11 बजे से जिला एवं सत्र न्यायालय रीवा में की जाएगी। इस संबंध में विवरण वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू एमपीएचसी डॉट जीओवी डॉट इन/ टेण्डर एवं डिस्ट्रिक्ट डॉट ई कोर्ट डॉट जीओवी डॉट इन/ इंडिया/ एमपी/ रीवा/ टेण्डर पर देखा जा सकता है।

नाम सुधार सूचना

मैं श्रुति आसनानी पति दिनेश आसनानी वार्ड नं. 41 हरिओम भवन, बिछिया हुजूर रीवा (म.प्र.) की निवासी हूं। शपथ पूर्वक कथन करती हूं कि शादी से पहले मेरा नाम सरिता गेनानी पिता स्व. श्री जय राम दास गेनानी था। दिनेश आसनानी से शादी होने के बाद मेरा नाम श्रुति आसनानी पति दिनेश आसनानी हो गया है। अत: मेरा नाम श्रुति आसनानी पति दिनेश आसनानी हमारे सभी दस्तावेजों में लिखा, पढ़ा व जाना जाए।

RN-82677 — श्रुति आसनानी

एनाउंसमेंट Announcements नाम परिवर्तन

I, Prem Jyoti Devi M/o Ravi Shankar Kumar resident of AF Station Amla, (M.P.) Have changed my name from **Param Jyoti Devi to Prem Jyoti Devi** Affidavit dated 11 Jun 2025 Before Notary Tehsil Amla.

RN- 82577 — **Prem Jyoti Devi**

एनाउंसमेंट Announcements नाम परिवर्तन

I, Ratan Singh F/o Narender resident of AF Station Amla, (M.P.) Have changed my name from **Rattan Lal** to **Ratan Singh** Affidavit dated 11 Jun 2025 Before Notary Tehsil Amla.

RN- 82578 — **Ratan Singh**

आम सूचना

सर्व सधारण को यह सूचित किया जाता है कि ग्राम रतहरा (आर.आई.टी. कालेज के सामने) की आराजी खसरा क्र. 541 रकवा 0.23 ए. एवं आराजी क्र. 545 रकवा 2.01 ढिसमिल जो कि मेरी पुस्तैनी सम्पत्ति है जिसमें गलत वारिसाना नामान्तरण का आदेश पारित कराकर उक्त आराजी की बिक्री की जा रही है, मेरे द्वारा वारिसाना नामान्तरण आदेश के विरुद्ध अपील अनुविभागीय अधिकारी तहसील हुजूर जिला रीवा के समक्ष प्रस्तुत की गई है जो लंबित है, जिसमें माननीय न्यायालय के द्वारा प्र.क्र. 0015/ अपील / 25-26 आदेश दिनांक 23.06.2025 को स्थगन आदेश जारी किया गया है। यदि उक्त आराजी को किसी भी व्यक्ति के द्वारा खरीदी-बिक्री की जाती है तो वह अमान्य व अवैध मानी जावेगी तथा सम्पूर्ण जबावदारी उस व्यक्ति की स्वयं की होगी।

भवदीय
कमलभान दुबे
निवासी ग्राम जिवला

RN-82679

कार्यालय अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

स्नातकोत्तर आर्किटेक्चर (M. Architecture) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित निजी संस्थान)

प्रथम चरण Valid PGETA Score के आधार पर	
गतिविधियां	**दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	22.07.2025 से 28.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	29.07.2025 से 30.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	22.07.2025 से 01.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	02.08.2025
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	06.08.2025 से 10.08.2025 सायं 5:00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) Valid PGETA Score के आधार पर प्रथम चरण उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	**प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय**
11.08.2025 से 12.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	13.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से
उपरोक्त काउंसलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
14.08.2025 से 14.08.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	14.08.2025 प्रात: 10:30 बजे से रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- संस्था स्तर की काउंसलिंग में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रात: 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किये जायेंगे।

प्रवेश निरस्त

- काउंसलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441, ईमेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

म.प्र. माध्यम/121186/2025 — **अतिरिक्त संचालक तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

किसान 31 जुलाई तक करा सकते हैं अपनी फसल का बीमा

रीवा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों के लिये बीमा पंजीयन प्रारंभ हो गया है। किसान अपनी खरीफ फसल का 31 जुलाई तक बीमा करा सकते हैं। खरीफ मौसम में सभी दलहन, तिलहन फसलों का 2 प्रतिशत प्रीमियम किसान को देना होगा शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास यूपी बागरी ने बताया कि योजना के प्रावधान अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसले उगाने वाले बटाईदारों और कास्तकारों सहित किसान अपनी फसलों का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र है। योजना सभी कृषकों हेतु स्वैच्छिक रखी गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषको की फसलो का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा। अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले की समस्त सहकारी समितियों प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित कामन सर्विस सेन्टर (सी.एस.सी.) जिले के समस्त बैंक, काप इन्योंरेन्स रैप, फसल बीमा पोर्टल के माध्यम से एवं कृषक स्वयं फसल बीमा पोर्टल बीमा पर जाकर पंजीयन 31 जुलाई तक करवा सकते है।

कार्यालय अध्यक्ष काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत प्रवेश (Institutional Preference Seats) सत्र 2025-26

संस्थागत प्राथमिकता सीटों (Institutional Preference Seats) के लिये काउंसलिंग उन संस्थानों में आयोजित होगी जिन्होंने इन सीटों के लिये सहमति पत्र के साथ आवेदन किया था। संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत AICTE/COA द्वारा स्वीकृत प्रवेश क्षमता के 10 प्रतिशत स्थानों तक ही प्रवेश की कार्यवाही निम्न समय सारणी अनुसार की जावेगी।

पाठ्यक्रम	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	काउंसलिंग अवधि
बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (B.Tech.)	30.07.2025 से **14.08.2025** सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 01.08.2025 एवं सीटें रिक्त रहने पर दिनांक 14.08.2025 रात्रि 11:45 तक
बैचलर ऑफ मैनेजमेंट (BBA)	30.07.2025 से **14.08.2025** सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 01.08.2025 एवं सीटें रिक्त रहने पर दिनांक 14.08.2025 रात्रि 11:45 तक
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch.)	07.08.2025 से **14.08.2025** सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 08.08.2025 एवं सीटें रिक्त रहने पर दिनांक 14.08.2025 रात्रि 11:45 तक

- संस्थागत प्राथमिकता सीटों पर प्रवेश के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के पश्चात, उम्मीदवार को इच्छित संस्था में स्वयं उपस्थित होकर प्रवेश की कार्यवाही करनी होगी।
- संस्थागत प्राथमिकता सीटों के लिये उपलब्ध संस्थानों की सूची, प्रवेशित अभ्यर्थियों से लिये जाने वाले शिक्षण शुल्क की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- प्रवेश नियम, समय-सारणी, अभ्यर्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- काउंसलिंग वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।
- **संपर्क** : 0755-6720205, 2660441
- **ईमेल** : dte[dot]helpcenter[at]mp[dot]gov[dot]in

म.प्र. माध्यम/121187/2025 — **अतिरिक्त संचालक तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश**

नियमित के साथ अतिथि शिक्षकों को भी ई-अटेंडेंस से लगानी होगी हाजिरी

1 अगस्त से सख्ती से कराया जाएगा पालन, फिलहाल मिल रही छूट

जागरण, रीवा

शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन लाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई ई-अटेंडेंस प्रणाली का दायरा अब अतिथि शिक्षकों पर भी लागू हो चुका। अब अतिथि शिक्षकों को भी हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करानी पड़ रही है, हालांकि इसका विरोध कुछ जगह पर हो रहा है और नियमित शिक्षकों की तरह अतिथि शिक्षक भी हाजिरी नहीं लगा रहे हैं लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग इसको एक अगस्त से पूरी तरह से लागू करने की तैयारी में है और इसका जो पालन नहीं करेगा उसका वेतन काटने की तैयारी में है। ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं होने पर अतिथि शिक्षक का वेतन कटेगा। उल्लेखनीय है कि पहले नियमित शिक्षकों को ही हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की बाध्यता थी। इसको लेकर नियमित शिक्षक आंदोलन और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं अब अतिथि शिक्षकों ने भी इस व्यवस्था का पालन करने से हाथ खड़े कर दिए हैं।

तनाव में अतिथि

इस नियम ने गेस्ट टीचर्स को और अधिक तनाव और असुरक्षा में डाल दिया है। शिक्षकों का कहना है कि नियमित शिक्षकों पर इस तरह की कोई भी बंदिश नहीं डाली गई है। यही कारण है कि अधिकांश नियमित शिक्षक या तो ऐप का उपयोग नहीं कर रहे हैं या फिर जानबूझकर उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे।

दोनों ही नहीं कर रहे पालन

जानकारों के अनुसार जिले में नियमित शिक्षकों में फिलहाल केवल 20 फीसदी शिक्षक ही अभी तक नियमों का पालन कर रहे हैं। दूसरी ओर जिले के सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों में से 30 फीसदी अतिथि शिक्षक हर दिन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। एक ही स्कूल में शिक्षकों के बीच भेदभाव की स्थिति पैदा हो गई है। अतिथि शिक्षकों को ई अटेंडेंस का पालन न करने पर अब वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के समस्त संकुल प्राचार्य, शाला प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे स्कूलो में अतिथि शिक्षकों की ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराएं। 1 अगस्त से इसका सख्ती से पालन कराने की तैयारी है।

शिक्षण कार्य में पारदर्शिता के लिए ई-अटेंडेंस व्यवस्था की गई है। हर शिक्षक के लिए एप से उपस्थिति अनिवार्य की गई है। अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति अब पूरी तरह से ई-अटेंडेंस आधारित होगी। इसके आधार पर ही उनका मानदेय जारी किया जाएगा।

विनय मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी।

मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 150 सीटों में प्रवेश प्रक्रिया शुरु

ऑल इंडिया व स्टेट काउंसलिंग 28 तक, 29 को होगा आवंटन

जागरण, रीवा। ऑल इंडिया कोटे पर एमबीबीएस में एडमिशन के लिए मेडिकल कॉलेजों में काउंसलिंग की प्रक्रिया 21 जुलाई से शुरू हो गई है। इसके लिए प्रदेशभर के मेडिकल कॉलेजों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए मेडिकल यूनिवर्सिटी ने संबद्धता प्रदान कर दी है। छात्रों को मेडिकल कॉलेजवार सीटों की उपलब्धता नजर आने लगी है। सेंट्रल कोटे की सीटों के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया के साथ स्टेट कोटे की सीटों के लिए भी काउंसलिंग प्रक्रिया के संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं। बता दें कि प्रथम चरण की प्रक्रिया आगामी 6 अगस्त तक रहेगी। इसमें 21 से 28 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन व च्वाइस फिलिंग के लिए 22 से 28 जुलाई तक का समय दिया गया है। वहीं 29 व 30 जुलाई को आवंटन किया जाएगा। 1 अगस्त से 6 अगस्त तक छात्र प्रवेश आवंटित सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे।

इन दस्तावेजों की जांच : एडमिशन प्रक्रिया में छात्र की 10 वीं और 12 वीं कक्षा की मार्कशीट का सत्यापन कराना होता है। इसके साथ ही नीट प्रवेश परीक्षा का एडमिट कार्ड, रिजल्ट, पहचान पत्र, आयु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (अगर जारी हो) प्रस्तुत करना होता है।

ऐसे चलेगी प्रक्रिया

मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस सीटों पर एडमिशन के लिए आवेदन, रजिस्ट्रेशन के बाद आवेदन शुल्क जमा करने काउंसलिंग और सीट अलॉटमेंट की प्रक्रिया होगी। छात्र को सीट अलॉटमेंट के बाद दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। इसके बाद एडमिशन और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया होगी। आवश्यक दस्तावेज जमा करने और शुल्क भुगतान के बाद ही प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी। बता दें कि यह पूरी प्रक्रिया प्रथम चरण में 21 जुलाई से 6 अगस्त तक चलेगी और द्वितीय चरण अगस्त माह में इसके बाद शुरु होगा।

ऑल इंडिया कोटे की 22 सीटें

मेडिकल कॉलेज रीवा में एमबीबीएस की 150 सीटों में से 14 प्रतिशत सीट ऑल इंडिया कोटे की हैं। यानी 22 सीटों पर ऑल इंडिया कोटे से एडमिशन होंगे। वहीं गर्वनमेंट ऑफ इंडिया कोटा की 3 व स्टेट कोटा की 125 सीटों पर एडमिशन होंगे। मेडिकल कॉलेज प्रदेश के पुराने मेडिकल कॉलेजों में शामिल है। यहां के छात्रों ने विश्व स्तर पर मेडिकल कॉलेज का नाम रोशन किया है। इस कॉलेज में एडमिशन राज्य के छात्रों का सपना रहता है। ऐसे में राज्य कोटा की सीटों पर एडमिशन की प्रक्रिया में यहां सर्वाधिक समय लगता है।

इन्टर स्कूल ड्रग अवेयरनेस फुटबॉल प्रतियोगिता 25 से

जागरण, रीवा। अंडर 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के युवा फुटबालरों को खेलों में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने व राष्ट्रीय स्तर के फुटबाल मैदान पर अपने खेल कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से खेल और युवा कल्याण विभाग रीवा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स और फुटबाल खेल क्लब संघ/स्कूल संस्थाओं के सहयोग व आइजी,एसपी व कलेक्टर रीवा के मार्गदर्शन में प्रारंभ किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी एमके धौलपुरे ने बताया कि रीवा में ड्रग अवेयरनेस के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें अंडर 17 वर्ष के कम युवा फुटबालरों के बीच इंटर स्कूल ड्रग अवेयरनेस फुटबाल चैम्पियनशिप कराया जावेगा। इस प्रतियोगिता हेतु ज्योति सीनियर सेकण्डरी स्कूल रीवा, बालभारती स्कूल रीवा, गुरूकुल हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा, सिक्रेट हार्ड स्कूल रीवा, बी.बी.एस.हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा, बिलाबांग स्कूल रीवा, किड्स वर्ड स्कूल रीवा, इंटरनेशनल स्कूल रीवा, सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल रीवा, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, एवं 02 रीवा, राजहंस स्कूल रीवा, ज्ञानस्थली स्कूल रीवा, फोमेंन्स स्कूल रीवा, इंटीग्रेटी एक्सीलेंस स्कूल रीवा, सावी मदर स्कूल रीवा, दून पब्लिक स्कूल रीवा, डी-पॉल स्कूल रीवा, गीतांजली पब्लिक स्कूल रीवा, महाराजा स्कूल रीवा, लाईफ सेफर्ड स्कूल रीवा, शासकीय मार्तण्ड क्रमांक 1,2 एवं 03, शासकीय मॉडल हायर सेकण्डरी स्कूल रीवा गर्वमेन्ट क्रमांक 01 रीवा के टीमों को आमंत्रित किया गया है एवं इच्छुक विद्यालय अपनी टीमों की सीधे इंट्री करा सकते है, प्रतियोगिता के मैचों का कार्यक्रम 24 जुलाई 2025 शाम 06:00 बजे पर्ची निकाल कर (लकी-ड्रा) के माध्यम से कराया जावेगा। निर्णायकों व प्रोटेस्ट कमेटियों का गठन किया जा चुका है, इंटर स्कूल ड्रग अवेयरनेस फुटबाल प्रतियोगिता लीग कम नॉक ऑउट पद्धति से कराया जावेगा।

डेंगू और मलेरिया बचाव जागरुकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

जागरण, रीवा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जुलाई माह को डेंगू निरोधक माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिले भर में अभियान चलाकर लोगों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में रीवा नगर निगम के वार्ड क्रमांक 15 में निजी स्कूल संस्कार पब्लिक स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन जिला मलेरिया कार्यालय तथा फैमिली हेल्थ इंडिया संस्था के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में एंबेड परियोजना की समन्वयक कंचन सिंह बघेल ने विद्यार्थियों को पोस्टर और ब्रोशर्स के माध्यम से डेंगू और मलेरिया रोग के प्रमुख लक्षणों तथा उपचार की जानकारी दी। मच्छरों से बचाव के लिए घरों के आसपास, पुराने बर्तनों, टायर, गमलों आदि में पानी जमा न होने देने तथा घड़े, पानी की टंकी आदि की नियमित साफ-सफाई की सलाह दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि मच्छरों से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। शरीर पूरी तरह से ढका रहे ऐसे कपड़ों का उपयोग करें। सिरदर्द, जोड़ों में दर्द और बुखार की शिकायत होने पर शासकीय अस्पताल में डेंगू और मलेरिया की निःशुल्क जाँच कराएं। डॉक्टरों की सलाह के अनुसार समुचित दवा लेकर इन दोनों रोगों से पूरा बचाव हो जाता है। कार्यक्रम में शिखा द्विवेदी, अजीता द्विवेदी, शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एमसीयू में हरियाली महोत्सव 24 जुलाई को

उप मुख्यमंत्री 'एक पेड़ मां के नाम' रोपकर करेंगे शुभारंभ

जागरण, रीवा। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के परिसर में आगामी 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या को हरियाली महोत्सव मनाया जाएगा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल 'एक पेड़ मां के नाम' रोपकर महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर एक हजार छायादार, फलदार व श्रृंगारित पौधे रोपे जाएंगे। परिसर निदेशक डॉ. सतेंद्र डहरिया ने बताया कि एमसीयू में 'एक पेड़ मां के नाम' को पर्यावरण सुरक्षा के महाअभियान के रूप में प्रारंभ किया है। विश्वविद्यालय के भोपाल में बिशनखेड़ी में स्थित मुख्य परिसर में छह हजार पौधे रोपे जा रहे है। राजधानी भोपाल के पद्म पुरस्कार से अलंकृत छह प्रमुख हस्तियों ने एक साथ वृक्ष रोपे। उसी अभियान की कड़ी में रीवा परिसर में 24 जुलाई को 11.30 बजे पूर्वाह्न रीवा परिसर में हरियाली महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्रा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। हरियाली महोत्सव के संयोजक प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में रीवा संभाग व जिले के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय के अध्यापक व छात्र, शहर से साहित्यकार, संस्कृतिधर्मी, शिक्षाविद व विभिन्न क्षेत्रों में अग्रगण्य वरिष्ठजन 'एक पेड़ मां के नाम रोपेंगे'। इस अवसर पर बघेलखंड के पारंपरिक संस्कृति व लोकसंगीत की प्रस्तुतियां होंगी। नगर के सभी पर्यावरण प्रेमियों से आग्रह किया गया है की हरियाली अमावस्या के दिन आयोजित इस महोत्सव में अपनी भागीदारी निभाकर पर्यावरण सुरक्षा के इस महाअभियान में अपना योगदान दें।

एनसीसी कैडेटों ने किया वृहद पौधरोपण

रीवा। कृषि महाविद्यालय रीवा मप्र में एक पेड़ माँ के नाम एवं एक कैडेट एक पेड़ कार्यक्रम के अन्तर्गत एनसीसी कैडेटों एवं कृषि महाविद्यालय रीवा स्टॉफ द्वारा छात्रावास एवं कैम्पस क्षेत्र में अधिष्ठाता डॉ एसके त्रिपाठी के निर्देशन एवं डॉ आरके तिवारी के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण किया गया। कृषि महाविद्यालय रीवा के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष डॉ वीके सिंह, डॉ अखिलेश कुमार, डॉ जीडी शर्मा, डॉ एके गिरी एवं एनसीसी इंचार्ज इंजी अभिषेक सोनी के साथ-साथ डॉ सुधांशु पांडेय, महेन्द्र मिश्रा, दिनेश विक्रम सिंह (बाबा) एवं छात्र छात्राओं की भूमिका उल्लेखनीय रही। इस मौके पर मुख्य रूप से शीशम, सत्पपरणी, नीम एवं ट्री गॉर्ड वृक्ष लगाए गए।

कॉलेज प्रोफेसर्स को मिलेगा 7वां वेतनमान

हाईकोर्ट ने अनुदान प्राप्त कॉलेजों को दी राहत

जागरण, रीवा। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को भी सातवें वेतन आयोग का लाभ प्रदान किया जाए। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने कहा कि 31 मार्च 2000 के पहले नियुक्त प्राध्यापकों को 1 जनवरी 2016 से प्रभावी सातवें वेतनमान के अनुसार वेतन व अन्य लाभ प्रदान किए जाएं। आगामी चार माह के भीतर याचिकाकर्ताओं को 25 प्रतिशत एरियर का भुगतान किया जाए। साथ ही सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को शेष एरियर का भुगतान आगामी 9 माह के भीतर किया जाए। इसके अलावा जो प्राध्यापक अभी सेवा में हैं, उन्हें आगामी 12 माह के भीतर शेष एरियर का भुगतान करना होगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उक्त समयावधि में भुगतान नहीं होने की स्थिति में 6 प्रतिशत ब्याज का भुगतान भी करना होगा। मप्र अशासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ के प्रांताध्यक्ष की ओर से याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि राज्य सरकार ने 27 फरवरी 2024 को अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को सातवें वेतनमान का लाभ देने से इनकार कर दिया है।

सरकार ने पूर्व के आदेश नहीं माने थे : पूर्व में दायर याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को सातवें वेतनमान का लाभ देने के आदेश जारी किए थे। सरकार द्वारा आदेश का पालन नहीं किए जाने पर अवमानना याचिका दायर की गई थी। जिसके बाद सरकार ने उक्त आदेश के खिलाफ अपील दायर की थी। अपील खारिज होने के बावजूद सरकार ने आदेश का पालन नहीं होने पर यह याचिका दायर की।

नाटक अजीब दास्तां का गाजियाबाद में हुआ मंचन

रीवा। दिल्ली से लगे गाज़ियाबाद के हिंदी भवन में 20 जुलाई की शाम हिंदी भवन समिति, गाज़ियाबाद के सह्योग से ड्रामाटर्जी आर्ट एंड कल्चर सोसायटी नई दिल्ली तथा रीवा शहर की प्रासंगिक संस्था की ओर से आलोक शुक्ला के नाटक अजीब दास्तान (एक अनकहा सच) की शानदार प्रस्तुति हुई। इस नाटक को लिखने के साथ आलोक शुक्ला ने ही निर्देशित किया था। करीब 4 दशकों से रंगमंच कर रहे आलोक शुक्ला का ये नाटक मुंबई महानगर के दो तलाकशुदा दम्पतियों पर आधारित था। नाटक में सह्योगी निर्देशन साक्षी चौहान, परिधान और रूप सज्जा में नीतू शुक्ला और विजय लक्ष्मी,निर्माण समन्वयक प्रताप सिंह और वागीश शर्मा थे तो प्रचार में विनय शर्मा तथा निखिल थे।

ज्ञानोदय स्कूल में प्रवेश का अवसर

जागरण, रीवा । शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश प्रक्रिया के लिये शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए गणित संकाय, जीव विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय में प्रवेश दिया जा रहा है। इनमें अनुसूचित जाति बालक एवं बालिका और अनुसूचित जाति सामान्य, पिछड़ावर्ग, बीपीएल कार्डधारी व अन्य के लिए प्रवेश का अवसर है। प्राचार्य ने बताया कि प्रवेश परीक्षा पूर्णतः निःशुल्क रहेगी एवं आवेदन पत्र विद्यालय से प्राप्त किये जायेंगे। प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राप्त करने एवं जमा करने की अंतिम तिथि 26 जुलाई को शांय 4 बजे तक निर्धारित है। प्रवेश परीक्षा 28 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित होगी। कक्षा 7वीं, कक्षा 8वीं, एवं 9वीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के मैरिट लिस्ट के आधार पर किया जायेगा। कक्षा 11वी में प्रवेश की प्रक्रिया, कक्षा 10वीं में प्राप्त अंकों के मैरिट लिस्ट के आधार पर विभिन्न संकायों जैसे गणित/जीव विज्ञान/ वाणिज्य संकाय में रिक्त सीटों की पृथक-पृथक मैरिट लिस्ट के आधार पर की जावेगी। छात्र/छात्रा को जिस कक्षा में प्रवेश लेना है उसके ठीक पूर्व की कक्षा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में (बिना गैप किये) बी ग्रेड अथवा प्रथम श्रेणी में (60 प्रतिशत से ऊपर) उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

इंटर नेशनल गणित ओलंपियाड में महाराजा पब्लिक स्कूल के छात्र शशांक प्रथम स्थान में

रीवा। महाराजा पब्लिक स्कूल बेला के छात्र शशांक अग्रवाल ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा सत्र 2024-25 में आयोजित गणित विषय के ओलंपियाड टेस्ट में अंतरराष्ट्रीय स्तर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शशांक की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन एवं उनके अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा छात्र के लिए मेडल, सार्टिफिकेट एवं गिफ्ट सर्टिफिकेट भेजा गया था जिसे विद्यालय द्वारा छात्र को प्रदान किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर आनंद सिंह, प्राचार्य थॉमस परूआ, उप प्राचार्य मनोज त्रिपाठी, शिक्षकों सहित सभी ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की है।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 8989014648

ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय निम्नवर्णित दिनांक को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणी- **मेसर्स आन्या एक्वा एसोसिएट्स** प्रोपराइटर- श्रीमती नीतू सिंह पत्नि श्री पुष्पराज सिंह निवासी : एलन टाउन स्कूल के सामने, जेपी टर्न के पास, पडारा, रीवा म.प्र.-486001 श्रीमती नीतू सिंह पत्नि श्री पुष्पराज सिंह	1) भूमि खसरा नं. 3/21, रकवा 0.014 हेक्टेयर, कुल क्षेत्रफल- 25*60=1500 वर्गफिट (0.014 हेक्टेयर), मौजा-पाडरा 333, पटवारी हल्का नं. धेखा 26, वार्ड नं. 05, आरआईसी रीवा, तहसील हुजूर, जिला-रीवा (म.प्र.) 486001 (संपत्ति मालिक- श्रीमती नीतू सिंह पत्नि श्री पुष्पराज सिंह) चर्तुसीमाएं- पूर्व- 20 फिट चौड़ी प्रस्तावित रोड, पश्चिम- लालमनी शर्मा की भूमि, उत्तर- श्रीमती नीतू सिंह का प्लाट, दक्षिण- भूतपूर्व वेन्डर का बिका हुआ प्लाट 2) खसरा नं. 3/20/2, रकवा 0.012 हेक्टेयर, कुल क्षेत्रफल- 23.5*60=1350 वर्गफिट, (0.012 हेक्टेयर) मौजा-पाडरा 333, पटवारी हल्का नं. धेखा 26, वार्ड नं. 05, आरआईसी रीवा, तहसील हुजूर, जिला-रीवा (म.प्र.) 486001 (संपत्ति मालिक- श्रीमती नीतू सिंह पत्नि श्री पुष्पराज सिंह) चर्तुसीमाएं- पूर्व- वेन्डर द्वारा 20 फिट चौड़ी प्रस्तावित रोड, पश्चिम- श्री रमेश पांडे का प्लाट, उत्तर- सियावती मिश्रा का प्लाट, दक्षिण- श्रीमती प्रीतू सिंह का खरीदा हुआ प्लाट **सांकेतिक कब्जा**	04-05-2021 / 20-10-2021 / दि. 17/07/2025 को ₹ 69,73,708.52/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 50,23,000/- / ₹ 5,02,300/- / ₹ 10,000/-
धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 06/08/2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 07/08/2025 दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)			
ऋणी- **मेसर्स शौर्य इण्डस्ट्रीज** प्रोपराइटर- श्री विक्रम प्रताप सिंह पुत्र श्री सरयु सिंह (निदेशक- केरला पब्लिक स्कूल) बोदाबाग तहसील - हुजूर, रीवा (म.प्र.)486001 श्री विक्रम प्रताप सिंह पुत्र श्री सरयु सिंह श्रीमती माधुरी सिंह पत्नि श्री विक्रम प्रताप सिंह	प्लांट एवं मशीनरी स्थित खसरा नं. 207/7, ग्राम- अम्वा, बीना समरिया रोड, तहसील एवं जिला- रीवा (म.प्र.) **भौतिक कब्जा**	22/07/2021 / 16/12/2022 / दि. 19/07/2025 को ₹ 1,31,72,430.17/- + देय ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 11,62,000/- / ₹ 1,16,200/- / ₹ 10,000/-
धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 11/08/2025 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 12/08/2025 दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)			

यहां संपत्ति का विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1% टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी।

सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।

विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु केनरा बैंक की वेबसाइट में ई-नीलामी की लिंक (https://www.canarabank.com) या वेबपोर्टल http://BAANKNET.com देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल (Ph. No 8989014648, 9140476074, 7905027805, 8073562754)

दिनांक : 19-07-2025, स्थान : भोपाल

प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

जहां स्कूल के बच्चों को बस नहीं मिली वहां अब साइकिल देंगे

जिले के सभी 12 सांदीपनि स्कूलों के पात्र छात्र-छात्राओं की बन रही सूची

जागरण, रीवा। सामान्य सरकारी स्कूलों के बच्चों को साइकिल प्रदान करने के साथ ही अब सांदीपनी स्कूलों के बच्चों को भी साइकिल प्रदान की जाएगी। इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के सांदीपनी स्कूलों के बच्चों को भी मिलेगा, क्योंकि वे बच्चे लम्बी दूरी तय कर स्कूल पहुंचते हैं। बताया गया कि जिले की कुछ सांदीपनी स्कूलों में बच्चों के लिए बसों की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। इसलिए साइकिल का सहारा लिया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के गुरु ऋषि सांदीपनी के नाम पर सभी सीएम राइज स्कूलों का नाम कर दिया गया है। ये स्कूल उत्कृष्टता के सभी मापदंड पूरे करेंगे। यही वजह है कि इन स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए बसें चलाना अनिवार्य किया गया था, बसें चल भी रही हैं लेकिन कुछ जगहों पर बच्चों को इसकी सुविधा नहीं मिल रही है। जिसके कारण विद्यार्थी परेशान थे। यही कारण है कि अब साइकिल प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। जिले में कुल 12 सांदीपनी स्कूल हैं जिनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई विद्यालय हैं। इनमें गरीब विद्यार्थी भी हैं जो कि पैदल ही स्कूल पहुंचते हैं। अब शासन की योजना से इन्हें लाभ मिलेगा और बच्चे साइकिल से स्कूल पहुंचेंगे।

15 और स्कूल प्रस्तावित

बता दें कि जिले में फिलहाल 12 संदीपनी विद्यालय है, अभी जिले में 15 और संदीपनी विद्यालय प्रस्तावित हैं। जिनकी शुरुआत जल्द ही की जाएगी। विद्यालयों में मिल रही सुविधा के चलते यहां छात्रों की भीड़ बढ़ रही है, इस वर्ष प्रवेश के लिए काफी भीड़ रही, जिससे यह कहना गलत नहीं होगा कि लोग संदीपनी विद्यालय में मिल रही सुविधाओं से प्रभावित हैं और प्राइवेट स्कूलों से बच्चों को हटाकर यहां प्रवेश करा रहे हैं।

अभिभावक भी होते हैं परेशान

बच्चों को स्कूल जाने का कोई साधन न होने से इसका खामियाजा पालकों को भोगना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती किसानी या मजदूरी करने वाले परिवार अधिक परेशानी होने पर बच्चों की शिक्षा ही छुड़वा देते हैं। यही कारण है कि सरकार ने बसें चलाने का निर्णय लिया था। अब साइकिल भी दी जा रही इससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को परेशान नहीं होना पड़ेगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

वायु रक्षा में मील का पत्थर बनेगी आकाश मिसाइल

वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास लद्दाख में 15 हजार फीट की ऊंचाई पर किया गया आकाश प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण भारत की रक्षा क्षमता में वृद्धि का एक और उल्लेखनीय प्रमाण है। यह देश की वायु रक्षा क्षमता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

पिछले दिनों आकाश प्राइम मिसाइल का लद्दाख में 15 हजार फीट की ऊंचाई पर किया गया सफलतापूर्वक परीक्षण, जहां ऑक्सीजन कम और हवाएं तेज होती हैं, भारतीय रक्षा क्षमता में वृद्धि की दिशा में एक और उल्लेखनीय कदम है। परीक्षण के दौरान इन मिसाइलों ने 15 हजार फीट की ऊंचाई पर दो तेज रफ्तार ड्रोन को निशाना बनाकर अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारत की वायु रक्षा क्षमता की मजबूती का सबूत पेश किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी ताकत और ज्यादा बढ़ाने के लिए विगत 16 और 17 जुलाई को दरअसल आकाश प्राइम, अग्नि-1 और पृथ्वी-2 के परीक्षण किये। लद्दाख में आकाश मिसाइल के परीक्षण को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक है।

यह चीन और पाकिस्तान, दोनों देशों के लिए संदेश है। वे सीमांत क्षेत्रों और ऊंचाई वाले स्थानों से नापाक हरकत करने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। भारतीय सेना जल्दी ही आकाश प्राइम मिसाइल को अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है। गौरतलब है कि सेना और वायुसेना के पास पहले से ही आकाश मिसाइलें हैं, जिनका इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया गया था।

आकाश मिसाइल आकाश हथियार प्रणाली का ही उन्नत संस्करण है, जिसे स्वदेशी रूप से विकसित किया है। इसमें बेहतर ग्राउंड सिस्टम, रडार और रेडियो प्रीक्केंसी सिस्टम लगे हैं। यह 30-35 किलोमीटर तक के लक्ष्यों को मार सकता है, 18-20 किलोमीटर की ऊंचाई तक प्रभावी है और लड़ाकू विमानों, क्रूज मिसाइलों व ड्रोन जैसे खतरों से निपट सकता है। इसमें राजेंद्र रडार है, जो 360 डिग्री कवरेज देता है और कई लक्ष्यों को एक साथ ट्रैक कर सकता है। इसका सबसे बड़ा फीचर स्वदेशी रेडियो फ्रीक्केंसी सीकर है, जो लक्ष्य को सटीकता से पहचानता है और मिसाइल को सही दिशा देता है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसे डिजाइन किया है और भारत डायनेमिक्स ने इसका उत्पादन किया है। ताजा परीक्षण में आकाश प्राइम मिसाइल सिस्टम ने बेहद तेज गति से उड़ने वाले लक्ष्य विमानों को दो बार सीधे निशाना बनाया। यह परीक्षण लद्दाख की ऊंची और दुर्गम पहाड़ियों में जहां हवा पतली होती है वहां किया गया। इस मुश्किल हालात में भी मिसाइलों की सटीकता ने सभी को प्रभावित किया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, यह सिस्टम भारतीय सेना की तीसरी और चौथी आकाश रेजिमेंट का हिस्सा बनेगा, जो देश की हवाई रक्षा को और मजबूत करेगा। यह सिस्टम न सिर्फ सीमा पर, बल्कि देश के भीतर संवेदनशील जगहों की हवाई सुरक्षा के लिए भी इस्तेमाल होगा। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि यह सिस्टम भारत की हवाई रक्षा नेटवर्क को और मजबूत करेगा, खासकर चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के बढ़ते खतरे को देखते हुए। यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा प्रणालियों के असाधारण प्रदर्शन के बाद सामने आयी है।

मानसून सत्र में हंगामे होने तय, सत्ता पक्ष के सामने भी चुनौतियां

संसद सत्र

नीरजा चौधरी

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार बीतने के आसार नजर आ रहे हैं। सरकार को घेरने के लिए विपक्ष के पास बहुत सारे मुद्दे हैं, लेकिन विपक्षी दल एकजुट नहीं हैं, जिसका सबूत इंडिया गठबंधन की बैठक में मिला। सत्तापक्ष के सामने भी चुनौतियां हैं। विपक्ष हंगामा करने की बजाय नियम के तहत अपनी बात रखे, तो वह ज्यादा अच्छा होगा। सदन में व्यवस्था बनाये रखना सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है।

संसद का मॉनसून सत्र हंगामों से भरा होगा, इसकी पूरी संभावना है। हालांकि फिलहाल सत्ता पक्ष का प्रबंधन कौशल मजबूत दिखाई देता है। अगर जून में संसद का विशेष सत्र बुलाया जाता, जैसा कि इंडिया गठबंधन मांग कर रहा था, तब सरकार क्ह्यो पहलगाम हमले, खुफिया चूक और सुरक्षा चूक पर सरकार को जवाब देना पड़ता। वह स्थिति सरकार के लिए बहुत असहज करने वाली होती, लेकिन उसने तब सत्र न बुला कर एक तरह से खुद को बचा लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जो संसदीय प्रतिनिधिमंडल बाहर भेजे गये थे, उसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समर्थन से ज्यादा घरेलू समर्थन हासिल करना था। भेजे गये प्रतिनिधिमंडलों के जरिये सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत की। फिर प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं ने भी, जिनके जरिये ग्लोबल साउथ को महत्व मिला, खुद उनकी और सरकार की छवि मजबूत की। संसद सत्र की रणनीति तैयार करने के लिए पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के निवास पर वरिष्ठ मंत्रियों की एक बैठक हुई। माना यही जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दोनों सदनों में मोर्चा संभालेंगे।

विपक्ष कई मुद्दे उठायेगा

इस सत्र में विपक्ष कई सारे मुद्दे उठायेगा। मसलन, बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग द्वारा शुरू किये गये एसआइआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन, संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा पचहत्तर की उम्र में रिटायर होने का मुद्दा, एयर इंडिया विमान हादसा, जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लाया जा रहा महाभियोग, विदेश नीति आदि-आदि। पहलगाम हमला अब उतना बड़ा मुद्दा रहा नहीं। बेशक पुलवामा के बाद बालाकोट पर जवाबी कार्रवाई करने का सरकार को जैसा रणनीतिक लाभ मिला था, वैसा लाभ इस बार नहीं मिला है, लेकिन इस मामले में विपक्ष के लिए बहुत हमलावर होने की गुंजाइश नहीं है। हालांकि अब ट्रंप ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान चार-पांच जेट विमानों के गिराये जाने की जो बात कही है, विपक्ष सरकार से उस बारे में सवाल पूछ सकता है, जबकि विपक्षी दलों का एकजुट न होना सत्तापक्ष के लिए राहत की बात है।

पाकिस्तान के साथ हुए टकराव को लेकर सरकार समय-समय पर जवाब दे चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए उसने जब कई देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे, तो उनमें विपक्षी सदस्यों को भी जगह दी गई। लेकिन, फिर भी कुछ सवाल हैं, जिन पर विपक्ष सीधे प्रधानमंत्री से जवाब की उम्मीद कर रहा है। इसमें सबसे अहम हैं ये सवाल कि टकराव में भारत को कितना नुकसान हुआ और सीजफायर में अमेरिका ने क्या भूमिका निभाई। विपक्ष हंगामा करने की बजाय नियम के तहत अपनी बात रखे, तो वह ज्यादा अच्छा होगा। यूं तो सदन में व्यवस्था बनाये रखना सत्तापक्ष की जिम्मेदारी है।

सत्तापक्ष का बढ़िया होमवर्क

सत्तापक्ष ने इस सत्र के लिए बढ़िया होमवर्क किया है। उसे मालूम है कि इस सत्र में बिहार में चुनाव आयोग की कवायद और भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर विपक्ष ज्यादा हमलावर होगा। पहलगाम हमले के बाद जब विपक्षी इंडिया गठबंधन संसद का विशेष अधिवेशन बुलाने की मांग कर रहा था, तब सरकार ने अचानक ही मानसून सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी। पहली बार लगभग चालीस दिन पहले संसद के किसी सत्र की घोषणा सरकार की तरफ से की गयी, जबकि आमतौर पर घोषणा इतनी जल्दी नहीं की जाती। देखने वाली बात यह भी है कि इस बार सत्र 15 अगस्त के बाद भी जारी रहने वाला है। इस सत्र में सत्तापक्ष ने आठ नये विधेयक पारित कराने की बात कही है। इनमें नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल भी है और नया आयकर विधेयक भी, जबकि कुछ पुराने विधेयक फिर से पेश किये जायेंगे। यह भी सच है कि किसी बिल को पारित कराने में सरकार को परेशानी नहीं आयेगी। सरकार ने मानसून सत्र की अवधि जिस तरह बढ़ाई है, उससे यह अंदेशा है कि सरकार शायद कोई नया चौंकाने वाला बिल भी पेश करे।

सत्र में विपक्ष हमलावर होगा

उम्मीद यह है कि इस सत्र में विपक्ष हमलावर होगा, क्योंकि सरकार को असहज करने के लिए कई सारे मुद्दे हैं। हालांकि विपक्ष अपने ही अंदरूनी दबावों से परेशान दिखता है। इंडिया गठबंधन की आखिरी बैठक इस साल पांच जून को ऑपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग को लेकर हुई थी। उससे पहले इंडिया गठबंधन की बैठक पिछले साल जून में लोकसभा चुनाव को लेकर हुई थी। अब मानसून सत्र से पहले विपक्ष की बैठक हुई भी, तो वर्चुअल हुई। आमने-सामने की बैठक और वर्चुअल बैठक में बहुत फर्क होता है। इससे विपक्ष की तरफ से फ्लोर मैनेजमेंट के मामले में बहुत उम्मीद नहीं जगती। विपक्ष की बैठक से पहले आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठाया। याद रखना चाहिए कि लोकसभा चुनाव के बाद से ही 'आप' इंडिया गठबंधन से अलग रास्ते पर चल रही है। दरअसल 'आप' के सामने अंदरूनी चुनौतियां हैं, जिससे वह उबरने की कोशिश में है। दिल्ली में पराजय के बाद 'आप' खुद को मजबूती से जोड़ने की कोशिश कर रही है। भाजपा ने दिल्ली की सत्ता से 'आप' को भले ही बाहर कर दिया, पर वह भी चाहती है कि 'आप' का अस्तित्व बना रहे। दो साल बाद गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 'आप' वहां चुनाव लड़ेगी, तो कांग्रेस को नुकसान पहुंचायेगी, जिसका लाभ भाजपा को होगा।

राहुल गांधी को सक्रिय होने की जरूरत

जहां तक कांग्रेस की बात है, तो 'भारत जोड़ो यात्रा' से राहुल गांधी की बेहतर छवि बनी थी, फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन से उसे बल मिला था, लेकिन उसके बाद के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने वह लय खो दी। फिलहाल वह कर्नाटक में सिद्धारमैया-शिवकुमार विवाद और केरल में शशि थरूर मामले के कारण बैकफुट पर है। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व ने इस बारे में स्पष्ट नहीं किया है कि क्या सचमुच कर्नाटक में मुख्यमंत्री का कार्यकाल ढाई-ढाई साल बांटे जाने पर सहमति बनी थी। अगर ऐसा हुआ था, तो उससे मूर्खतापूर्ण बात कुछ और नहीं हो सकती। हमने देखा है कि कहीं भी ऐसे फैसलों पर अमल नहीं हो पाया। बेहतर होता कि कांग्रेस नेतृत्व इसका हल निकालने में तत्पर दिखता।

इसी तरह केरल में शशि थरूर को बड़ी जिम्मेदारी देना वक्त का तकाजा है। पता नहीं क्यों, कांग्रेस में भी थरूर के भाजपा में जाने की अफवाह को बल मिला, जबकि भाजपा थरूर को अपनी पार्टी में नहीं लेने वाली, क्योंकि इससे खुद उसकी किरकिरी होगी। कांग्रेस की बेहतरी के लिए राहुल गांधी को सक्रिय होने की जरूरत है। सरकार के सामने चुनौतियां बहुत हैं। अगर कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल एकजुट होते हैं, तो सरकार के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं, लेकिन फिलहाल विपक्ष के सामने खुद को एकजुट रखने की चुनौती ज्यादा बड़ी है।

आमतौर पर संसद से हंगामे की तस्वीरें ही ज्यादा आती हैं। पिछला शीत सत्र में 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हो गए। सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन का काम नहीं करना समय के साथ देश के संसाधनों की भी बर्बादी है।

चेतावनी के रूप में लेना होगा पर्यावरणीय स्थिति को

पर्यावरणीय संकट

कमलाकर सिंह

प्राकृतिक विविधता और सांस्कृतिक संपदा से समृद्ध भारत इस समय अनेक पर्यावरणीय संकटों का सामना कर रहा है। वायु प्रदूषण, वन क्षेत्र का विनाश, जलवायु परिवर्तन और कचरा प्रबंधन की असफलताएँ मिलकर एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। भारत की वर्तमान पर्यावरणीय स्थिति एक गंभीर चेतावनी के रूप में उभरकर सामने आती है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत को वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष 95 अरब से अधिक का आर्थिक नुकसान होता है।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो तेजी से औद्योगिक और आर्थिक विकास की ओर बढ़ रहा हैं, लेकिन इसका पर्यावरण पर गहरा नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है। क्या आप जानते हैं दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 10 भारत में हैं। यह एक भयावह आंकड़ा है, जो देश की बड़ी आबादी के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट बताती हैं कि वायु प्रदूषण गंभीर संकट बन चुका है। दिल्ली, कानपुर और गाज़ियाबाद जैसे शहर लगातार दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई बार 400 से ऊपर पहुंच जाता है, जो बेहद खतरनाक है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत को वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष 95 अरब से अधिक का आर्थिक नुकसान होता है।

वाहनों से निकलने वाला धुआं, उद्योगों से होने वाला उत्सर्जन, पराली जलाना, निर्माण कार्य की धूल और कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्र इस समस्या को और भी विकराल बना रहे हैं।

इसका सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ता है। इसका समाधान केवल कठोर नीति के ज़रिए ही संभव है, जिसमें सख्त उत्सर्जन मानकों को लागू करना, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना, सार्वजनिक परिवहन को सुधारना और नागरिकों को जागरूक करना शामिल है।

इसी तरह देश की पवित्र नदियाँ जैसे यमुना, गंगा और गोदावरी प्रदूषण की चपेट में हैं। यमुना नदी कई स्थानों पर जहरीले झाग से भर गई है और भारत का लगभग 70 प्रतिशत सतही जल पीने योग्य नहीं रह गया है। लगभग 16 करोड़ से अधिक लोग साफ पानी की अनुपलब्धता से प्रभावित हैं। गंदा औद्योगिक अपशिष्ट, खराब सीवेज प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन इस संकट को और भी गहरा बना रहे हैं। हर वर्ष लगभग 40 मिलियन लोग जलजनित बीमारियों से पीड़ित होते हैं और लगभग 4 लाख मौतें हो जाती हैं। यह संकट सिंचाई में उपयोग होने वाले जल को भी प्रभावित करता है, जिससे फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों गिरते हैं। साथ ही जलचरों की प्रजातियाँ भी लुप्त होने की कगार पर हैं।

वनों की कटाई भी भारत के सामने एक गंभीर चुनौती है। ग्लोबल फारेस्ट वॉच के अनुसार, वर्ष 2001 से 2023 के बीच भारत ने अपने 18 प्रतिशत से अधिक वनों को खो दिया है। विशेष रूप से पश्चिमी घाट और पूर्वोत्तर भारत, जो जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं, अब संकट में हैं। इससे मिट्टी का क्षरण, वर्षा चक्र में असंतुलन और वन्यजीवों का विलुप्ति होना जैसे गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। यदि वनों का कटाई इसी गति से जारी रही, तो तापमान वृद्धि और आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ेंगी।

जलवायु परिवर्तन अब केवल एक वैज्ञानिक चेतावनी नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव बन चुका है। हिमालय के ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं, जिससे जल संसाधनों पर संकट बढ़ा है और पनबिजली उत्पादन प्रभावित हो रहा है। समुद्र के बढ़ते स्तर ने मुंबई, चेन्नई जैसे तटीय शहरों के लिए खतरा बढ़ा दिया है।

इस संकट से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन में तत्काल कटौती, हरित ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन और दीर्घकालिक नीतियों की जरूरत है, जिनमें पर्यावरणीय स्थिरता को प्राथमिकता दी जाए। शहरीकरण के बढ़ते दबाव के कारण भारत में हर वर्ष लगभग 62 मिलियन टन कचरा पैदा हो रहा है, लेकिन इसका मात्र 30 प्रतिशत ही ठीक से निपटाया जाता है। शेष कचरा लैंडफिल्स, नदियों और जल निकायों में जमा होकर प्रदूषण फैला रहा है।

यद्यपि भारत सरकार ने पर्यावरणीय संकटों से निपटने के लिए कई प्रयास किए हैं। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सीएनजी, बायोफ्यूल जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने की योजना पर काम हो रहा है। वायु प्रदूषण अधिनियम, 1981 के तहत उद्योगों और प्रदूषण स्रोतों पर सख्त नियंत्रण लगाया गया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सुधार भी देखने को मिला है। जल प्रदूषण को रोकने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जा रहे हैं। नई दिल्ली में हाल ही में दो ऐसी परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिनका उद्देश्य कचरे को ऊर्जा में बदलना है। सर्वोच्च न्यायालय ने ध्वनि प्रदूषण पर भी रोक लगाने के लिए सार्वजनिक स्थलों पर लाउडस्पीकर और हॉर्न के उपयोग को लेकर भी सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इन सबके बावजूद, यह साफ है कि भारत को पर्यावरणीय संकट से उबरने के लिए केवल सरकारी प्रयासों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। नागरिकों की जागरूक भागीदारी, स्थायी जीवन शैली अपनाना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और वैश्विक सहयोग समय की सबसे बड़ी मांग है। यह केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि हमारा साझा उत्तरदायित्व है। भारत का पर्यावरणीय संकट न केवल देश का मामला है, बल्कि यह संपूर्ण विश्व के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए हमें मिलकर काम करना होगा क्योंकि आने वाला कल हमारे आज के निर्णयों पर निर्भर करता है।

प्रसंगवश

जलवायु परिवर्तन के कारण घट रही है जीवन प्रत्याशा

यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में 85 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष मौजूद गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है।

निर्विवाद रूप से जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है।

बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलतः गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं।

ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलतः मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलतः शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में

यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ फीसदी से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

॥गीता॥

श्लोक

**स्वयमेवात्मनात्मानं वेत्थ त्वं पुरुषोत्तम।
भूतभावन भूतेश देवदेव
जगत्पते॥**

भावार्थ

हे भूतों को उत्पन्न करने वाले! हे भूतों के ईश्वर! हे देवों के देव! हे जगत्‌ के स्वामी! हे पुरुषोत्तम! आप स्वयं ही अपने से अपने को जानते हैं।

जीवन दर्शन

खुशी मंजिल नहीं, बल्कि जीवन की यात्रा है

यदि कोई अपने सपनों की ओर आत्मविश्वास से बढ़े और वह जीवन जिए, जिसकी उसने कल्पना की, तो उसे ऐसी सफलता मिलेगी, जो सामान्य घड़ी में नहीं मिलती। सच्चे सपनों का पीछा करें। सरलता, सजगता, और प्रकृति के साथ मिलकर जीवन जिएं। जीवन जीने का कोई खास समय नहीं होता, इसलिए हर पल खुश रहें। खुशी मंजिल नहीं, बल्कि यात्रा है। खुशी एक तितली की तरह है, जितना अधिक आप इसका पीछा करेंगे, उतना ही यह आपसे दूर भागेगी, लेकिन यदि आप अपने आसपास की अन्य चीजों पर ध्यान देंगे, तो यह धीरे से आकर आपके कंधे पर बैठ जाएगी। हमारा स्वयं को देखने का नजरिया मायने रखता है। जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण ही अहम होता है। यदि आप खुद को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो बहुत जल्द आप अपने रोजमर्रा के जीवन में हंसी के पात्र बन जाएंगे। हर पल अपने विचार को बेहतर करें और जीवन को सुंदर बनाएं। नैतिकता कोई सिद्धांत नहीं, बल्कि वह जीवन है, जो हम जीते हैं। इसलिए, अपने हर कदम को प्रेम, सच्चाई और ईमानदारी के साथ उठाइए। जीवन का अर्थ कोई ऐसी चीज नहीं, जो हमें किसी किताब में या किसी ऊंचे पहाड़ पर मिलेगी। यह हमारे भीतर है, हमारी हर सांस में, हमारे हर विचार में। दुनिया वही है, जो हमारी नजर में है। इस दुनिया को एक चमत्कार की तरह देखिए। हर पल को उसकी पूरी गहराई के साथ जिएं। जब हम ऐसा करेंगे, तो हम पाएंगे कि जीवन का अर्थ कोई जवाब नहीं, बल्कि वह अनुभव है, जो हम हर पल जीते हैं। इस रहस्यमयी जीवन को गले लगाइए, और इसे साहस और प्रेम के साथ जिएं।

हम अक्सर सोचते हैं कि कल बेहतर करेंगे। लेकिन जीवन कल के लिए नहीं है, यह केवल वर्तमान क्षण में है। इसलिए, जो भी बेहतर करना हो, केवल आज ही करें। जब आप कोई काम करें, तो उसे पूरी तन्मयता से करें, बिना किसी और बात की चिंता किए। जीवन का अर्थ इसी में छिपा है कि लगन से हम अपना कार्य करें।

संक्षिप्त खबरें

फूल उत्पादन में मप्र देश में तीसरे स्थान पर

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश ने फूलों के उत्पादन में देश में अलग पहचान बनाई है। देश में मध्यप्रदेश पुष्प (फूल) उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में उद्यानिकी के कुल 27.71 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में फूल उत्पादन की भागीदारी 42 हजार 978 हैक्टेयर है। प्रदेश के किसानों द्वारा वर्ष 2024-25 में 5 लाख 12 हजार 914 टन फूलों का उत्पादन किया गया है, जो रिकार्ड है। वह दिन दूर नहीं जब फूलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश का सिरमौर बनेगा। प्रदेश में किसानों का फूलों के उत्पादन के प्रति बढ़ता रुझान ही है कि गत चार वर्षों में फूलों का उत्पादन रकबा जो वर्ष 2021-22 में 37 हजार 647 हेक्टेयर था वह वर्ष 2024-25 में बढ़कर 42 हजार 976 हेक्टेयर और उत्पादन में 86 हजार 294 टन की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने में केन्द्र और राज्य सरकार किसान को कैश-क्रॉप की ओर प्रेरित कर रही है। छोटी कृषि जोत रखने वाले किसान, जिनके पास एक-दो एकड़ या तीन एकड़ की कृषि भूमि है, वे फूलों का उत्पादन कर अच्छा लाभ कमा सकते है।

बैठक के पहले देखीं परिषद सभागार की व्यवस्थाएं

जागरण संवाददाता, भोपाल। 24 जुलाई को होने वाली निगम परिषद की बैठक से पूर्व नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सोमवार को आईएसबीटी स्थित परिषद सभागार का मुआयना कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। निगम अध्यक्ष बैठक के दौरान काम करने वाले साउंड सिस्टम की विशेष रूप से जांच करवाई। पिछली बार साउंड सिस्टम बंद होने के चलते पार्षदों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। साथ ही सभागार की साफ सफाई व्यवस्था को भी विशेष रूप से परखा गया।

26 पुलिसवालों के तबादले

मुख्य संवाददाता, भोपाल। नगरीय पुलिस में सोमवार को 26 पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर हुए हैं। डीसीपी जोन 3 भोपाल रियाज इकबाल ने तीन अलग आलग आदेश जारी कर भोपाल के अलग अलग थानों में तैनात 14 आरक्षकों, 4 प्रधान आरक्षकों, 2 एएसआई और 6 सब इंस्पेक्टर को दूसरे थानों में पदस्थ किया है। जानकारी के अनुसार एसआई शेषनाथ सिंह, सुमेर सिंह और कमला चक्रवर्ती को कोहेफिजा थाना में पदस्थ किया गया है, जबकि हेमंत पाटिल को कोतवाली, पूजा त्यागी को तलैया और अद्रियाना भगत को हनुमानगंज थाना भेजा गया है।

कांग्रेस जैसी पार्टियां सामाजिक ताना-बाना तोड़ना चाहती हैं: सीएम

डॉ. यादव ने भारतीय युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को किया संबोधित, कहा- युवा मोर्चा कार्यकर्ता भाजपा संगठन की ऑक्सीजन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस जैसे दल अपने फायदे के लिए कुछ भी कर सकते हैं। कांग्रेस जैसी पार्टियां सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती हैं। इसके लिए युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा। सीएम यादव रविवार को भाजपा मुख्यालय में भायतीय युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं से कहा विरोधियों को अपने मकसद में कामयाब नहीं होने देना है, ताकि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनने में कोई अड़चन न आए। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भाजपा संगठन की ऑक्सीजन हैं। कार्यकर्ता संकल्पों और सिद्धांतों के साथ भाजपा की विजय यात्रा में योगदान जारी रखें। भारत दुनिया का युवा देश है। सबसे बड़ा और सशक्त लोकतांत्रिक देश है। देश में जब से गणतंत्र लागू हुआ, देश लगातार आगे बढ़ रहा है। देश को आजादी दिलाने में क्रांतिकारी युवाओं का अहम योगदान है। शहीद भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों ने आगे बढ़कर देश को आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। क्रांतिकारियों के योगदान से मिली आजादी अलग प्रकार की है, क्योंकि भारत के साथ दक्षिण अफ्रीका भी आजाद हुआ था। भारत में क्रांतिकारियों ने एक भी अंग्रेज को देश में नहीं रहने दिया, इसका परिणाम यह हुआ कि भारत आज विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को गुलाम बनाने वाले देश के आजाद होने के बाद भी उसके संसाधनों पर कब्जा कर बैठे रहे और आज भी दक्षिण अफ्रीका के नागरिक अलग प्रकार की दुनिया में ही जी रहे हैं।

सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाए युवा मोर्चा : खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वो मूलभूत चीजें और सुविधाएं आमजन को उपलब्ध कराईं, जिनके बारे में कांग्रेस की सरकारों ने 70 वर्षों में सोचा तक नहीं। युवा मोर्चा कार्यकर्ता यह ध्यान रखें कि सोशल मीडिया पर जितनी भी गतिविधियां हैं, उनमें सरकार के कामों की चर्चा अवश्य हो। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस के आयोजनों के लिए विधानसभा स्तर पर प्रभारी बनाएं। खण्डेलवाल ने कहा कि 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के बाद युवा मोर्चा की स्थापना हुई और यह भारतीय जनता पार्टी की यात्रा की पहली सीढ़ी है। आज जो वरिष्ठ नेता हैं, वो सभी कभी युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रहे हैं। उन सभी ने दिए गए काम की चिंता की, अपने भविष्य की चिंता नहीं की। भाजपा एक परिवार है और परिवार में बालक स्वयं की चिंता नहीं करता, उसकी चिंता अभिभावक करता है। उसी तरह युवा मोर्चा कार्यकर्ता भी अपनी चिंता छोड़कर पार्टी की विचारधारा, संगठन और अपने काम की चिंता करें। जिस पद पर भी हैं, उसका श्रृंगार करें। यदि आप पार्टी की चिंता करेंगे, तो आपकी चिंता पार्टी नेतृत्व करेगा।

भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने में मप्र की बड़ी भूमिका होगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने आजादी के बाद 55 साल तक देश में शासन किया, लेकिन देश को उस मुकाम तक नहीं पहुंचा सके, जहां उसे होना चाहिए था। कांग्रेस पार्टी सामाजिक ताने-बाने को तोड़ना चाहती है। दस तरह की बातें करने वाली कांग्रेस के अंदर कुछ और होता है, बाहर कुछ और होता है। युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं को सजग रहना होगा और कांग्रेस के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने के मंसूबे में कामयाब नहीं होने देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश का लगातार विकास करते हुए भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने में जुटी है। इस काम में मध्यप्रदेश के युवा भी अपने परिश्रम व पुरुषार्थ से पूरा योगदान दें। उन्होंने कहा कि युद्ध के मोर्चों में जिस प्रकार विजय प्राप्त करने के बाद सेना अपने पड़ाव की ओर आगे बढ़ती जाती है, लेकिन बीते युद्धों का स्मरण भी हमेशा करती रहती है, ताकि आगे के युद्ध भी वह आसानी से जीतती रही।

सरकारों के खिलाफ नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रहा विपक्ष : हितानंद

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि विपक्ष लगातार हमारी सरकारों के खिलाफ नैरेटिव बनाने का प्रयास कर रहा है। हमारी केंद्र और राज्य सरकारों ने देश व प्रदेश के हित में जो काम किए हैं, युवा मोर्चा कार्यकर्ता उन कामों को जनता तक पहुंचाएं। पूरे साक्ष्यों के साथ विपक्ष के नैरेटिव का जवाब दें। युवा मोर्चा कार्य, कार्यक्रम और कार्यकर्ता के स्तर पर समीक्षा करके अपने कार्यों का सिंहावलोकन करें। इसके लिए मैपिंग का भी सहारा लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक देश-एक चुनाव को लेकर युवा मोर्चा प्रत्येक संभाग में प्रतिमाह कम से कम एक कार्यक्रम आयोजित करे। इसी तरह से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर भी युवाओं को दृष्टिगत रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल उपस्थित रहे।

पंचायत चुनाव के लिए मतपत्र के बजाय ईवीएम से वोटिंग आज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पंचायत चुनावों के लिए भी अब ईवीएम का उपयोग शुरू हो रहा है। चुनाव आयोग के निर्देश पर मप्र में पेपरलेस बूथ के जरिए राज्य निर्वाचन आयोग मंगलवार को सागर जिले के पंचायत क्षेत्रों में ईवीएम से वोटिंग कराएगा। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने भोपाल से अधिकारियों को यहां भेजा है। पंचायत उप-निर्वाचन-2025 में खाली पदों के लिए 22 जुलाई की सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। सागर जिले की 4 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 9 मतदान केंद्रों और दमोह जिले के वार्ड-16 के जनपद सदस्य के चुनाव के लिए 9 मतदान केंद्रों पर इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीबीएमएस) से मतदान कराया जाएगा। चार ग्राम पंचायतों में सरपंच के 4 पदों के लिए 49 और जनपद पंचायत सदस्य के 1 पद के लिए मतदान होना है। इन मतदान केंद्रों की प्रक्रिया का सीधा प्रसारण राच्य निर्वाचन आयोग, भोपाल, सागर और दमोह में स्क्रीन लगाकर होगा।

आईपीबीएमएस सिस्टम का इन स्थानों पर ट्रायल

मंगलवार को सागर जिले के जैसीनगर की ग्राम पंचायत अगरा और औरिया, जनपद पंचायत खुरई की ग्राम पंचायत मुहासा और जनपद पंचायत राहतगढ़ की ग्राम पंचायत सेमरालहरिया में इंटीग्रेटेड पोलिंग बूथ मैनेजमेंट सिस्टम से मतदान कराया जाएगा। मतदान केंद्रों में मतपत्रों की बजाय ईवीएम से वोटिंग होती है और मतदाता तथा मतदान कर्मियों द्वारा पूरा काम डिजिटली किया जाता है। वर्ष 2024 में भोपाल जिले के बैरसिया तहसील की ग्राम पंचायत रतुआ रतनपुर और रीवा जिले के अतरैला ग्राम पंचायत के सरपंच पद के लिए इसी सिस्टम से वोटिंग कराई जा चुकी है।

जातिगत जनगणना राहुल गांधी की बड़ी सोच: चौधरी

मांडू में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विधायकों व पदाधिकारियों को कई नेताओं ने किया संबोधित

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस के मांडू में आयोजित प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन कई सत्र आहुत किए गए। सोमवार को शिविर के दूसरे दिन भी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने विधायकों और पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा अगला चुनाव एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मैनेज रहेंगे। कांग्रेस को भी सोशल मीडिया को अपना हथियार बनाना पड़ेगा। सोच को बदलना होगा पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता बदलाव जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि संगठन मेरे ही अनुसार चले यह जिद छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना राहुल गांधी की बड़ी देन है। इसके अलावा अलग-अलग सत्रों में प्रेरक वक्ता सोनू शर्मा और मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसरानी ने भी विधायकों के साथ संवाद कर जानकारी और अनुभव साझा किया।

पीड़ित जनता को न्याय दिलाने का नव संकल्प: उमंग सिंघार

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी की सरकार घोटालों से घिरी है और जनता त्रस्त है। किसान खाद के लिए मारा मारा फिर रहा है। यह शोषण के खिलाफ महिला, युवा, गरीब, आदिवासी और प्रदेश के प्रत्येक नागरिकों की खुशहाली का नव संकल्प है।

पार्टी शरीर है और विधायक उसका चेहरा: जीतू पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि पार्टी शरीर है और विधायक उसका चेहरा हैं। हमारे पास 3 और 4 वर्ष का समय है। कांग्रेस के लिए यह परीक्षा की घड़ी है और 2028 में हमें पास होना है।

प्रदेश में निवेश लाना चुनौती, यह आकर्षण से आता है : कमलनाथ

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ वर्चुअल रूप से शिविर से जुड़े। उन्होंने कहा कि यह समय नौजवानों और किसानों के लिए चुनौती भरा है। निवेश आकर्षण से आता है डिमांड से नहीं। मध्य प्रदेश में निवेश लाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

सरकार के इशारे पर काम कर रही ईडी और सीबीआई : तन्खा

झूठे मुकदमे, जांच एजेंसियां, सीबीआई, ईडी के दुरुपयोग पर वर्चुअल जुड़कर राज्यसभा के सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि ये सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं। हमें कांग्रेस के लीगल डिपार्टमेंट को मजबूत बनाना होगा। बार काउंसिल के सदस्यों को भी उसमें जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि हमने 17 वकीलों की टीम तैयार की है। हमें डरने की बजाय कानून का सहारा लेना होगा और अपने अधिकारों की जानकारी भी हमें होनी चाहिए।

प्रदेश के कई जिलों में यूरिया की किल्लत, भड़के किसान, वादा करने के बाद भी नहीं मिला टोकन

परेशान किसानों ने कलेक्ट्रेट घेरा, हाइवे भी किया जाम

जागरण, खरगोन। प्रदेश में यूरिया की किल्लत से किसान परेशान हैं। खरगोन में बीते एक माह से रोजाना किसानों के प्रदर्शन जारी हैं। सोमवार दोपहर 1 बजे को भी उमरखली रोड स्थित विपणन संघ के खाद बिक्री काउंटर पर सैकड़ों किसान खाद खरीदने पहुंचे। इनमें कई किसान ऐसे थे जिन्हें 16 जुलाई को टोकन नहीं मिले। इसके बाद सोमवार को टोकन मिलने की सूचना दी थी। करीब 11 बजे केंद्र खुला और मौजूद कर्मचारियों ने यूरिया नहीं होने की बात कही तो किसान आपे से बाहर हो गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद एकजुट होकर रैली के रूप में बिक्री केंद्र से करीब 1 किमी दूर नारेबाजी करते हुए बिस्टान नाका पहुंचे। यहां चित्तौड़गढ़-भुसावल नेशनल हाईवे पर धरना देकर रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पुलिस बल तैनात रहा।

स्कूली छात्राएं और महिलाएं भी हुईं शामिल

प्रदर्शन में 300 से अधिक किसान शामिल हुए। इनमें स्कूल-कॉलेज की छात्राएं और किसान महिलाएं भी थीं। किसानों ने बताया कि वे 50-60 किमी दूर से खाद लेने आए हैं। छात्राओं ने कहा कि फसल के लिए खाद आवश्यक है। एसडीओपी रोहित लखारे और उपसंचालक कृषि एसएस राजपूत मौके पर पहुंचे। हालांकि, किसानों ने उनकी बात नहीं सुनी। बाद में एसडीएम बीएस कलेश ने आश्वासन दिया।

हरदा: खाली स्टॉक देख तीन घंटे किया प्रदर्शन

मक्का के लिए यूरिया की कमी से नाराज हरदा के किसानों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। तीन घंटे तक किसानों ने प्रदर्शन किया। किसान सुबह डीएमओ गोदाम पहुंचे, लेकिन बताया कि स्टॉक खत्म हो गया है। इससे किसान नाराज हो गए। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि सुबह से लाइन में खड़े थे। दस बजे कर्मचारियों ने बताया कि स्टॉक शनिवार को ही खत्म हो गया था। नाराजगी देखते हुए प्रशासन ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से किसानों की सूची बनवाकर टोकन बांटे। इन सभी को मंगलवार को यूरिया उपलब्ध कराने का आश्वासन जिला प्रशासन ने दिया है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में यूरिया की 24,500 और डीएपी की 12,000 मैट्रिक टन की मांग है।

सागर: टोकन के बाद भी नहीं मिली खाद, अस्पताल चौराहे पर चक्काजाम

जिले के रहली में चार दिन से टोकन लेकर बैठे किसानों ने सोमवार को यूरिया खाद की कमी को लेकर अस्पताल चौराहे पर सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे रोक दिया। तीन घंटे तक चक्काजाम से हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि उन्हें 17 जुलाई को टोकन दिए गए थे। मंडी प्रबंधन ने 18 जुलाई को खाद मिलने का वादा किया था। तीन चार चक्कर काटने के बाद भी खाद नहीं मिल रहा है। कई किसान तो सुबह 5 बजे से शाम तक खाद वितरण केंद्र पर बैठे रहे। वहीं खाद वितरण में भेदभाव के आरोप भी किसानों ने लगाए हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि 15 दिन से तो गोदाम खाली पड़ा है।

घर बैठकर सार्थक एप से उपस्थिति लगाने वाले दो प्राचार्य और दो प्रोफेसर निलंबित

जहां से निलंबित किया वहीं मुख्यालय बनाकर किया पदस्थ, अतिथि विद्वानों पर भी होगी चुकी है कार्रवाई

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सार्थक एप उपस्थिति लगाने में गड़बड़ी करने वालों पर सख्ती शुरू कर दी है। इसी के तहत फर्जीवाड़ा करने वाले दो प्राचार्य और दो प्रोफेसरों को निलंबित किया गया है। इसके पहले गंजबासौदा के गर्ल्स कालेज में कार्यरत आधा दर्जन अतिथि विद्वानों को सेवामुक्त कर दिया गया था। सार्थक एप से उपस्थिति लगाने को लेकर प्रोफेसर गंभीरता से नहीं ले रहे थे। इसके विरोध में कई बार विभाग को ज्ञापन तक दिए गए हैं। विभाग ने सार्थक एप की उपस्थिति से वेतन देने के आदेश जारी किए तो प्रोफेसरों ने फर्जीवाड़ा शुरू कर दिया। इसकी शिकायत होने पर विभाग ने सख्त कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। सोहन कुमार यादव प्रभारी प्राचार्य गर्ल्स कालेज गंजबासौदा अपने घर में बैठकर उपस्थिति लगा रहे थे। उनकी शिकायत विभाग में दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान उन्हें दोषी ठहराते हुए निलंबित कर दिया गया है। उनका मुख्यालय गर्ल्स कालेज गंजबासौदा ही बनाया गया है। लॉ कालेज श्योपुर के प्रभारी प्राचार्य

सुनीता यादव को भी निलंबित किया गया है। इसी तरह लाल बहादुर शास्त्री कालेज सिरोंज में पदस्थ असिस्टेंट प्रोफेसर साधना कुमारी झा और अतिरिक्त संचालक कार्यालय में पदस्थ असिस्टेंट प्रोफेसर राजीव कुमार शुक्ला को निलंबत किया गया है। उक्त सभी प्रोफेसर और प्राचार्य के मुख्यालय उनके कार्य स्थल बनाए गए हैं।

जांच प्रभावित करने नहीं बनाया दूसरा मुख्यालय

विभाग ने प्रभारी प्राचार्य सुनीता यादव और सोहन यादव को निलंबित कर उनके ही कालेज को मुख्यालय बनाकर पदस्थ किया है। प्रो. राजीव कुमार शुक्ला और प्रो साधना कुमारी झा को अपने कालेज में निलंबन अवधि समाप्त नहीं होने तक मुख्यालय के तौर पर पदस्थ किया है। नियमानुसार निलंबन की कार्रवाई जहां से होती है वहां से प्राचार्य और प्रोफेसर को हटाकर दूसरे जिले या जिले के दूसरे कालेज में मुख्यालय बनाकर पदस्थ किया जाता है, ताकि जांच प्रभावित न हो। विभाग ने दोनों प्राचार्य और दोनों प्राचार्यों का मुख्यालय तक बदलना जरूरी नहीं समझा। इससे उनके खिलाफ चलने वाले जांच प्रभावित हो सकती है।

आधा दर्जन अतिथि विद्वान हो चुके हैं बर्खास्त

सार्थक एप में उपस्थिति में फर्जीवाड़ा करने पर विभाग ने गत माह आधा दर्जन अतिथि विद्वानों के आमंत्रण पत्र को निरस्त करते हुए उनकी सेवा बर्खास्त कर दी थीं। वे फर्जी उपस्थिति दर्ज कराकर वेतन ले रहे थे। इसमें गंजबासौदा कालेज के प्रकाश चंद मौर्य, हेमंत कुमार अहिरवार, हेमंत कुमार सक्सेना, सूर्यकांत शर्मा, डॉ. सरताज मंजू पर्रे और संजय कुमार राय शामिल थे।

अनदेखी | 15 हजार चरित्रावली अधूरी, पीएचक्यू ने मांगी डिटेल तो हुआ खुलासा

अफसरों की विदाई से अटक गई पुलिसकर्मियों की सीआर

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में लगभग 15,000 पुलिसकर्मियों की पिछले वर्ष 2023-24 की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) तय समय सीमा के सात महीने बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। यह खुलासा तब हुआ जब पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) की प्रशासन शाखा ने पिछले महीने सभी पुलिस इकाइयों को अपने कर्मचारियों की 2023-24 की वार्षिक सीआर मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए। इसके लिए सात दिन की समय सीमा तय की गई थी। जिला पुलिस बल और अन्य इकाइयों द्वारा कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय सीआर की जानकारी जुटाने पर सच्चाई सामने आई, जिससे पुलिस बल के आला अधिकारी भी हैरान रह गए। जिला इकाइयों में 15 प्रतिशत से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय सीआर अभी भी अधूरी है। इनमें से अधिकांश आरक्षक से लेकर निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मी हैं। इस देरी का सीधा असर इन पुलिसकर्मियों की पदोन्नति पर पड़ सकता है।

सीआर अधूरी रहने का मुख्य कारण

राच्य सरकार सभी विभागों को वार्षिक गोपनीय सीआर के लिए एक रोस्टर जारी करती है। इस निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही वार्षिक गोपनीय सीआर चार अलग-अलग चरणों में लिखी जाती है। पिछले वर्ष इसके लिए 31 दिसंबर की अंतिम तिथि निर्धारित

थी। सामान्यतः आरक्षक, प्रधान आरक्षक, सहायक उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक और निरीक्षक की वार्षिक गोपनीय सीआर उनकी तैनाती वाले जिलों में ही रखी जाती है और आवश्यकता पड़ने पर इसे पीएचक्यू भेजा जाता है। इस साल जब शासन ने विभागों में जारी कार्यवाहक प्रथा को बंद कर पदोन्नति देने की घोषणा की, तो पीएचक्यू ने सभी कर्मचारियों की सीआर भेजने को कहा। इसके बाद पता चला कि कई कर्मचारियों की सीआर अभी तक अधूरी है। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी सीआर लिखने वाले अधिकारी का स्थानांतरण या सेवानिवृत्त हो जाना है। इसके अलावा, जिलों में तैनात आला अधिकारियों ने भी इस संबंध में अधिक रुचि नहीं दिखाई, जिसके कारण हजारों की संख्या में सीआर अभी भी लंबित हैं।

अब युद्ध स्तर पर जारी है कार्रवाई

पुलिस मुख्यालय से निर्देश मिलने के बाद अब जिला इकाइयों में कर्मचारियों की सीआर को पूरा करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। नियमानुसार सीआर के लिए आवेदक स्वयं अपना प्रपत्र भरता है। इसके बाद प्रतिवेदक अधिकारी इस पर पहली टिप्पणी दर्ज करता है। इस सीआर पर दूसरी टिप्पणी समीक्षक अधिकारी की होती है, जो प्रतिवेदक का वरिष्ठ होता है। इसके बाद चौथे चरण में सीआर स्वीकारकर्ता अधिकारी के पास जाती है। वार्षिक गोपनीय सीआर का एक अनिवार्य नियम है कि इस पर प्रतिवेदक, समीक्षक और स्वीकारकर्ता अधिकारी वही होने चाहिए, जिनके अधीन कर्मचारी या अधिकारी ने काम किया हो। अधिकांश मामलों में प्रतिवेदक, समीक्षक और स्वीकारकर्ता अधिकारियों का अन्य जिलों में स्थानांतरण हो गया है, जबकि कुछ सेवानिवृत्त हो गए हैं। अब जिला पुलिस की इकाइयों में पुलिस कर्मचारियों की आधी-अधूरी रखी वार्षिक गोपनीय सीआर उन अधिकारियों के पास भेजी जा रही है, जो अन्य जिलों में पदस्थ हो गए हैं। इसके अलावा, रिटायरमेंट के एक महीने तक अधिकारी सीआर पर टिप्पणी दे सकते हैं, इसलिए कुछ सीआर को ऐसे अफसरों के पास भी भेजा गया है जो एक माह पहले ही रिटायर हुए हों।

"पिछले माह के अंत में सभी जिलों को निर्देश जारी कर एक सप्ताह में सीआर भेजने को कहा था। अधिकांश जिलों से सीआर नहीं मिलीं है। इनमें कुछ बाधाएं हैं। सभी इकाइयों को इसे ठीक कर जल्द सीआर भेजने को कहा गया है।

■ **आदर्श कटियार**, स्पेशल डीजी, प्रशासन, पीएचक्यू

एनसीटीई को गलत जानकारी देने पर भोज की बीएड समन्वयक हेमलता निलंबित

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने सोमवार को बीएड विभाग की समन्वयक डॉ. हेमलता दिनकर को निलंबित कर दिया है। निलंबन के आदेश में बताया गया है कि एनसीटीई द्वारा विश्वविद्यालय के बीएड सामान्य शिक्षा कोर्स की मान्यता समाप्त होने के संबंध में डॉ. हेमलता दिनकर ने वर्ष 2021-2022 एवं वर्ष 2022-23 का बीएड कोर्स के लिए एनसीटीई को प्रस्तुत की जाने वाली परफारमेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) जमा हो चुकी है, जबकि ये जमा नहीं हुई थी। तत्कालीन कुलपति ने 16 नवंबर 2021 को पीएआर जमा करने आपको अधिकृत किया था। डॉ. दिनकर द्वारा पीएआर को ऑनलाइन भरने के संबंध में हो रही कठिनाई के बारे में आज तक वस्तुस्थिति से निदेशक डीएमई कुलगुरु और कुलसचिव को अवगत नहीं कराया गया। डॉ. दिनकर द्वारा समय पर एनसीटीई द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब भी प्रस्तुत नहीं किया। इससे एनसीटीई ने बीएड की मान्यता समाप्त कर दी। उन्होंने अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक नहीं किया है। उनके द्वारा कर्तव्य के प्रति उदासीनता को दर्शाता है एवं सेवा आचरण नियमों के विपरीत है। निलंबन अवधि में डॉ. दिनकर का मुख्यालय ईएमपीआरसी रहेगा।

डॉ. हेमलता दिनकर के कक्ष में लगा ताला।

दिल्ली के चक्कर लगा रहे झारिया

डायरेक्टर एलपी झारिया मान्यता जारी करने के लिए दिल्ली के चक्कर काट रहे हैं। अभी तक बीएड की मान्यता जारी नहीं हो सकी है। जबकि बीएड की एक हजार सीटों पर प्रवेश लेने के लिए चार हजार 535, डीएलएड (बैचलर एंड लर्निंग एजुकेशन) की एक हजार सीटों पर के लिए पांच हजार 83, विद्यार्थियों ने फार्म जमा कर उनकी परीक्षाएं तक करा ली गई हैं, लेकिन अभी तक उनके रिजल्ट जारी नहीं किए गए हैं। इससे विद्यार्थी काफी चिंतित हैं। वे बार-बार विवि के अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। यहां तक वेबसाइट पर अपने रिजल्ट तलाश रहे हैं। क्योंकि भोज विवि ने एमएड के रिजल्ट जारी कर उनका सत्यापन कार्य शुरू करा दिया है। भोज विवि को बीएडी और बीएलएड की मान्यता एनसीटीई जारी नहीं करता है, तो उनकी विद्यार्थियों की जमा की गई राशि वापस कराई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि बीएड की मान्यता मिलने के बाद विद्यार्थियों को प्रवेश कराने के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

बांग्लादेश में उड़ान के 24 मिनट बाद चीन में बना एफ-7 विमान कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त, 19 लोगों की मौत

164 से अधिक घायल, कई की हालत नाजुक, मौतों का आंकड़ा बढ़ने का अंदेशा, बांग्लादेश में एक दिन का राष्ट्रीय शोक

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक स्कूल पर वायुसेना का विमान गिरने से अब तक कम से कम 19 लोगों की मौत हुई है। इस हादसे में कम से कम 100 लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत नाजुक है, ऐसे में मौत का आंकड़ा बढ़ने का अंदेशा है। बांग्लादेश की वायुसेना ने बताया है कि उसका एक एफ-7 विमान5उत्तरा स्थित माइलस्टोन कॉलेज में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि इस विमान ने दोपहर 1.06 बजे उड़ान भरी और लगभग 1.30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे की जांच की जा रही है। मौके पर बांग्लादेशी सेना, अर्धसैनिक बल, वायुसेना और पुलिस की कई टुकड़ियां राहत और बचाव कार्य चला रही हैं। दुर्घटनाग्रस्त हुआ एफ-7 विमान चीनी मूल का था, जिसे मिग-21 की लाइसेंस कॉपी बताया जाता है। माइलस्टोन कॉलेज के फिजिक्स के टीचर के हवाले से द डेली स्टार ने लिखा है कि फाइटर जेट माइलस्टोर कॉलेज परिसर में ही बनी तीन मंजिला इमारत से टकराया। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त वह कॉलेज 10 मंजिला इमारत में खड़े थे, जबकि फाइटर जेट पास ही स्थित तीन मंजिला इमारत से टकराया, इसके बाद अफरा तफरी मच गई।

मोहम्मद यूनुस ने जताया दुख

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने दुर्घटना में लोगों के मारे जाने पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया है। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग द्वारा आज दोपहर जारी एक बयान में उन्होंने कहा, माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में बांग्लादेश वायु सेना के विमान से हुई हृदयविदारक दुर्घटना में हुई हताहतों से मैं बहुत दुखी हूं।

बांग्लादेश में झुका रहेगा राष्ट्रीय ध्वज

ढाका के उत्तरा स्थित माइलस्टोन कॉलेज में वायु सेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सरकार ने एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है। यह शोक दिवस कल आज मनाया जाएगा। इसके बाद, देश भर के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त संस्थानों और शैक्षणिक प्रतिष्ठानों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इसके अतिरिक्त, सभी सरकारी और निजी भवनों के साथ-साथ विदेशों में स्थित बांग्लादेशी मिशनों में भी ध्वज झुका दिए जाएंगे। देश भर के सभी धार्मिक स्थलों पर घायलों और मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाएंगी।

2011 में खरीदे थे बांग्लादेश ने एफ-7 फाइटर जेट

एफ-7 बीजीआई बांग्लादेश एयरफोर्स का मल्टीरोल फाइटर जेट है। यह चीन के चेंगदू जे-7 फाइटर का एडवांस वर्जन है, जिसे सोवियत यूनियन के एमआईजी-21 की तर्ज पर बनाया गया था। बांग्लादेश एयर फोर्स ने 2011 से 2013 के बीच यह फाइटर खरीदा था। इसे थंडरकैट स्काड्रन में शामिल किया गया था। एफ-7 बीजीआई एक बार में 600 से 650 किलोमीटर की कॉम्बैट रेंज तय कर सकता है, जबकि फेरी रेंज 2,230 किमी तक है। यह अधिकतम 17,800 मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है। 155 मीटर/सेकंड की रफ्तार से ऊपर उठ सकता है। इस फाइटर जेट में 2 तोपों के साथ 7 हथियार लगाने वाले पॉइंट हैं। इन पर 3 हजार किलोग्राम तक की मिसाइलें और बम लगाए जा सकते हैं। यह पीएल-5 और पीएल-9 मिसाइल, लेजर गाइडेड बम और सी-704 एंटी-शिप मिसाइल से लैस हो सकता है।

आंखों के सामने हुआ क्रैश

प्रत्यक्षदर्शी ग्यारहवीं कक्षा के छात्र फहीम हुसैन ने उस भयावह मंजर को बयां किया है। फहीम ने बताया, विमान मेरी आंखों के सामने, मुझसे सिर्फ 10 फ़ीट आगे क्रैश हुआ। वह एक दो मंजिला इमारत की निचली मंजिल से टकराया, जहां प्राइमरी क्लास के छात्र पढ़ाई कर रहे थे।

अस्पताल ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

उत्तरा स्थित माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज परिसर में आज बांग्लादेश वायु सेना के प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद राष्ट्रीय बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी संस्थान में एक आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 01949-043697 है।

तीन मंजिला इमारत से टकराया विमान

फाइटर जेट माइलस्टोर कॉलेज परिसर में ही बनी तीन मंजिला इमारत से टकराया। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त वह कॉलेज 10 मंजिला इमारत में खड़े थे, जबकि फाइटर जेट पास ही स्थित तीन मंजिला इमारत से टकराया, इसके बाद अफरा तफरी मच गई। छात्र इमारत में फंस गए। कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी उन्हें बचाने के लिए दौड़े, कुछ ही देर में सेना के जवान पहुंचे।

राहत में बांग्लादेश बार्डर गार्ड की टुकिड़यां तैनात

बांग्लादेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक मो. सईदुर रहमान ने बताया कि माइलस्टोन कॉलेज परिसर में वायुसेना का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई। बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) मुख्यालय के अनुसार, कानून प्रवर्तन और बचाव कार्यों में सहायता के लिए उत्तरा में बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) की तीन टुकड़ियां तैनात की गई हैं।

सैयारा ने लहराया बंपर कमाई का परचम

सैयारा इस वक्त एक ऐसी फिल्म बन गई है, जिसकी चर्चा दिन पर दिन बढ़ती चली जा रही है। अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर इस रोमांटिक थ्रिलर ने सही मायनों में ऑडियंस का दिल जीत लिया है, जिसके चलते भारी तादाद में इस मूवी को देखने के लिए दर्शक सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा की धमाकेदार कमाई थमने का नाम नहीं ले रही है। रिलीज के चौथे दिन भी सैयारा ने बमफाड़ कलेक्शन करते हुए हर किसी को चौंका दिया है। सोमवार का दिन सैयारा के लिए कमाई के लिहाज से एक बड़ी अग्निपरीक्षा समान माना जा रहा था। ओपनिंग वीकेंड में धमाकेदार कारोबार करने के बाद माना जा रहा था कि सोमवार को इसके कलेक्शन में गिरावट आएगी, लेकिन सारे अनुमान और कयास सैयारा ने गलत साबित कर दिए हैं और मंडे टेस्ट में डबल डिजिट में कमाई कर कमाल कर दिया

नेटफिलिक्स ने एआई से बनाया सीरीज का दृश्य, लागत घटी

मुंबई, जेएनएन। नेटफिलिक्स ने ऑफिशियली कन्फर्म किया है कि उसने अपने नए अर्जेंटीना बेस्ड साइंस-फिक्शन शो द इंटरनॉट में पहली बार जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन एआई) का यूज किया है। जिस विजुअल इफेक्ट सीन के लिए टीम को लंबा वक्त और भारी-भरकम बजट चाहिए था, वही काम एआई टूल्स की मदद से 10 गुना जल्दी और काफी कम लागत में हो गया। नेटफिलिक्स का ये कदम न सिर्फ इंडस्ट्री में चर्चा का टॉपिक बना है, बल्कि हॉलीवुड में एआई के बढ़ते रोल को लेकर डिबेट भी शुरू हो गई है। नेटफिलिक्स के को-सीईओ टेड सरानडोस ने हाल ही में इन्वेस्टर कॉल में साफ कहा कि द इंटरनॉट में बिल्डिंग गिरने वाले एक बड़े सीन को, जो कहानी का पिवोट पॉइंट भी है, जनरेटिव एआई के वर्चुअल प्रोडक्शन टूल्स से तैयार किया गया। उनकी मानें तो इस शो के बजट के हिसाब से इतने हाई-क्वालिटी इफेक्ट्स बनाना पारंपरिक तरीकों से लगभग नामुमकिन था। कंपनी के मुताबिक, एआई से बना ये सीन ना सिर्फ जल्दी तैयार हुआ, बल्कि क्वालिटी को देखकर टीम पूरी तरह संतुष्ट है।द इंटरनॉट वैसे तो अर्जेंटीना का एक पोस्ट-एपोकैलप्टिक सर्वाइवल शो है, जिसमें अजीबो-गरीब बर्फबारी से पूरी आबादी खत्म होने लगती है। इसी थीम में जब क्रिएटर्स को बड़ी बिल्डिंग गिराने की जरूरत पड़ी, तब नेटफिलिक्स टीम की आईलाइन ब्रांच ने क्रिएटिव टीम के साथ मिलकर एआई इंजन को यूज किया। इस एक सीन पर पारंपरिक वीएफएक्स स्टूडियो के मुकाबले 10 गुना कम वक्त और कैपेबल बजट में काम हो गया।

आईआईटी-बीएचयू गैंगरेप मामला

4 बार बुलाने पर पीड़िता कोर्ट नहीं पहुंची तो जज ने जिरह की खत्म

वाराणसी, जेएनएन। वाराणसी की फास्ट ट्रैक कोर्ट में आईआईटी-बीएचयू गैंगरेप केस की पीड़ित छात्रा सोमवार को भी गवाही देने नहीं पहुंची। इसके बाद कोर्ट ने उसके वकील से कहा- आपको 4 बार मौका दिया गया, इसके बाद भी छात्रा जिरह के लिए नहीं आई। इसलिए आपका जिरह का मौका खत्म किया जाता है। कोर्ट ने आईआईटी-बीएचयू में हुए गैंगरेप के वक्त मौजूद पीड़ित के दोस्त को तलब किया। 31 जुलाई को अब एकमात्र चश्मदीद गवाह कोर्ट में बयान देगा। आईआईटी-बीएचयू की छात्रा के साथ 31 अक्टूबर, 2023 को गैंगरेप हुआ था। उसने पुलिस और कोर्ट में अपने बयान दिए। कोर्ट में 18 जुलाई, 2024 से ट्रायल शुरू हुआ। 22 अगस्त, 2024 को पहली बार कोर्ट में पीड़ित ने बयान दर्ज कराए। 9 महीने में छात्रा को 15 बार कोर्ट ने तलब किया। वह 10 बार कोर्ट में पेश हो चुकी है। फिर उसने सुरक्षा का हवाला देते हुए कोर्ट में वर्चुअल पेशी के लिए आवेदन दिया। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

मुंबई एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसला एयर इंडिया का विमान, टायर फटे

मुंबई, जेएनएन। भारी बारिश के बीच सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-2744 रनवे से फिसल गई. यह ए320 एयरक्राफ्ट कोच्चि से मुंबई आ रही थी और सुबह 9.27 बजे रनवे 27 पर लैंड करते समय विमान फिसल गया। विमान लैंडिंग के समय रनवे 27 पर टचडाउन जोन के पास फिसलकर 16 से 17 मीटर बाहर चला गया। मसलन, विमान एयरपोर्ट से उतर गया और अनपेव्ड एरिया में जा घुसा और वहां से निकलकर टैक्सीवे पर जा पहुंचा, जहां पायलट ने विमान को संभाला और रोका।

विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया: एयर इंडिया

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा, कोच्चि से मुंबई आ रही फ्लाइट एआई-2744 को लैंडिंग के समय भारी बारिश का सामना करना पड़ा। टचडाउन के बाद रनवे एक्सकर्शन हुआ, लेकिन विमान सुरक्षित रूप से गेट तक रुकने में सफल रहा।

मुख्य रनवे को पहुंचा नुकसान

हादसे में एयरक्राफ्ट के तीन टायर फट गए, और मुख्य रनवे 09/27 को नुकसान पहुंचा है। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया, मुख्य रनवे पर कुछ नुकसान हुए हैं। ऑपरेशन्स को जारी रखने के लिए सेकेंडरी रनवे 14/32 को एक्टिव कर दिया गया है। कोच्चि से आने वाली फ्लाइट को रनवे एक्सकर्शन का सामना करना पड़ा।

गोवा से आ रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

जागरण, इंदौर। गोवा से इंदौर आ रही इंडिगो की फ्लाइट के पहियों का हाइड्रोलिक सिस्टम उड़ान के दौरान खराब हो गया। विमान की इंदौर में ही इमरजेंसी लैंडिंग कराई। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि पायलट ने अंडर कैरिज वॉर्निंग का मैसेज भेजा था। इसके बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई। विमान में सवार करीब 140 यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो की फ्लाइट ने सोमवार दोपहर 3.14 पर गोवा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। रोजाना यह फ्लाइट 2.40 बजे गोवा एयरपोर्ट से इंदौर एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरती है।

भूस्खलन से 6 श्रद्धालु घायल और एक की मौत

कटरा, जेएनएन। मौसम की बेरुखी तथा लगातार हो रही भारी बारिश मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं पर भारी पड़ी। सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे जब श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ तेज बारिश के बीच अपनी मां वैष्णो देवी की यात्रा जारी रखे हुए थे, तभी बाणगंगा क्षेत्र में गुलशन लंगर के पास भारी भरकम भूस्खलन हुआ। देखते ही देखते भारी भरकम चट्टानें तथा पत्थर आदि टीन शेड को क्षतिग्रस्त करते हुए सीधे सड़क मार्ग पर गिरे, जिसके कारण दो स्थानीय निवासियों सहित 7 श्रद्धालु घायल हो गए। भूस्खलन में घोड़ा पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवाओं को सुचारू करने को लेकर एम टेक कंपनी द्वारा स्थापित प्रमुख प्रीपेड काउंटर भी क्षतिग्रस्त हो गया। इस भूस्खलन की चपेट में कुछ और श्रद्धालुओं के दबे होने की भी आशंका है।

बिहार विधानमंडल में मतदाता पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष ने किया जोरदार हंगामा, विधानसभा की कार्रवाई हुई स्थगित

पटना, जेएनएन। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र का आगाज हंगामादार रहा। एसआईआर पर चर्चा को लेकर पूरा विपक्ष अड़ा रहा। मतदाता पुनरीक्षण में लोगों का नाम मतदाता सूची से काटने का आरोप लगाया। बैनर-पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया है। जिसके बाद विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित हो गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के विधायक दलों की अहम बैठक विधानसभा के परिसर में हुई। जिसमें सत्र को लेकर विपक्ष की रणनीति बनी। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि विधानसभा में वोटर लिस्ट के मुद्दे पर हर हाल में चर्चा कराई जाए, नहीं तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आज से सत्र शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि महागठबंधन के प्रतिनिधियों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर स्पष्ट रूप से कहा है कि वोटर लिस्ट से नाम कटने की साजिश पर चर्चा कराना जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विधानसभा में इस विषय को नजरअंदाज किया गया तो इसका राजनीतिक और लोकतांत्रिक जवाब दिया जाएगा। इससे पहले वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर तेजस्वी यादव ने देश के 35 बड़े नेताओं को पत्र भी लिखा था। जिसमें उन्होने कहा था कि बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण का तमाशा और त्रासदी बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करके लोकतंत्र की नींव हिला रही है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कैसे भारतीय चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता में जनता के विश्वास को खत्म करने पर अड़ी हुई है। लाखों मतदाताओं को, बिना किसी गलती के, अधिकारहीन और अपमानित किया जा रहा है। हम सब मिलकर इस प्रक्रिया का तब तक विरोध करेंगे जब तक यह पारदर्शी एवं समावेशी ना हो। इधर, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि सदन के अंदर एसआईआर का विरोध होगा। भ्रष्टाचार, लॉ एंड ऑर्डर और मतदाता पुनरीक्षण का मुद्दा अहम है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि यहां गुंडाराज कायम है। सरकार फ्रस्ट्रेशन में है। सरकार इन सभी मुद्दों पर सदन में विस्तृत चर्चा करवाए। आरजेडी विधायक सतीश दास ने बिहार सरकार के मंत्री और बीजेपी नेता जीवेश मिश्रा के बर्खास्तगी को लेकर एक अलग तरीके से विरोध किया। वे अपने गले में दवाइयों का माला डालकर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के मंत्री जीवेश मिश्रा को राजस्थान के कोर्ट ने नकली दवाई का दोषी पाया है।

कई प्राणी ऐसे भी जो बिना आक्सीजन रहते हैं जिंदा

नई दिल्ली, जेएनएन। आमतौर पर हम सभी यही मानते हैं कि मनुष्य और जानवरों के लिए ऑक्सीजन जरूरी है, लेकिन कुछ जानवर ऐसे भी हैं, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीने में सक्षम हैं। ये जानवर ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए कुछ खास शारीरिक संरचना का इस्तेमाल करते हैं। आपको कुछ ऐसे ही जानवरों के बारे में बताते हैं, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकते हैं।

पेंटेड कछुआ : पेंटेड कछुआ एक ऐसा कछुआ है, जो उत्तरी अमेरिका में पाया जाता है। वह अपने शरीर के हिस्सों को बिना ऑक्सीजन के घंटों जीवित रख सकता है। कछुआ पानी में ऑक्सीजन के बिना 16 घंटों तक जीवित रह सकता है।

एपोलेट शार्क : यह अपने शरीर के कुछ हिस्सों में बिना ऑक्सीजन के जीवन को बनाए रख सकती है। ऑक्सीजन के बिना पानी में 2 से 3 दिन तक जीवित रह सकती है।

जेलीफिश : जेलीफिश एक समुद्री जीव है, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकता है। इसके अलावा जेलीफिश के शरीर में एक विशेष रसायन मौजूद होता है, जो इसे ठंडा रखता है और इसके कारण जेलीफिश पानी में बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकती है।

नेक्ड मोल-रैट : ऐसा जीव है, जो बिना ऑक्सीजन के भी जीवित रह सकता है। शरीर के कुछ हिस्सों में बिना ऑक्सीजन के जीवन को बनाए रख सकता है।

लेह में राजगढ़ का जवान शहीद, सैन्य सम्मान से अंतिम संस्कार आज

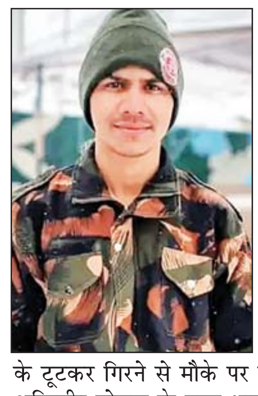

जागरण सारंगपुर। राजगढ़ जिले के सारंगपुर में टूटियाहेड़ी गांव के अग्निवीर हरिओम नागर पिता दुर्गाप्रसाद (22) रविवार को लद्दाख के लेह में हिमस्खलन की चपेट में आने से शहीद हो गए। हरिओम ड्यूटी के दौरान एक बड़े पहाड़ के टूटकर गिरने से मौके पर ही शहीद हो गए। वह अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में सेवारत थे। शहीद का पार्थिव शरीर सोमवार शाम फ्लाइट से भोपाल लाया गया, जहां से सेना के वाहन से रात को ही पचोर लाया गया है। मंगलवार को पचोर से गाजे बाजे के साथ उनका शव टूटीयाहेडी लाया जाएगा। जहां सुबह 11 बजे सैन्य सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। हरिओम की शहादत की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक छा गया है।

खुलासा | चीन के चिकित्सा विश्वविद्याल के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन में पता चला

एलर्जी सिर्फ समस्या नहीं, कैंसर से बचाती भी है

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में एलर्जी एक बढ़ती हुई स्वास्थ्य समस्या है। लगभग 20-30 प्रतिशत आबादी कम से कम एक एलर्जी से जूझ रही है। वैसे तो ये लोगों की परेशानियां बढ़ा देती हैं, लेकिन क्या हो जब आपको पता लगे की आपकी एलर्जी आपकी सुरक्षा कर रही हैं? एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि एलर्जी फेफड़ों के कैंसर के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकती हैं। चीन में किया गया अहम अध्ययन को फ्रंटियर्स इन मेडिसिन नामक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। इसे चीन स्थित जिलिन कैंसर अस्पताल, चांगचुन चीनी चिकित्सा विश्वविद्यालय और तियानजिन चिकित्सा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पूरा किया है।

एलर्जी और फेफड़ों के कैंसर के बीच क्या है संबंध?

एलर्जी संबंधी बीमारियों और फेफड़ों के कैंसर के जोखिम का संबंध एलर्जी के प्रकार के अनुसार अलग-अलग होता है। अस्थमा का इतिहास फेफड़ों के कैंसर के उच्च जोखिम से जुड़ा है, जबकि एलर्जिक राइनाइटिस या एक्जिमा का इतिहास बीमारी के जोखिम को कम कर सकता है।

पुराने अध्ययनों का भी था विश्लेषण

शोधकर्ताओं ने फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के साथ एआर और एक्जिमा के संबंधों का मेटा-विश्लेषण किया। उन्होंने पुराने अध्ययनों को ढूंढने के लिए वेब ऑफ साइंस, एमबेस, कोक्रेन लाइब्रेरी और पबमेड डेटाबेस पर खोज-बीन की थी। चयनित अध्ययनों से प्रतिभागियों के परीक्षण और परिणाम वाला डाटा इकट्ठा किया गया। अध्ययनों पर निम्न, मध्यम या उच्च गुणवत्ता के रूप में विभाजित करने के लिए न्यूकैसल-ओटावा पैमाने का उपयोग किया गया था।

जांच 226 में से 10 अध्ययनों का हुआ था चयन

खोज के जरिए 226 अध्ययन मिले थे और कई समीक्षाओं के बाद मेटा-विश्लेषण के लिए 10 का चयन किया गया था। इनमें से 8 केस-कंट्रोल और 2 कोहोर्ट अध्ययन थे, जिनमें कुल मिलाकर 38 लाख से ज्यादा प्रतिभागी शामिल थे।

क्या रहे इस अध्ययन के नतीजे?

अध्ययन में विश्लेषण लिंग, एलर्जी के प्रकार और भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर किया गया था। सामने आया कि एक्जिमा और फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं पाया गया। इसके विपरीत, एआर और फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के बीच नकारात्मक संबंध पाए गए।

ट्रेन चलने-रुकने की पूरी रिपोर्ट बनाएगा स्वदेशी एआई

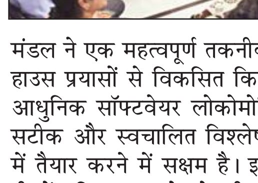

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। यात्रियों की सुरक्षा, संचालन में पारदर्शिता और लोको पायलट की कार्यप्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल की है। मंडल के इन-हाउस प्रयासों से विकसित किया गया 'स्पीडो विजन' नामक आधुनिक सॉफ्टवेयर लोकोमोटिव स्पीडोमीटर डेटा का तेज, सटीक और स्वचालित विश्लेषण कर संचालन रिपोर्ट मिनटों में तैयार करने में सक्षम है। इस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन हाल ही में पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय द्वारा गुना क्रू लॉबी में किया गया। यह सॉफ्टवेयर भोपाल मंडल के मुख्य लोको निरीक्षक सुरेंद्र श्रीवास्तव द्वारा, मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी और वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरओ) सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में मात्र एक माह के भीतर तैयार किया गया है।

घंटों का काम मिनटों में होगा

स्पीडो विजन की कार्यप्रणाली अत्यंत सहज एवं प्रभावी है। यह लोकोमोटिव स्पीडोमीटर से प्राप्त डेटा की एक्सेल फाइल को सेकंडों में प्रोसेस कर ग्राफिकल रिपोर्ट तैयार करता है, जिसमें तारीख, समय, गति, दूरी, ब्रेकिंग पैटर्न, ओवरस्पीड, फील टेस्ट और ब्रेक पावर टेस्ट जैसी प्रमुख जानकारियां शामिल होती हैं। यह विश्लेषण पूर्णतया स्वचालित और त्रुटिरहित होता है, जिससे पहले की मैनुअल प्रक्रिया की तुलना में समय और संसाधनों की बड़ी बचत होती है। भोपाल मंडल में प्रतिदिन औसतन 13 फ्लॉपी का विश्लेषण किया जाता है, और हर महीने करीब 400 स्पीडोमीटर डेटा को डाउनलोड कर लोको पायलट की कार्यशैली की समीक्षा की जाती है। यदि विश्लेषण में किसी प्रकार की चूक, गति सीमा का उल्लंघन या संचालन व्यवहार में असामान्यता पाई जाती है, तो संबंधित लोको पायलट को लोको निरीक्षकों द्वारा काउंसलिंग दी जाती है और आवश्यकतानुसार पुनः प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

82, 200

+443

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	277.00	5.64%
ICICI Bank	1,467.70	2.81%
HDFC Bank	2,002.00	2.20%
HDFC Life	753.50	1.73%
M&M	3,253.60	1.70%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Reliance	1,428.60	-3.21%
Wipro	260.35	-2.47%
Induslnd Bank	858.80	-1.29%
Eicher Motors	5,558.00	-1.24%
HCL Tech	1,530.40	-1.19%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	86.30
€ यूरो	100.48
¥ येन	05.83
£ पौंड	116.14

जेन स्ट्रीट को भारतीय शेयर बाजार में फिर से ट्रेडिंग शुरू करने की मंजूरी

कंपनी ने 4844 करोड़ रुपए किए जमा, बाजार में हेराफेरी के लगे थे आरोप

मुंबई, जेएनएन। अमेरिका की ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट को भारतीय शेयर बाजार में फिर से ट्रेडिंग शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है, लेकिन अब कंपनी ने सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी, सेबी को आश्वासन दिया है कि वह ऑप्शंस में ट्रेडिंग नहीं करेगी। कैश मार्केट में भी तब तक नहीं उतरेगी, जब तक वह सेबी को अपनी ट्रेडिंग रणनीति के बारे में पूरी तरह से संतुष्ट नहीं कर देती।

सेबी ने 3 जुलाई 2025 को जेन स्ट्रीट की ट्रेडिंग पर रोक लगा दी थी। जेन स्ट्रीट ने निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी में हेराफेरी की, जिससे उसे भारी मुनाफा हुआ। जेन स्ट्रीट ने जनवरी 2023 से मई 2025 तक जेन स्ट्रीट ने 36,671 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था, जिसमें से 4,844 करोड़ रुपए को गैर-कानूनी मुनाफा माना गया। सेबी ने निर्देश दिया था कि ट्रेडिंग शुरू करने के लिए उसे 4,844 करोड़ रुपए एस्क्रो अकाउंट में जमा करने होंगे। जेन स्ट्रीट ने 11 जुलाई को यह राशि जमा कर दी है। इसके बाद 18 जुलाई को सेबी ने ट्रेडिंग की अनुमति दे दी। यह भी साफ कर दिया कि जेन स्ट्रीट को उन ट्रेडिंग पैटर्न्स से बचना होगा, जिन्हें मैनिपुलेटिव माना था। आर्बिट्रेज वैध ट्रेडिंग रणनीति है। इसमें ट्रेडर एक समय में अलग प्लेटफॉर्म्स में शेयर, कमोडिटी या डेरिवेटिव कीमतों में अंतर का फायदा उठाता है। मान लीजिए, एक शेयर बीएसआई पर 100 में बिक रहा है, लेकिन एनएसई पर 102 रुपए में। ट्रेडर बीएसई से खरीदकर एनएसई पर तुरंत बेच देता है।

जेन स्ट्रीट ने बताया हेराफेरी के आरोपों को गलत

कंपनी के अनुसार जेन स्ट्रीट ने सेबी के आरोपों को गलत बताया है। कंपनी का कहना है कि उसने जो ट्रेडिंग की, वह एक सामान्य इंडेक्स आर्बिट्रेज स्ट्रैटेजी थी, जिसमें बाजार में कीमतों के अंतर का फायदा उठाया जाता है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को भेजे एक आंतरिक मेमो में कहा कि सेबी ने उनकी ट्रेडिंग को गलत समझा है। जेन स्ट्रीट ने यह भी कहा कि वह सेबी के साथ मिलकर इस मामले को सुलझाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, कंपनी ने यह साफ कर दिया है कि वह फिलहाल भारत में ऑप्शंस ट्रेडिंग नहीं करेगी।

सरकारी बैंकों ने मिनिमम बैलेंस पर जुर्माना वसूल कर की 2,331 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, जेएनएन। एक ओर जहां देश में करोड़ों खाताधारक न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने की जद्दोजहद में लगे हैं, वहीं सरकारी बैंकों ने इसी जुर्माने के जरिए 2023-24 में रिकॉर्ड कमाई की है। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने इस वित्तीय वर्ष में मिनिमम बैलेंस न रखने पर ग्राहकों से 2,331 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वसूले गए कुल पेनल्टी शुल्क को दर्शाता है, जो ग्राहकों द्वारा अपने खाते में निर्धारित न्यूनतम राशि न रखने के कारण लिया गया।

कौन से बैंक सबसे आगे

हालांकि सरकार ने अलग-अलग बैंकों द्वारा वसूली गई राशि का ब्योरा नहीं दिया, लेकिन यह स्पष्ट है कि देश भर में मौजूद करोड़ों बचत खातों पर लगने वाले इस शुल्क ने बैंकों के लिए एक स्थायी आय स्रोत का रूप ले लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण और निम्न-आय वाले खाताधारक इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, जो महीने के अंत में खाते में निर्धारित न्यूनतम राशि नहीं रख पाते। कई बार यह जुर्माना बिना पूर्व सूचना के खाते से काट लिया जाता है।

क्या है मिनिमम बैलेंस का नियम?

अधिकतर सार्वजनिक बैंकों में ग्राहकों को अपने खाते में एक निश्चित न्यूनतम राशि बनाए रखनी होती है। यह राशि क्षेत्र के अनुसार भिन्न होती है। शहरी क्षेत्रों में यह 10,000 तक हो सकती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 500 से 3,000 तक सीमित रहती है। यदि ग्राहक इस न्यूनतम राशि से नीचे चला जाता है, तो बैंक उसके खाते से पेनल्टी काट लेते हैं। यह राशि भी बैंक के नियमों और शेष राशि पर निर्भर करती है।

पहले भी उठ चुका है सवाल

मिनिमम बैलेंस पर जुर्माना वसूली को लेकर पहले भी संसद और सामाजिक मंचों पर सवाल उठते रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि यह व्यवस्था गरीब और मजदूर वर्ग के खिलाफ है, जो अक्सर नकदी की तंगी से जूझते हैं और खाते में पर्याप्त बैलेंस बनाए रखना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होता है। 2014 के जनधन अभियान के बाद खुले करोड़ों शून्य बैलेंस खातों के बावजूद यह वसूली दर्शाती है कि बैंकों ने अन्य खातों में ग्राहकों पर दबाव बनाए रखा है।

सरकार का रुख

सरकार का कहना है कि बैंक परिचालन लागत और खातों की सेवा के लिए कुछ शुल्क वसूलने का अधिकार है। हालांकि यह भी कहा गया कि बैंकों को पारदर्शिता और ग्राहकों को पहले से सूचित करने की शर्तों का पालन करना चाहिए।

मैच्युरिटी के बाद पैसे नहीं निकाले तो खाता होगा फ्रीज

नई दिल्ली, जेएनएन। पोस्ट ऑफिस ने स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स से जुड़े ऐसे खातों की पहचान और फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो मैच्योर होने के तीन साल बाद तक भी एक्टिव नहीं हैं। इसका मकसद इन पैसों को सुरक्षित रखना और अनधिकृत लेन-देन रोकना है। डाक विभाग जनवरी और जुलाई में ऐसे खातों की जांच करेगा। जानकारी के अनुसार अगर आपका अकाउंट मैच्योर हो चुका है और आपने न तो रकम निकाली है और न ही अवधि को बढ़ाया है, तो उसे फ्रीज कर दिया जाएगा। यानी आप डिपॉजिट, विड्रॉल या ऑनलाइन सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

इन खातों पर पड़ेगा असर: यह नियम सभी प्रमुख स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स पर लागू होगा, जैसे- टाइम डिपॉजिट, मंथली इनकम स्कीम, पीपीएफ, सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम, किसान विकास पत्र, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी), रिकरिंग डिपॉजिट।

अकाउंट दोबारा ऐसे करें एक्टिव : अगर आपका खाता फ्रीज हो गया है, तो उसे दोबारा एक्टिव कराने के लिए आपको पास के पोस्ट ऑफिस जाकर खाते और अपनी पहचान से जुड़े डॉक्यूमेंट जमा कराकर शुरू करा सकेंगे।अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) पर 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। वहीं सीनियर सिटिजन सेविंग्स स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। स्मॉल सेविंग्स स्कीमों पर ब्याज दरें 4 प्रतिशत से 8.2 प्रतिशत के बीच हैं।

सब्जी वाले ने 4 साल में यूपीआई से किया 1.63 करोड़ रुपए का लेनदेन

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक के हावेरी में एक सब्जी बेचने वाले को 29 लाख रुपए का जीएसटी नोटिस मिला है। शंकरगौड़ा नाम के इस विक्रेता ने पिछले चार साल में 1.63 करोड़ रुपए के यूपीआई लेनदेन किए, जिसके आधार पर जीएसटी विभाग ने यह नोटिस भेजा है। बार-बार डिजिटल ट्रांजैक्शन ने जीएसटी अफसरों को शक में डाला जिससे उसे ये नोटिस दिया गया। इन घटनाओं के बाद बेंगलुरु और मैसूर जैसे शहरों में छोटे दुकानदार डर की वजह से यूपीआई छोड़कर नकद लेनदेन पर जोर दे रहे हैं। वहीं कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वे इस मुद्दे को केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल के सामने उठाएंगे। उन्होंने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि छोटे व्यापारियों को परेशान नहीं होने देंगे। जानकारी के अनुसार हावेरी के शंकरगौड़ा पिछले चार साल से म्यूनिसिपल हाई स्कूल के पास सब्जी की दुकान चलाते हैं। उनकी ज्यादातर कमाई यूपीआई और डिजिटल वॉलेट से होती है। शंकरगौड़ा का कहना है कि मैं किसानों से ताजी सब्जियां खरीदता हूं और बेचता हूं, जो जीएसटी से मुक्त हैं।

जीएसटी ने थमाया 29 लाख का नोटिस मिला, कहा- ताजी सब्जियां बेचना जीएसटी फ्री

हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा विभाग को लगाई फटकार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उच्च शिक्षा विभाग को तगड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि जब महाविद्यालयों में सीनियर प्रोफेसर मौजूद हैं, तो उनसे कनिष्ठ व्यक्ति को प्रभारी प्राचार्य बनाना न्याय और प्रशासनिक शिष्टाचार के खिलाफ है। न्यायमूर्ति ने यह फैसला डीआर सुशील कुमार यादव बनाम मध्यप्रदेश राज्य और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता वरिष्ठ प्रोफेसर थे, जो पहले से ही महाविद्यालयों में प्रभारी प्राचार्य का दायित्व निभा रहे थे। लेकिन राज्य ने उनके ही कॉलेजों में ऐसे प्रोफेसरों को प्रभारी प्राचार्य बना दिया, जो उनसे काफी कनिष्ठ थे।

मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के नाम पर ठगी को लेकर किया सतर्क, पूर्व में सामने आए कई मामले

नीट काउंसलिंग शुरू होते ही जालसाज सक्रिय, डीएमई ने जारी की एडवाइजरी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सोमवार से रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। बताया जा रहा है पहले दिन तीन हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। इस बीच संचालक चिकित्सा शिक्षा ने छात्र व छात्राओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। जिसमें अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वह किसी भी फोन कॉल या विज्ञापन के झांसे में न आएं। दरअसल इन दिनों सोशल मीडिया और अंजान फोन नंबर के जरिए मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस और बीडीएस सीट दिलाने का दावा किया जा रहा है। इसमें कैंडिडेट से लाखों रुपए के बदले में सीट देने की गारंटी है। ऐसी कई शिकायतें पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं। ऐसे ही मामलों को देखते हुए संचालनालय ने एडवाइजरी जारी की है।

सैनिक कोटा में पैराफोर्स को आरक्षण नहीं

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने काउंसलिंग नियमों में स्पष्ट किया है कि सैनिक कोटा के तहत दिए जाने वाले आरक्षण में सिर्फ थल, जल और नौ सेना के लोगों को ही लाभ दिया जाता है। इसके अलावा किसी भी प्रकार के पैराफोर्सेस जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ को इस आरक्षण का लाभ नहीं है।

अभ्यर्थियों को सलाह

सभी अभ्यर्थी अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नबंर, ईमल आईडी, रोल नबंर, नीट एप्लीकेशन नबंर, बैंक डिटेल इत्यादि किसी भी अन्य व्यक्ति और क्योस्क आदि से साझा न करें। धोखाधड़ी से बचने अभ्यर्थी किसी भी दलाल, काउंसलर के झांसे में न आएं। सीट आवंटन का आधार केवल और केवल अभ्यर्थी द्वारा काउंसिलिंग के समय भरी गई च्वाइस फिलिंग एवं उसकी नीट मेरिट है। काउंसिलिंग के लिए प्रोफाइल बनाते समय यह सुनिश्चित करें कि स्वयं का रजिस्टर्ड मोबाइल नबंर, ईमल आईडी तथा बैंक डिटेल की प्रविष्टि सही हो। समस्त ओटीपी दर्ज किए गए मोबाइल नबंर एवं ईमेल आईडी पर भेजे जाते हैं।

300 सीटें और एक कॉलेज हुआ कम

नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग के पहले चरण में एमबीबीएस कोर्स के लिए 29 कॉलेजों को शामिल किया गया है। जबकि पिछले सत्र में कॉलेजों की संख्या 30 थी। इस बार इंदौर के इंडेक्स मेडिकल कॉलेज को काउंसलिंग शुरू होने से एक दिन पहले सूची से हटा दिया गया है। इस कॉलेज में एमबीबीएस की 250 सीटें हैं। इसके अलावा एलएन मेडिकल कॉलेज इंदौर की 50 सीटें कम कर दी गई हैं। इस तरह कुल 300 सीटें कम हो गई हैं। अब काउंसलिंग में 17 सरकारी और 12 निजी मेडिकल कॉलेज रह गए हैं। सभी 29 कॉलेजों अब एमबीबीएस सीटों की संख्या 4575 रह गई है। हालांकि अभी संचालनालय द्वारा फाइनल सीट चार्ट जारी नहीं किया गया है। अंतिम चार्ट 29 जुलाई को जारी किया जाएगा। संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि इस बार काउंसलिंग में किसी नए कॉलेज के आने की उम्मीद कम है, इस आधार पर सीटें बढ़ना भी मुश्किल है।

कॉलेज में सीटों की संख्या

1 जीएमसी भोपाल	250
2 गजराराजा, ग्वालियर	200
3 एमजीएम इंदौर	250
4 एनएससीबी, जबलपुर	250
5 एसएस रीवा	150
6 बुंदेलखंड, सागर	125
7 मेडिकल कॉलेज रतलाम	180
8 एबीएमसी, विदिशा	180
9 मेडिकल कॉलेज दतिया	120
10 मेडिकल कॉलेज खंडवा	120
11 मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा	100
12 मेडिकल कॉलेज शहडोल	100
13 मेडिकल कॉलेज शिवपुरी	100
14 मेडिकल कॉलेज सतना	150
15 मेडिकल कॉलेज मंदसौर	50
16 मेडिकल कॉलेज सिवनी	50
17 मेडिकल कॉलेज नीमच	50
कुल सीटों की संख्या	2425

निजी मेडिकल कॉलेज में सीट

1 पीपुल्स भोपाल	250
2 एलएन भोपाल	250
3 चिरायु भोपाल	250
4 अरबिंदो इंदौर	250
5 आर्डीगार्डी उज्जैन	150
6 आरकेडीएफ भोपाल	150
7 अमलतास, देवास	250
8 एलएनसीटी इंदौर	100
9 सुख सागर कॉलेज जबलपुर	150
10 महावीर मेडिकल कॉलेज	150
11 रामकृष्ण कॉलेज भोपाल	150
12 सत्य साईं कॉलेज सीहोर	50
कुल सीटों की संख्या	2150

कोका-कोला से हर घंटे बफेट को 80 लाख रुपए की कमाई

मुंबई, जेएनएन। वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे कोका-कोला के शेयर से हर घंटे 80.27 लाख रुपए से अधिक कमा रही है। बफेट की कंपनी के पास कोका-कोला के 40 करोड़ शेयर हैं। इससे उन्हें हर साल 7,031 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिलता है। यह प्रति दिन 19.27 करोड़ रुपए होता है। यह एक घंटे का डिविडेंड अमेरिकियों की पूरे साल की औसत कमाई से अधिक है। सॉफ्ट ड्रिंक को 'डिफेंसिव स्टॉक' के रूप में देखा जाता है। मंदी में भी लोग ऐसे प्रोडक्ट की खपत कम नहीं करते। कोका-कोला में 1988 में 1 रुपए का निवेश 36 रुपए बन गया है। यानी इसने निवेशकों को 3600 प्रतिशत का रिटर्न दिया। कोका-कोला ने 60 वर्षों से अपने लाभांश में वृद्धि की है, जिससे इसे 'डिविडेंड किंग' का खिताब मिला है। बफे ने कभी भी कोका-कोला का एक भी शेयर नहीं बेचा। 11,201 करोड़ रुपए का निवेश अरबों का हो गया है। कंपनी ने इस साल प्रति शेयर 2 डॉलर डिविडेंड दिया। इस साल कोका-कोला के शेयर ने 13 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 2 जनवरी को इसका शेयर 61.84 डॉलर पर था। जो अब 69.85 डॉलर पर पहुंच गया है।

54 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर 54 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शंकरलाल गुर्जर को मुंबई से पकड़ा है। महिला डॉक्टर अर्चना शर्मा ने गोरखपुर थाने में शिकायत में बताया था कि रकम देने के बावजूद उनके बच्चे का मेडिकल कॉलेज में दाखिला नहीं हुआ।

पुलिस ने इस मामले में पहले दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था। फिलहाल पुलिस शंकरलाल गुर्जर से पूछताछ कर रही है और मामले की गहन जांच में जुटी है। हाथीताल रेलवे क्रॉसिंग के पास रहने वाली महिला डॉक्टर अर्चना शर्मा ने थाने में शिकायत देकर बताया कि उनके बेटे सिद्धार्थ ने नीट पीजी 2023 में क्वॉलीफाई किया था। इस दौरान उनके पास पेसिफिक एजुकेशन मुंबई में कार्यरत सोनू बंसल का कॉल आया। उसने बताया कि वह मेडिकल की सीट के लिए काउंसलिंग करता है। देश के किसी भी शहर के मेडिकल कॉलेज में एडमिशन और सीट दिलवा सकता है।

आपराधिक जानकारी छिपाने पर जवाब-तलब

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस विनय जैन की एकलपीठ ने आपराधिक जानकारी छिपाकर शिक्षक के पद पर नियुक्ति के मामले में जवाब-तलब किया है। इस संबंध में राज्य शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, कलेक्टर नरसिंहपुर व सुरेश कुमार मालवीय को नोटिस जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता करेली नरसिंहपुर निवासी प्रदीप कुमार विश्वकर्मा की ओर से अधिवक्ता प्रमेंद्र सेन व आचार्य योगेश बारहा तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिका में अनावेदक क्रमांक-आठ के रूप में शामिल किए गए सुरेश कुमार मालवीय ने झूठ का सहारा लेकर माध्यमिक शिक्षक अंग्रेजी विषय के पद पर नियुक्ति प्राप्त कर ली है। नियमानुसार नियुक्ति के समय एक शपथ पत्र प्रस्तुत करना होता है, जिसमें आपराधिक प्रकरणों की जानकारी देनी होती है। मालवीय के ऊपर याचिकाकर्ता से मारपीट व जुआं एक्ट सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं। इसके बावजूद वह जानकारी शपथ पत्र में उल्लेखित नहीं की।

राज्य सेवा परीक्षा 2025 का पूरा शेड्यूल पेश करो

हाईकोर्ट ने मप्र लोक सेवा आयोग को दिए निर्देश

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मप्र लोक सेवा आयोग को निर्देशित किया है कि राज्य सेवा परीक्षा 2025 की मुख्य परीक्षा का पूरा शेड्यूल पेश करें। इसके बाद ही कोर्ट मुख्य परीक्षा के आयोजन संबंधी मांग पर विचार करेगी। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले पर अगली सुनवाई 5 अगस्त को निर्धारित की है। दरअसल, हाईकोर्ट ने 2 अप्रैल को कहा था कि कोर्ट की अनुमति बिना मुख्य परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाए। भोपाल निवासी सुनीत यादव सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि मप्र लोक सेवा आयोग ने कुल 158 पदों की भर्ती के लिए पांच मार्च 2025 को प्रारंभिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें वर्गवार कट-आफ अंक जारी नहीं किए गए हैं। जबकि पूर्व की सभी परीक्षाओं में वर्गवार कट-ऑफ अंक जारी किया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट के विभिन्न फैसलों को बायपास करते हुए आयोग अनारक्षित पदों के विरुद्ध आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित नहीं कर रहा है। सभी अनारक्षित पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित करके प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। मप्र लोक सेवा आयोग ने इस त्रुटि को छिपाने के लिए 2025 के प्रारंभिक परीक्षा में कट-ऑफ मार्क्स भी जारी नहीं किए हैं।

सेंधवा में प्राचार्य के जातिसूचक टिप्पणी करने से आहत विद्यार्थियों का सत्याग्रह

प्राचार्य 'हाय-हाय' करते 60 किमी पैदल निकले 170 बच्चे, प्रिंसीपल को हटाया

जागरण, सेंधवा। प्राचार्य मीनाक्षी भार्गव, वार्डन हिमांशु कुमार, शिक्षक रवि रंजन सिंह और मनोज शुक्ला को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को छात्र-छात्राओं ने मोर्चा संभाल लिया। इस दौरान छात्र-छात्राएं अपनी मांग मनवाने कलेक्टर गुंचा सनोबर से मिलने 60 किमी दूर बड़वानी की पैदल यात्रा पर निकल पड़े। भूखे-प्यासे छात्र-छात्राएं पैदल चलते हुए रात 9 बजे तक 30 किमी दूर पलसूद से आगे चिखलिया तक पहुंच गए। वहीं रात 10.15 बजे प्रभारी कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ काजल जावला ने प्राचार्य मीनाक्षी भार्गव को उनके पद से हटा दिया। उनकी जगह किसे प्रभार दिया है, अभी इसकी जानकारी नहीं मिली है। वहीं बच्चों को समझाइश देकर एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस की मौजूदगी में उन्हें सुरक्षित वाहनों से वापस निवाली भेजने का जिम्मा सौंपा गया है। इसके पहले पानसेमल एसडीएम रमेश सिसोदिया ने विद्यार्थियों से चर्चा कर समझाने का प्रयास किया। जिला पंचायत सीईओ काजल जावला ने भी छात्रों से बात की, लेकिन विद्यार्थी अपनी मांगों पर अड़े रहे। वे कलेक्टर से ही अपनी समस्याएं साझा करने पर जोर देते रहे। इस बीच निवाली जनपद पंचायत सीईओ विरल पटेल और जनपद निवाली में पदस्थ वीरेंद्र मलिक ने 15 से 20 छात्रों को एंबुलेंस और 10 से 15 छात्रों को तूफान गाड़ी में जबरदस्ती भरकर छात्रावास वापस भेज दिया था। हालांकि कई छात्र चिखलिया में सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करते रहे। छात्रों का आरोप था कि प्राचार्य से समस्याओं के बारे में बात करने पर वे हमें प्रताड़ित करती हैं। हॉस्टल में थाली मांगने पर हमें जातिसूचक शब्द कहकर अपमानित किया जाता है।

दो करोड़ की धोखाधड़ी | गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईकोर्ट में लगाई है याचिका

सुनवाई टलने से बिल्डर राजेश शर्मा को 24 तक राहत

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में आयकर छापों के बाद सुर्खियों में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक और बिल्डर राजेश शर्मा की ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) द्वारा गिरफ्तारी पर रोक 24 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। किसान से 2 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के इस मामले में 18 जुलाई को सुनवाई तय थी, लेकिन समय की कमी के कारण इसे अगले सप्ताह के लिए टाल दिया गया। हाईकोर्ट ने पिछले महीने राजेश शर्मा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू की थी। ईओडब्ल्यू ने राजेश शर्मा और उसके दो साथियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। कोर्ट ने फिलहाल उनके खिलाफ किसी भी तरह की बलपूर्वक कार्रवाई (कोएर्सिव एक्शन) पर रोक जारी रखी है। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने एक बार फिर मामले की सुनवाई 24 जुलाई तक के लिए टाल दी है।

रातीबड़ के किसान से 2 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

राजेश शर्मा की एक अन्य कंपनी, ट्राइडेंट मल्टीवेंटर्स एंड पार्टनरशिप के जरिए उस पर और उसके दो साथियों, राजेश तिवारी और दीपक तुलसानी पर 9 जून को एक किसान से 2 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। ईओडब्ल्यू ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि राजेश शर्मा के खिलाफ ठोस सबूत मिलने के बाद उसकी गिरफ्तारी की तैयारी थी, जिससे बचने के लिए उसने 19 जून को जबलपुर हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। मई 2023 में राजेश शर्मा ने अपनी फर्म ट्राइडेंट मल्टीवेंटर्स के कर्मचारियों राजेश तिवारी और दीपक तुलसानी की मदद से रातीबड़ के किसान चिंता सिंह मारण को भरोसे में लिया। उसने किसान की महुआखेड़ा स्थित 12.46 एकड़ कृषि भूमि खरीदने का सौदा किया। आरोप है कि शर्मा ने किसान को झांसा देकर आईसीआईसीआई बैंक की नेहरू नगर शाखा में उसका एक नया खाता खुलवाया और उसमें मोबाइल नंबर व मेल आईडी सहयोगी राजेश तिवारी का दर्ज करा दिया।

जांच एजेंसियों के राडार पर हैं शर्मा

12 जून 2023 को राजेश ने जमीन का बेचनामा तैयार कर रजिस्ट्री ट्राइडेंट मल्टीवेंटर्स के नाम पर 2 करोड़ 86 लाख 16 हजार रुपए में करा ली, लेकिन किसान को केवल 81 लाख 13 हजार 840 रुपए ही मिले। राजेश ने किसान के खाते में भेजे गए 66 लाख रुपए के चेक स्टॉप पेमेंट कर वापस ले लिए, जबकि 1 करोड़ 36 लाख रुपए किसान के बैंक अकाउंट से ऑनलाइन, वॉलेट और अन्य तरीकों से राजेश तिवारी के पर्सनल खाते में ट्रांसफर कर दिए। इस पूरे सौदे में राजेश शर्मा ने किसान के हिस्से के 2 करोड़ 2 लाख रुपए धोखाधड़ी कर हड़प लिए। जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने राजेश शर्मा, दीपक तुलसानी और राजेश तिवारी के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान सुरक्षा की जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग), 120बी (आपराधिक षड्यंत्र) और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, राजेश शर्मा गिरफ्तारी से बचने के लिए विदेश भाग गया है और अभी तक लौटा नहीं है। ऐसे में ईओडब्ल्यू अभी भी केंद्रीय एजेंसियों के संपर्क में है।

अंकिता इंडेन गैस एजेंसी सिरमौर में खुलेआम उड़ाई जा रही है नियमों की धज्जियां : आरोप

सिलेंडर की कालाबाजारी के भी हैं आरोप

सिरमौर, नि.प्र.। अंकिता इंडेन गैस एजेंसी सिरमौर में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा जाने के आरोप लगे हैं। संवाददाता को लोगों ने बताया है कि यहां नियमों के विपरीत कार्य करने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिनमें ग्राहकों को बिना किसी कारण के गैस न देना, व्यवसायिक के नाम पर घरेलू सिलेंडर को मनमानी रेट में बेचना, पाइप खरीदने के लिए मजबूर करना, अतिरिक्त पैसे लेना और समय पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी न मिलना शामिल हैं। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जांच न होने से खुलेआम उपभोताओं का शोषण किया जा रहा है ।

उपभोक्ताओं को समय से नहीं मिलती गैस

अंकिता इंडेन गैस एजेंसी सिरमौर के संचालक द्वारा शासन के निर्देशों के विपरीत खुलेआम घरेलू सिलेंडर की कालाबाजारी की जा रही है। संचालक घरेलू सिलेंडर में उपभोक्ता को दोहरी मार देता है। पहले गैस न होने की बात कह ब्लैक में डबल चार्ज लिया जाता है तो वही उसी सिलेंडर को दुकानदारों को बेच रहें है। यदि खाद्य विभाग द्वारा जांच की जाय तो पाएंगे की सिरमौर में अधिकतर होटलों में व्यवसायिक सिलेंडर के स्थान पर घरेलू सिलेंडर चल रहे है। पर सवाल है की जांच व कार्यवाही कौन करेगा ।

नहीं होती गैस की डिलेवरी उपभोक्ताओं से फिर भी लेते हैं चार्ज

अंकिता इंडेन गैस एजेंसी सिरमौर में सैकड़ों उपभोक्ताओं को डिलेवरी के नाम पर सीधे तौर पर लूटा जाने के आरोप स्थानीय लोगों द्वारा लगाए गए हैं। नियमानुसार गैस एजेंसी से प्रति सिलेंडर में उपभोक्ता से घर पहुंचाने का चार्ज भी लिया जाता है, लेकिन कुछ लोगों को छोड़कर कभी भी डिलेवरी नहीं की जाती ।संवाददाता को लोगों ने बताया कि लोगों द्वारा जब आपत्ति जताई गई तो इनके द्वारा अभद्रता पूर्ण कहा जाता है कि नहीं पहुंचायेगे जिसको जो करना हो करने ले, ऊपर से नीचे तक सब मैनेज कर लेंगे ।

डीएसी का लागू होना आवश्यक

डीएसी एक तरह का कोड है, जिसका पूरा नाम डिलिवरी ऑथेंटिकेशन कोड है। यह एक तरीके से ओटीपी का काम करता है, जिसके बाद आपके घर सिलेंडर की डिलिवरी होती है। इससे सप्लाई करने वाले एजेंट इसे ब्लैक नहीं कर पाएंगे और डिलिवरी ना होने पर भी वे इसे बेच नहीं सकते। इससे इससे कालाबाजारी आदि पर भी रोक लगती है और घरेलू सिलेंडर सभी को वक्त पर मिल जाएगा। चार अंकों वाला यह कोड उपभोक्ता के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आएगा और डिलीवरी ब्वॉय को यह नंबर बताने के बाद ही उपभोक्ता को सिलेंडर मिलेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

आपके माध्यम से गैस एजेंसी का मामला हमारे संज्ञान में आया है। जांच करवा के कार्यवाही करेंगे ।

पी के पांडेय
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
सिरमौर,जिला रीवा

अघोषित बिजली कटौती से परेशान हैं सेमरियावासी

सेमरिया, नि.प्र.। सेमरिया नगर में आए दिन बिजली गुल होने से लोग परेशान हैं बिना किसी कारण के बिजली की कटौती पर लोगों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने संवाददाता को बताया है कि बिजली विभाग के कर्मचारी फोन नहीं उठाते और यदि उठा भी लिया है तो बिजली गुल होने का कारण पूछने पर भी नहीं बताया जाता है। जनप्रतिनिधि भी इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं कि क्षेत्रवासियों को पर्याप्त बिजली मिले। इन्हीं सब समस्याओं के मद्देनजर सेमरिया नगर के सामाजिक चिंतक का एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा मंलगवार को उक्त समस्याओं को लेकर एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा तथा समस्या का शीघ्र ही समाधान नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है।

शनि धाम खटखरी में विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना सहित सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

हनुमना, नि.प्र.। हनुमना तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत खटखरी नगर स्थित शनि धाम मंदिर में श्रावण मास के पवित्र बेला में 24 घंटे का अखंड संकीर्तन एवं के बाद विशाल भंडारी का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना, वैश्य सम्मेलन के जिला अध्यक्ष अखिलेश गुप्ता संपत्ति दास गुप्ता, सरोज गुप्ता, श्याम बाबू गुप्ता, टिंकल केसरी, तारकेश्वर गुप्ता सहित अनेक राजनीतिक सामाजिक हस्तियों ने सम्मिलित होकर भंडारे का प्रसाद लिया। इस अवसर पर शनि धाम समिति के अध्यक्ष राजू का उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, कार्य समिति के सदस्य श्रीकांत गुप्ता, छोटू हलवाई, राजेश गुप्ता, अमन गुप्ता, प्रिंस गुप्ता, अमन जयसवाल, गिरिजा गुप्ता, चेतमणिपुरी मोहनलाल गुप्त, धर्मदास गुप्ता, रामकृष्ण गुप्ता, मोहनलाल गुप्ता, एडवोकेट राजेश गुप्ता, प्रदीप केसरी, छोटू जायसवाल, सुनील गुप्ता बृजेश गुप्ता, रमेश गुप्ता, रमेश फौजी, प्रदीप शर्मा, मद्रासी गुप्ता, शिवम गुप्ता अशोक गुप्ता, प्रमोद गुप्ता राजू गुप्ता आदि लोगों की विशेष सराहनी भूमिका रही।

किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा विद्युत विभाग

ग्रामीणों में आक्रोश जिम्मेदार बेपरवाह

नईगढ़ी, नि.प्र.। नईगढ़ी जनपद के अंतर्गत आने वाले ग्राम जोरौट, नादहा टोला पठखान में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही सामने आई है। यहां ट्रांसफार्मर से निकली विद्युत केबल गिरकर ज़मीन पर पड़ी हुई है और उसमें लगातार विद्युत प्रवाह जारी है। यह स्थिति न केवल बेहद खतरनाक है, बल्कि किसी बड़ी दुर्घटना को निमंत्रण देने जैसी है। स्थानीय ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि इस केबल के कारण बच्चे, पशु और राहगीर हर वक्त खतरे में रहते हैं। कुछ दिन पहले एक गाय इसकी चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बावजूद विद्युत विभाग द्वारा अब तक कोई सुध नहीं ली गई है। विभागीय उदासीनता और लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामवासियों ने कई बार कनिष्ठ अभियंता कार्यालय देवगना को इसकी सूचना दी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक कि न तो केबल को ऊपर उठाया गया और न ही विद्युत प्रवाह को रोका गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। जनप्रतिनिधियों से भी इस विषय में हस्तक्षेप की मांग की गई है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

रामविलाष मेमोरियल स्कूल भमरहा प्रतापगंज में हुआ पौधरोपण

हनुमना, नि.प्र.। रामविलाष मेमोरियल स्कूल भमरहा प्रतापगंज हनुमना में सोमवार को वृहद पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने वृहद पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाई। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन व समस्त स्टाफ बच्चों को अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने का सुनहरा संदेश दिया। आज बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ स्कूल में भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत भी नुक्कड़ नाटक वह बच्चों में नशा न करने की जागरुकता दी गई। अपने शहर व गांव को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई गई।

स्वयं एवं समाज को नशे से दूर रखने का लिया संकल्प

सोहागी, नि.प्र.। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत थाना सोहागी द्वारा सोहागी चौराहे में नशा मुक्ति जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना एवं भविष्य में नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। उपस्थित ग्रामीणों को नशा न करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर प्रधान आरक्षक अनंत राम तिवारी, कृपा शंकर त्रिपाठी, देवव्रत चालक डायल 100, मगनलाल रावत एएसआई, करुणा शंकर चतुर्वेदी एवं अन्य स्टाफ व ग्रामीण जन मौजूद रहे। कार्यक्रम में एएसआई रावत ने विभिन्न प्रकार के नशे, उनके मानसिक व शारीरिक प्रभावों, तथा नशा छोड़ने के उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में थाना स्टाफ के साथ ग्रामीण जनों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने में योगदान देंगे। यह अभियान जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

मऊगंज की जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति गठित

मऊगंज ब्यूरो। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा दिये गये निर्देश के परिपालन में कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने मऊगंज की जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति का गठन किया है। यह समिति निवेश प्रोत्साहन के साथ ही एक जिला एक उत्पाद के चयन एवं कार्ययोजना बनाने का कार्य करेगी। गठित समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे तथा सदस्य सचिव महाप्रबंधक जिला औद्योगिक केन्द्र मऊगंज को बनाया गया है। सदस्य के तौर पर पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त कलेक्टर, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विकास, उप संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण व सहायक आयुक्त वाणिज्यकर को शामिल किया गया है।

उपकरण पाकर प्रफुल्लित हुए दिव्यांग छात्र

त्यौंथर ब्यूरो । जनपद शिक्षा के त्योंथर कार्यालय में पूर्व से चिन्हित किए गए दिव्यांग बच्चों को उपकरण का वितरण 18 जुलाई को किया गया, जिसमें जिला शिक्षा केंद्र रीवा से एपीसी दिव्या झा, राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से निर्धारित एमिल्को टीम के सदस्यों के द्वारा कुल 30 बच्चों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, कैलीपर, कान की मशीन एवं बच्चों को पढ़ने के लिए टीएम किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एवं व्यवस्था बीआरसी डॉ विनोद पांडे के द्वारा की गई। कार्यक्रम में कार्यालय कर्मचारी समस्त बीएसी एवं सीएसी उपस्थित रहे, दिव्यांग छात्रों के विशेष शिक्षक रजनीश तिवारी एवं अनीता दुबे के द्वारा सभी उपस्थित बच्चों को उपकरण की उपयोगिता बता कर, उपस्थित सभी बच्चों एवं अभिभावकों को जलपान कराते हुए उपकरण वितरण कार्यक्रम का समापन किया गया। उपकरण पाकर दिव्यांग छात्र बहुत ही प्रसन्न दिखाई दिए।

डभौरा के अनूप द्विवेदी यूपीएससी में हुआ चयन

डभौरा नि.प्र.। रीवा जिले के नगर परिषद डभौरा में ग्राम बस्ती के निवासी दिनेश द्विवेदी के पुत्र अनूप कुमार द्विवेदी ने अपने ग्राम का नाम रोशन करते हुए यूपीएससी परीक्षा को दूसरे प्रयास में निकाल लिया है, उन्होंने पूरे भारत में 106वीं रैंक एवं इंटरव्यू में 115 अंक हासिल करके नगर का नाम रोशन किया है। अनूप द्विवेदी ने पुणे यूनिवर्सिटी से ऑर्गेनिक केमेस्ट्री से एमएससी किया था। अनूप का कहना है कि मैं अपने पिता जी को देख के ही उनके बताए रास्तों के कारण ही आज यहां तक पहुंचा हु उनके पिता दिनेश द्विवेदी जो कि सीआरपीएफ में थे उन्हीं को देखते हुए ही मुझे हिम्मत मिलती थी। आज के यूथ को यही कहना है कि हार को मानने से पहले एक बार फिर प्रयास करने की हिम्मत ही आपको काबिल बनाती है। अनूप के इस मुकाम में पहुंचने पर नगर वासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कमाना की है, जिनमें प्रमुख रूप से गोपाल द्विवेदी, चंद्रमणि मिश्रा, मनीष द्विवेदी, घनश्याम द्विवेदी, शेष द्विवेदी, नगर परिषद अध्यक्ष माया देवी गुप्ता, हिमांशु केशरवानी, गौरव सिंह एवं समस्त नगर वासियों ने उनको बधाई दी है

अति बारिश से बेघर हुआ ग्रामीण किसान

मनिकवार, नि.प्र.। रायपुर कर्चुलियान जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रेरुआ खुर्द निवासी श्रीनिवास पटेल पिता गिरजा प्रसाद पटेल का घर अति बारिश के कारण 21 जुलाई को दोपहर अचानक भरभरा कर गिर गया जिससे जन हानि तो नहीं हुई लेकिन घर में रखी प्याज और घर गृहस्थी का सामान दबकर नष्ट हो गया। इस सीजन की अति बारिश ने गरीब किसान को बेघर कर दिया और अब इस किसान के पास रहने के लिए छत भी नहीं है। परेशान और दुखी किसान ने जिला कलेक्टर रीवा से इस प्राकृतिक आपदा से राहत की मांग की है।

जिला पंचायत सीईओ ने बाढ़ प्रभावितों को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

मऊगंज। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने मऊगंज जिले के जनपद पंचायत हनुमना अन्तर्गत ग्राम पंचायत ढ़ावा तिवरियान में बाढ़ प्रभावितों से संवाद किया तथा राहत एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राहत केन्द्रों का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावितों को आवश्यक सामग्री व अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह ने व्यक्त की शोक संवेदनाएं

गुढ़ (नि.प्र)। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र सिंह ने नगर परिषद गुढ़ वार्ड क्रमांक 8 निवासी समिति प्रबंधक वाहिद खान के पिता स्व. शहीद खान के दुखद निधन पर तथा वरिष्ठ समाजसेवी अमीनुल्ला खान (अमीन खान) के बड़े भाई जहीर खान के निधन पर उनके निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि बाबूलाल यादव, भाजपा मंडल गुढ़ अध्यक्ष एड. अनंत कुमार गुप्ता, निज सचिव मनीष मिश्रा, पीएसओ विष्णु प्रताप सिंह सहित शोक संतप्त परिवार के परिजन एवं मोहल्ले के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दस्तक अभियान में हर शिशु के स्वास्थ्य की जाँच करें : डॉ सोनवड़े

दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए समन्वय से प्रयास करें : डॉ सोनवड़े

जागरण, रीवा । कलेक्ट्रेट सभागार में दस्तक अभियान के तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने कहा कि जिले में 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक डायरिया नियंत्रण तथा दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान में 5 साल तक के दो लाख 88 हजार 288 बच्चों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी। इनमें से यदि कोई बच्चा गंभीर रूप से बीमार और कुपोषित पाया जाता है तो उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती करके समुचित उपचार की सुविधा दी जाएगी। अभियान के दौरान पाँच साल तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी जाएगी तथा उनमें एनीमिया की जाँच भी की जाएगी। अभियान में मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग शामिल हैं। इसे सफल बनाने में ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय, पीएचई तथा स्कूल शिक्षा विभाग भी पूरा सहयोग करे। दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय से प्रयास करें। अभियान के दौरान चिन्हित पाँच साल तक के सभी बच्चों की जाँच अनिवार्य रूप से कराएं।

बैठक में डॉ सोनवड़े ने कहा कि अभियान के दौरान तैनात दल प्रत्येक गांव में घर-घर भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान शिशुओं और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा एवं टीकाकरण के लिए परिवार को जागरूक करें। साफ-सफाई एवं पोषण आहार के संबंध में भी उन्हें उचित सलाह दें। अभियान के दौरान हाईरिस्क नवजात शिशुओं का चिन्हांकन करके उनके नियमित उपचार और फालोअप की व्यवस्थ सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर पर टीमें तैनात करके अभियान की सतत मानीटरिंग करें। शिशु मृत्यु दर पर नियंत्रण के प्रयास दस्तक अभियान की सफलता से ही निर्धारित होंगे।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि अभियान के लिए तैनात दलों को विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा एएनएम घर-घर जाकर शिशुओं के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी लेंगी। जिन घरों में पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं वहाँ जिंक टेबलेट और ओआरएस की किट निःशुल्क दी जाएगी। इनके उपयोग के लिए परिवार के सदस्यों को समझाइश दी जाएगी। अभियान के दौरान कुपोषित पाए गए बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें निकटतम पोषण पुनर्वास केन्द्र अथवा अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। अभियान के दौरान सम्पूर्ण टीकाकरण अभियान में छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण भी किया जाएगा। अभियान के दौरान धात्री महिलाओं को शिशुओं को नियमित रूप से स्तनपान कराने तथा पूरक पोषण आहार के संबंध में भी प्रेरित किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन से पहले हाथ धुलाई अनिवार्य रूप से कराने पर विशेष बल दिया जाएगा। स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य रक्षा के संबंध में जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में दस्तक अभियान के लिए की गई तैयारियों की जानकारी दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

देवतालाब विधानसभा में नल जल और जल जीवन मिशन में 200 करोड़ का भ्रष्टाचार: रामबहादुर शर्मा

नईगढ़ी, नि.प्र.। देवतालाव विधानसभा क्षेत्र में संचालित नल-जल योजना एवं जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी रामबहादुर शर्मा ने रविवार को प्रेसवार्ता कर इन योजनाओं में बड़े पैमाने पर हुए घोटालों को उजागर करते हुए राज्य सरकार और संबंधित विभागों की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। श्री शर्मा ने कहा कि सरकार की नल-जल योजना और जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक साफ पेयजल पहुंचाना था, लेकिन देवतालाब क्षेत्र की अधिकांश ग्राम पंचायतों में यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। कई गांवों में पाइपलाइन बिछाई ही नहीं गई, जहां बिछाई भी गई, वहां पानी नहीं पहुंच रहा है। बावजूद इसके, संबंधित ठेकेदारों को पूरा भुगतान कर दिया गया। उन्होंने बताया कि कई गांवों में टंकियों का निर्माण अधूरा पड़ा है। सोलर पंप और बोरवेल भी अनुपयोगी पड़े हैं, फिर भी सरकारी फाइलों में कार्य पूर्ण दर्शाया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि योजनाओं के नाम पर सिर्फ कागजों में काम हुआ है, जमीन पर हकीकत कुछ और है।

200 करोड़ का घोटाला होने का लगाया अनुमान

रामबहादुर शर्मा का आरोप है कि देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन और नल-जल योजना के नाम पर करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की गई है।लेकिन यदि जमीन पर वास्तविकता को देखा जाए, तो मात्र 10-15 प्रतिशत कार्य ही गुणवत्ता के अनुरूप हुए हैं। यह जनता के पैसों का खुला अपव्यय और योजनागत लूट है।

पीएचई और ठेकेदारों में मिलीभगत के आरोप

कांग्रेस नेता ने पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी) विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा कि बिना अधिकारियों की मिलीभगत के इतनी बड़ी गड़बड़ी संभव ही नहीं है। कई फर्जी बिल, डुप्लीकेट इनवॉइस और अधूरी फाइलें इसके प्रमाण हैं। श्री शर्मा ने कहा, सरपंचों और सचिवों से बात करने पर उन्होंने बताया कि उन्हें बिना मर्जी के दस्तखत करवाए गए, और भुगतान की प्रक्रिया पूरी की गई।

ग्रामीणों का दर्द

टंकी तो बनी, लेकिन पानी एक दिन भी नहीं आया प्रेस वार्ता के दौरान कुछ ग्रामीण भी मौजूद थे, जिन्होंने बताया कि कई गांवों में पानी की टंकी बनी है, लेकिन एक दिन भी पानी नहीं आया। वहीं कुछ जगह टंकी बनी ही नहीं और राशि आहरित हो गई। घुघुरी, सीतापुर, उमरिया, देवतालाब, जुड़मनिया जैसे गांवों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज भी महिलाएं 2-3 किलोमीटर दूर से पानी भरने जाती हैं।

जांच की मांग और चेतावनी : रामबहादुर शर्मा ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही सरकार ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो कांग्रेस पार्टी जनांदोलन के तहत आंदोलन छेड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यह सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं है, यह लोगों के जीवन और स्वास्थ्य का मामला है। सरकार को जवाब देना होगा।

अधिकारी और ठेकेदारों ने ग्राम स्तर के लोगों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया।

वनडे विश्व कप से पहले पुख्ता तैयारी पर होगी भारत की नजरें

तीन मैचों की सीरीज का निर्णायक वनडे मैच आज

चेस्टर ली स्ट्रीट (ब्रिटेन), जेएनएन। पहला वनडे जीतने और दूसरा वनडे हारने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की निगाहें मंगलवार को तीसरा वनडे जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी। अगर भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतती है, तो महिला वनडे विश्व कप की तैयारियों पर यह उनकी पुख्ता मुहर साबित होगी। भारत ने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से पहला मैच चार विकेट से जीता था, लेकिन शनिवार को लंदन में खेले गए बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा, जिससे तीन मैचों की सीरीज अंतिम वनडे से पहले 1-1 से बराबरी पर है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि विश्व कप दो महीने बाद शुरू होने वाला है। वनडे का यह प्रतिष्ठित महिला टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा। भारत की ऑलराउंड ताकत तथा कुछ खिलाड़ियों की अच्छी फॉर्म के कारण उम्मीद की जा रही थी कि वह दूसरे मैच में ही सीरीज अपने नाम कर देगा, लेकिन खराब शॉट चयन और परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में असमर्थता ने उसकी योजनाओं पर पानी फेर दिया और 29 ओवर के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वह आठ विकेट पर 143 रन ही बना सका। भारतीय गेंदबाज भी असफल रहे और इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने काफी ओवर शेष रहते आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

पिच रिपोर्ट रिवर साइड ग्राउंड पर स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों की भूमिका ज्यादा रहने की उम्मीद है। समय के साथ पिच के पाटा होने से बल्लेबाजी आसान हो जाती है।

टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर से पहले भारत में प्रैक्टिस करेगी नेपाल क्रिकेट टीम

नई दिल्ली, जेएनएन। नेपाल की पुरुष क्रिकेट टीम टी-20 विश्व कप क्वालिफायर की तैयारी के तहत 20 अगस्त से चार सितंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) में प्रशिक्षण लेगी। यह कदम 'दोनों देशों के युवाओं को जोड़ने' के उद्देश्य से भारत सरकार के सहयोग से उठाया गया है। टी-20 विश्व कप क्वालिफायर इस साल अक्टूबर में होने वाले हैं। मुख्य टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। भारत ने पिछले साल अगस्त में भी इस उत्कृष्टता केंद्र में नेपाल की टीम के प्रशिक्षण में सहयोग किया था। नेपाल ने पिछले साल जून में हुए टी-20 विश्व कप से पहले बड़ौदा और गुजरात क्रिकेट संघ की टीमों के साथ त्रिकोणीय टी-20 अभ्यास टूर्नामेंट में भी भाग लिया था। भारत सरकार के कहा कि क्रिकेट से जुड़े सहयोग ने भारत और नेपाल के बीच मजबूत और सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों में एक नया आयाम जोड़ा है। यह क्रिकेट के प्रति साझा जुनून के माध्यम से दोनों देशों के युवाओं को जोड़ रहा है। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने इसी महीने भोपाल में एक महीने के पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नेपाल के तीन होनहार अंडर-19 क्रिकेटरों का चयन किया है।

पांच मैचों की सीरीज का चौथा और अहम टेस्ट कल से, इंग्लैंड 2-1 से आगे

मैनचेस्टर टेस्ट खेलेंगे बुमराह, नीतीश बाहर

जेएनएन, मैनचेस्टर

दुनिया के नंबर एक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट खेलने की पुष्टि के बाद भारतीय टीम का संयोजन चोट के संकट उबरने के बाद सही दिशा में बढ़ रहा है। मोहम्मद सिराज से जब सोमवार को मैनचेस्टर में आकाश दीप और अर्शदीप सिंह की चोट के बाद भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी तक, हम यही जानते हैं कि जस्सी (बुमराह) भाई खेलेंगे। बुमराह की उपलब्धता के अलावा, टेस्ट से दो दिन पहले भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह रही कि लॉर्ड्स टेस्ट में उंगली की चोट खाने वाले रिषभ पंत दो घंटे से ज्यादा चले प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए। आकाश दीप अभी भी कमर की चोट से जूझ रहे हैं और उन्हें ठीक होने का समय दिया जाएगा। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला था और लॉर्ड्स में चौथे तेज गेंदबाज के रूप में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, लेकिन अब चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं, ऐसे में विशेषज्ञ बल्लेबाज साई सुदर्शन की अंतिम एकादश में वापसी की संभावना है। सुदर्शन ने हेडिंग्ली में पहला टेस्ट खेला था और 0 और 30 रन बनाए थे, लेकिन एजबेस्टन और लॉर्ड्स में उन्हें ऑफ स्पिनर ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के लिए टीम में नहीं रखा गया था। अगर सुदर्शन की वापसी होती है, तो भारत वॉशिंगटन की जगह शार्दुल ठाकुर को उतार सकता है, अगर हालात दूसरे स्पिनर की बजाय चौथे तेज गेंदबाज के साथ तालमेल बिठाने की मांग करते हैं। आकाश दीप की फिटनेस अभी भी बड़ा सवाल बनी हुई है। उन्होंने सोमवार को ट्रेनिंग सत्र में गेंदबाजी की, लेकिन गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के हाथों में। मेडिकल स्टाफ और निर्णयकर्ता अगले दो दिनों तक उन पर नजर रखेंगे, ताकि यह तय किया जा सके कि वह फिट हैं और टेस्ट मैच तक टिक सकते हैं या नहीं। चौथा टेस्ट मैच बुधवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। इंग्लैंड पांच मैचों की एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी में 2-1 से आगे चल रहा है। मौजूदा स्थिति के अनुसार, ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले, दूसरे और पांचवें दिन हल्की बारिश का अनुमान है।

चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), रिषभ पंत (उप कप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

पंत की प्रैक्टिस सोमवार को पंत ने विकेटकीपिंग का अभ्यास किया और नेट्स पर आराम से बल्लेबाजी की। पंत को लेकर बस यही संदेह था कि लॉर्ड्स के उलट, अगर मैच के दौरान उनकी चोट और बढ़ जाती है, तो ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्हें कोई विकल्प विकेटकीपर नहीं मिल पाएगा। पंत को लॉर्ड्स में पहली पारी में विकेटकीपिंग करते हुए अपनी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी।

कंबोज को मिल सकता है मौका अगर आकाश ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलने के लिए फिट नहीं होते हैं, तो तीसरा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (जिन्होंने पहले दो टेस्ट मैच खेले थे) या फिर नए खिलाड़ी अंशुल कंबोज (जिन्हें कवर के तौर पर लाया गया था) में से एक हो सकता है। सीरीज में प्रसिद्ध का 55.16 की औसत और 5.33 की इकॉनमी से नियंत्रण की कमी का संकेत मिल सकता है, लेकिन पहले दो टेस्ट मैचों में टीम ने उन्हें लगातार शॉर्ट-पिच गेंदबाजी करने को कहा था, जिससे उन्हें हेडिंग्ली में दो विकेट मिले, लेकिन एजबेस्टन में रन लुटाए। अगर 24 वर्षीय कंबोज को टेस्ट कैप मिल जाती है, तो यह उतना मुश्किल चयन नहीं होगा जितना लगता है। वह चयनकर्ताओं की नजर में हैं और ज्यादातर गेंदबाजों से ज्यादा सीम मूवमेंट हासिल करने के लिए जाने जाते हैं, जिससे वह आकाश दीप के लिए एक बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं। 2004 से, कंबोज ने 22.88 की औसत से 79 प्रथम श्रेणी विकेट लिए हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी की भी पसंद हैं, जिन्होंने इस साल के आईपीएल में उनकी सीम मूवमेंट की तारीफ की थी।

आठ साल बाद इंग्लैंड टीम में डॉसन की वापसी

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 की घोषणा कर दी है। टीम में एकमात्र बदलाव किया गया है। लियम डॉसन आठ साल बाद इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। डॉसन, शोएब बशीर की जगह लेंगे, जिनके बाएं हाथ की उंगली पिछले सप्ताह लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में टूट गई थी। इसके बाद उनका ऑपरेशन हुआ है और उनकी बाएं हाथ की छोटी उंगली में एक तार डाला गया है, ताकि यह ठीक से सीधी हो सके। बशीर की अनुपस्थिति में डॉसन अपना चौथा टेस्ट कैप हासिल करेंगे। उन्होंने जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पिछला टेस्ट मैच खेला था। एक बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनके नाम 371 प्रथम श्रेणी विकेट हैं, लेकिन हाल के सीजन में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा है, जहां उन्होंने 15 में से 12 बार पारी में पांच विकेट लिए हैं, जिनमें तीन मैचों में दस विकेट भी शामिल हैं। यह सभी 2021 के बाद से आए हैं।

इंग्लैंड टीम
जैक क्रॉली, बेन डकेट, ऑली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), लियम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

खेल एक नजर

हॉकी एशिया कप के लिए टीम भारत नहीं भेजना चाहता पाक

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने खेल की वैश्विक नियामक संस्था एफआईएच को सूचित किया है कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसके लिए अगले महीने होने वाले एशिया कप के लिए अपनी टीम को भारत भेजना मुश्किल होगा। पीएचएफ के प्रमुख तारिक बुगती ने कहा कि उन्होंने एफआईएच और एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) को पत्र लिखकर टीम को भारत भेजने को लेकर अपने फैसले से अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें सूचित किया है कि मौजूदा परिदृश्य में हमारी टीम को भारत में खेलते समय सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है। हमने उन्हें बता दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत जाने के इच्छुक नहीं हैं। एशिया कप विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। पीएचएफ प्रमुख ने कहा कि अब इस प्रतियोगिता और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है। हमने उनसे पूछा है कि हमें बताएं कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।

पीएचएफ कहा-भारत में खिलाड़ी सुरक्षित रहेंगे इसकी क्या गारंटी?

जिम्बाब्वे की टेस्ट टीम में सिकंदर रजा और बेन करन की हुई वापसी

हरारे, जेएनएन। जिम्बाब्वे ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 जुलाई से होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे ने आखिरी टेस्ट सीरीज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज की तुलना में 4 बदलाव हुए हैं। टीम में सिकंदर रजा और बेन करन की वापसी हुई है। करन को मई में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान हाथ में चोट लगी थी। रॉय कैया और तनुनुरवा मकोनी की भी टीम में वापसी हुई है। ताकुदजवानाशे कैतानो, प्रिंस मासवाउरे, वेस्ली मधेवेरे और कुंदाई माटिगिमु ये चार खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें टेस्ट टीम से बाहर किया गया है। क्वींस स्पोर्ट्स क्लब बुलावायो में सीरीज का पहला मैच 30 जुलाई और दूसरा टेस्ट 7 अगस्त से खेला जाएगा। **टीम :** क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तनाका चिवांगा, बेन करन, ट्रेवर ग्वांडू, रॉय कैया, तनुनुरवा मकोनी, क्लाइव मदांडे, विंसेंट मासेकेसा, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, न्यूमैन न्यामहुरी, सिकंदर रजा, तफदजवा त्सिगा, निकोलस वेल्च, विलियम्स।

भारत बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप से बाहर

सोलो (इंडोनेशिया), जेएनएन। भारतीय टीम बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप से बाहर हो गई है। उसे सोमवार को क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही प्रतियोगिता के करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 9-11 से हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्वा तेज गोब्बुरू की लड़कों की जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई। फिर वेन्नाला कलागोटला और रेशिका उथयासूरियन की लड़कियों की जोड़ी ने भी जीत हासिल की। इससे भारत 33-26 से आगे हो गया। इसके बाद रेशिका ने भव्या छाबड़ा के साथ भारत की बढ़त 44-35 कर दी, जबकि रौनक चौहान ने भी टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया।

टी-20 डेब्यू में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने ओवेन

ऑस्ट्रेलिया ने पहले रोमांचक टी-20 में वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया, पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे

प्लेयर ऑफ द मैच मिचेल ओवेन: 50 रन, एक विकेट

जेएनएन, किंग्स्टन (जमैका)

कैमरन ग्रीन (26 गेंद पर 51 रन) और मिचेल ओवेन (27 गेंद पर 50 रन) के तूफानी अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को सात गेंद शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अगला मुकाबला 22 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाएगा। किंग्सटन स्थित सबीना पार्क में खेले गए वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 189 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 18.5 ओवर में जीत हासिल की। प्लेयर ऑफ द मैच ओवेन का यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू मैच था। उन्होंने एक विकेट भी लिया। ओवेन ने 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा। वे टी-20 डेब्यू में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। ओवेन से पहले रिकी पोंटिंग ने 2005 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध नाबाद 98 रन और डेविड वार्नर ने 2009 में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध 89 रन बनाकर यह कारनामा किया था। ओवेन और ग्रीन के बीच पांचवें विकेट के लिए 40 गेंदों पर 80 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेक फ्रेजर मैकगर्क ने दो रन बनाए।

वेस्टइंडीज ने आखिरी 9 गेंद में बनाए पांच रन, 4 विकेट गंवाए

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन 16 गेंद में पूरा मैच बदल गया। वेस्टइंडीज ने इन 16 गेंद में सिर्फ 7 रन बनाए और 4 विकेट गंवा दिए, जिससे उनका स्कोर 20 ओवर में 8 विकेट पर 189 रन पर ही रुक गया। बल्लेबाजों ने आखिरी 9 गेंद में सिर्फ 5 रन बनाए और 4 विकेट गंवाए। टीम 17.2 ओवर में 182/4 के मजबूत स्कोर पर खड़ी थी। आखिरी 16 गेंद में वह पूरी तरह लड़खड़ा गई। गेंदबाज बेन ड्वारशुइस ने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने अपने अंतिम ओवर में 4 गेंद के भीतर 3 विकेट (आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन होल्डर) चटका दिए। इससे पहले वेस्टइंडीज ने धमाकेदार शुरुआत की थी। रोस्टन चेस ने 32 गेंद में 60 रन की तूफानी पारी खेली और शाई होप (55 रन) के साथ मिलकर 91 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ड्वारशुइस के अलावा एबॉट, कूपर कोनोली, नाथन एलिस और ओवेन को एक-एक विकेट मिला।

दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली की संभावना तलाशने 7 सदस्यों की समिति गठित

लंदन, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट में दो स्तरीय प्रणाली शुरू करने की संभावना तलाशने के लिए अपने नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति का गठन आईसीसी की सिंगापुर में हुई वार्षिक आम बैठक के दौरान अध्यक्ष जय शाह और गुप्ता के नेतृत्व में किया गया था। गुप्ता को इस महीने की शुरुआत में सीईओ नियुक्त किया गया था। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार, पैनल के अन्य सदस्यों में ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गोल्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग भी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, कोई भी बदलाव विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के लिए किया जाएगा, जो 2027 से 2029 तक चलेगा। इसमें मौजूदा नौ टीम के प्रारूप के बजाय छह-छह के दो डिवीजन का प्रस्ताव है। समिति को इस साल के आखिर तक आईसीसी को सिफारिशें पेश करनी होगी। गोल्ड और ग्रीनबर्ग के समिति में शामिल होने का मतलब है कि नई दो-स्तरीय प्रणाली लागू होने की पूरी संभावना है, क्योंकि सीए और ईसीबी इसके प्रमुख समर्थक रहे हैं। इस बीच क्लब स्तर की अंतरराष्ट्रीय टी-20 प्रतियोगिता चैंपियंस लीग अगले साल से फिर से शुरू हो सकती है।

हॉकी : भारत-ए का हार के साथ यूरोप दौर का समापन

आइंडहोवन (नीदरलैंड), जेएनएन। भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में अपना अभियान नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से हार के साथ समाप्त किया। युवा भारतीय मिडफील्डर राजिंदर सिंह और फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी ने यूरोप दौरे के अंतिम मैच में भारतीय टीम की तरफ से गोल दागे। भारत-ए पिछले सप्ताह नीदरलैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच 0-3 से हार गया था। भारत-ए ने आठ जुलाई को दौरा शुरू किया और पांच यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच खेले। भारतीय टीम ने नीदरलैंड और बेल्जियम जैसी कुछ शीर्ष टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तीन शहरों की यात्रा की।

23 साल बाद भारत अक्टूबर-नवंबर में करेगा शतरंज विश्व कप की मेजबानी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत इस साल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक शतरंज विश्व कप की मेजबानी करेगा और इस प्रतियोगिता के लिए मेजबान शहर की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। विश्व में शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे ने सोमवार को यह घोषणा की। इस टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ी प्रतिष्ठित खिताब और 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के क्वालिफिकेशन स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत ने पिछली बार 2002 में हैदराबाद में इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। तब विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। आगामी प्रतियोगिता में खिलाड़ी नॉकआउट प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां प्रत्येक राउंड में हारने वाला खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। फिडे ने कहा कि विश्व कप में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करेंगे। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश, विश्व कप 2023 के उपविजेता आर प्रज्ञानानंद और वर्तमान में विश्व में पांचवें नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो इस पर प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

अरोनियन ने जीता फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब, प्रज्ञानानंद सातवें स्थान पर

लास वेगास, जेएनएन। लेवोन अरोनियन ने फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हांस नीमन को 1.5-0.5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। 42 साल के अरोनियन ने पिछले सप्ताह मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा को शिकस्त दी थी। लास वेगास के विंन होटल में फाइनल की पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन दूसरी बाजी में शानदार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने खिताब और दो लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की। दुनिया के नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें 1,60,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फाबियानो कारुआना को 2-0 से हराकर पांचवां स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रज्ञानानंद रमेशबाबू ने वेसली सो को 1.5-0.5 से हराकर सातवां स्थान हासिल किया। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लसन ने नाकामुरा को 1.5-5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पहले गेम में बराबरी के बाद, कार्लसन ने दूसरे गेम में दबाव बनाया और बढ़त को भुनाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

विजेता अरोनियन परिवार के साथ

अमेरिका ने जीता फीबा अंडर-19 विश्व कप खिताब

प्राग, जेएनएन। अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 88-76 से हराकर फीबा अंडर-19 महिला विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। चेक गणराज्य के ब्रनो में रविवार को खेले गए खिताबी मुकाबले में अमेरिका ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में 50-40 की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे क्वार्टर में वापसी करते हुए 17-14 से हराकर अंतर कम कर दिया। हालांकि, चौथे क्वार्टर में अमेरिका ने 24-19 की बढ़त बनाकर अपना दबदबा और मजबूत करते हुए चैंपियनशिप पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली।

वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले चाइना ओपन में सात्विक-चिराग की नजरें दमदार प्रदर्शन पर

चांग्झू, जेएनएन। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ कोर्ट पर उतरेगी। चाइना ओपन पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अंतिम प्रमुख प्रतियोगिता है। इसलिए प्रत्येक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगा। वर्तमान में विश्व में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग इस सत्र में तीन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं, लेकिन अभी तक फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले दौर में जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा का सामना करेगी। एकल वर्ग में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधू 20 लाख डॉलर इनामी प्रतियोगिता में अपनी फॉर्म वापस पाने की उम्मीद करेंगे। लक्ष्य का पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वतनबे का सामना करेंगे। अब 16वीं रैंकिंग पर काबिज सिंधू के लिए इंडिया ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। महिला एकल में ही इस वर्ष की शुरुआत में ताइपे ओपन सेमीफाइनलिस्ट रहीं उन्नति हुड्डा का पहले दौर में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से मुकाबला होगा, जबकि अनुपमा उपाध्याय का सामना चीनी ताइपे की लिन सियांग टी से होगा।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 22 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई ऑफिस व्यवस्था, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

हिनौती गौधाम में क्षमता से अधिक गौवंश को प्रवेश न देने के निर्देश

रीवा। अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर ने हिनौती गौधाम प्रबंधक को निर्देश दिये हैं कि गौधाम में क्षमता से अधिक गौवंश को प्रवेश न दिया जाय। उन्होंने कहा है कि हिनौती गौधाम में अतिरिक्त शेड निर्माण का कार्य प्रगति पर है तथा वर्तमान में गौवंश की पर्याप्त संख्या है। जब तक अतिरिक्त शेड नहीं बन जाते तब तक अतिरिक्त गौवंश को गौधाम में प्रवेश न दिया जाय।

मार्निंग वॉक करने निकली महिला पर हमला कर बाइक लेकर भागे बदमाश

नेहरू नगर में हुई घटना के बाद मचा हड़कंप

जागरण, रीवा

शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहरू नगर में अज्ञात बदमाशों ने पहले तो तीन घरों में चोरी का प्रयास किया इसी दौरान एक घर से बाइक चुराकर भाग रहे बदमाश वहीं से मार्निंग वॉक के लिए निकली महिला पर हमला कर फरार हो गए। बताया गया कि बदमाशों ने महिला के सर पर हमला किया जिसके बाद उसे उठा कर दूसरे जगह मैदान में फेंक दिया और बाइक चोरी कर फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित प्रतीक पाण्डेय निवासी नेहरू नगर ने जानकारी देते हुए बताया कि वह किराए के मकान में रहता है बीती रात उसकी बाइक घर में खड़ी थी इसी दौरान अज्ञात चोर बाइक चोरी कर फरार हो गए, प्रतीक ने बताया कि चोरों ने तकरीबन तीन घरों को अपना निशाना बनाया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। वहीं राम सुमिरन नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी भाभी सुबह तकरीबन 5 बजे मॉर्निंग वॉक पर रोजाना की तरह निकली थी इसी दौरान एक बदमाश ने पीछे से उनके सिर पर डंडे से वार कर दिया और उन्हें उठाकर पास के मैदान में ले जाकर फेंक दिया। इस दौरान युवक ने महिला से कहा कि अगर शोर मचाएगी तो वह चाकू मार देगा इसके बाद आरोपी युवक पल्सर बाइक चोरी कर फरार हो गए। घटना की सूचना समान थाने में दी गई, जिसके बाद पुलिस मामला पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश में लगी हुई है।

दुकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों की सामग्री चुरा ले गए चोर

- नौवस्ता चौकी क्षेत्र के छिजवार की घटना

जागरण, रीवा। चोरहटा थाना क्षेत्र नौबस्ता पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले छिजवार में चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर नकदी सहित लाखों का सामान पार कर दिया है। घटना की शिकायत पीड़ित ने नौवस्ता पुलिस को की, पुलिस ने चोरी का प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। छिजवार निवासी पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रामपाल सिंह पप्पू ने बताया कि टावर कॉलोनी छिजवार में उसकी अहरी है वहीं पर वर्कशॉप भी है जहां ट्रैक्टर, ट्राली निर्माण का कार्य होता है। बताया गया कि चोर रात में दुकान का ताला तोड़कर दो बोरी मूंग, एक डीजे मशीन, दो डीजे बक्शा, दो अपर लाइट, एक सबमर्शिबल विद्युत पंप, एक ग्राइडिंग मशीन सहित काउन्टर में रखे पैसे सहित लगभग चार लाख रुपए का सामान चुरा ले गए। घटना की जानकारी के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जिसके बाद पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। नौबस्ता पुलिस ने बताया कि छिजवार में रामपाल सिंह के यहां चोरी की वारदात हुई है जिसका प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है मामले में विवेचना जारी है चोरों का शीघ्र पता लगा लिया जाएगा।

टमस नदी में डूबे बच्चे का 2 किलोमीटर दूर मिला शव

बीते दिन जवा थाना क्षेत्र चांदी गांव में सामने आई थी घटना

जागरण, रीवा। जवा थााना क्षेत्र के ग्राम चांदी तेलिया में टमस नदी में नहाते समय 5 साल का मासूम रविवार को डूब गया था। सूचना के बाद पुलिस ने एनडीआरएफ को सूचना दी जिसके बाद रेस्क्यू शुरू हुआ लेकिन पहले दिन बच्चे का पता नहीं लग सका था। दूसरे दिन सुबह दोबारा रेस्क्यू चलाया गया जहां घटना स्थल से करीब दो किलोमीटर दूर मासूम का शव मिल गया। जिसके बाद शव पंचनामा, पीएम के बाद परिजनों को सौपा गया है। बताया गया कि मासूम रविराज सोनकर पुत्र देवमणि बकरियां चराने के लिए घर से निकला था, उसके दोस्त नदी में नहा रहे थे, जिन्हें देख वह भी नहाने लगा। इसी बीच टमस नदी के तेज बहाव में वह बह गया। नदी में डूबे 5 साल के मासूम बच्चे का शव सोमवार की सुबह तकरीबन 7 बजे मिल गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक रीवा जिले के जवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चांदी निवासी सोनकर परिवार का 5 वर्षीय बालक रविराज रविवार की दोपहर गांव के ही चार-पांच बच्चों के साथ बकरियां चराने टमस नदी के किनारे गया हुआ था। इसी दौरान बच्चा अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने चला गया और वह पानी की गहराइयों में समा गया था। घटना के बाद वहां पर मौजूद बच्चों द्वारा

परिजनों को रविराज के नदी में डूबने की सूचना दी गई थी। जिसके बाद ग्रामीण सहित परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जवा थाना प्रभारी कमलेश साहू तत्काल मौके पर स्टाफ के साथ पहुंचे और बच्चे के लिए सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन बच्चे का देर रात तक कुछ पता नहीं चला ओर अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू रोका गया। सोमवार की सुबह स्थानीय लोगों ने बच्चे के शव को घटना स्थल से करीब दो किलो मीटर दूर बरहा गांव में टमस नदी में उतराता देखा इसके बाद उसे बाहर निकाला गया।

लोक सेवा गारंटी: समय पर नहीं दी सेवा, तीन अधिकारियों पर लगाया गया अर्थदण्ड

रीवा। लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत हितग्राहियों को शासन द्वारा अधिसूचित सेवाओं को एक सुनिश्चत समय पर देना होता है। जिले के तीन अधिकारी समय पर सेवा नहीं सके लिहजा उन पर अर्थदंड लगाया गया है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा में सेवा प्रदान न करने पर जिले के तीन अधिकारियों पर एक-एक हजार रुपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है। सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनगवां हेमंत त्रिपाठी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोविंदगढ़ को सेवा प्रदाय करने में विलंब का दोषी पाए जाने पर एक-एक हजार रुपए की अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित कर तीन दिवस में राशि जमा करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं।

स्कूटी की डिक्की से बदमाशों ने पार कर दिए 70 हजार रुपए

बैकुंठपुर कस्बे की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जागरण, रीवा। बैकुंठपुर कस्बे में सोमवार को अज्ञात बदमाशों ने स्कूटी की डिक्की खोलकर 70 हजार रुपए पार कर दिए। घटना की शिकायत पीड़ित तेजमणि प्रसाद मिश्रा पुत्र रामखेलावन मिश्रा निवासी सेमरा ने बैकुंठपुर थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस प्रकरण पंजीबद्ध कर पूरी घटना की जांच कर रही है। पीड़ित के मुताबिक उसने इण्डिया बैंक से सोमवार को 70 हजार रुपए निकाले और उसे स्कूटी की सीट के नीचे डिक्की में रख दिए थे। पीड़ित ने बताया कि पैसा निकालने के बाद वह बैकुंठपुर बाजार में पशु आहार लेने एक दुकान के बाहर स्कूटी खड़ी कर अंदर सामग्री लेने चला गया। जब वह बाहर आया तो देखा कि स्कूटी की डिक्की खुली है और पैसा गायब है, जिसके बाद उसने आसपास के लोगों से घटना बताई लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। आनन फानन में पीड़ित बैकुंठपुर थाना पहुंचा और पूरी घटना पुलिस को बताई, जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रेकी कर वारदात को अंजाम देने की आशंका

बैकुंठपुर कस्बे में इसके पूर्व भी बैंक से पैसा निकाले के बाद लूट की वारदात सामने आ चुकी है, आशंका है कि युवक की रेकी की गई और बड़े ही शातिराना तरीके से बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि युवक बैंक से पैसा निकालने के बाद सिर्फ एक ही दुकान में रुका इसी बीच बदमाशों ने बड़े ही चालाकी से स्कूटी की डिक्की खोलकर रुपए से भरा थैला पार कर दिया। फिलहाल बैंकुंठपुर पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात बदमाशों की तलाश में लगी हुई है।

रामराज मिश्रा को बनाया गया डीईओ

रीवा। जिला शिक्षा अधिकारी की कुर्सी में फिर बदलाव किया गया है, पूर्व में कलेक्टर ने डीपीसी विनय मिश्रा को डीईओ का प्रभार दिया था लेकिन अब स्कूल शिक्षा विभाग आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए शासकीय उच्च.माध्य.विद्यालय बैकुंठपुर के प्राचार्य रामराज प्रसाद मिश्रा को जिला शिक्षा अधिकारी का प्रभार दिया है। उल्लेखनीय है कि अनुकंपा नियुक्ति फर्जीवाड़ा मामले में तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता को संस्पेंड कर दिया है। लिहाजा व्यवस्था के तहत कलेक्टर द्वारा डीपीसी विनय मिश्रा को प्रभार सौंपा गया था। इसके साथ ही कनिष्ठ को वरिष्ठ पद सौपने का मामला तूल पकड़ रहा था। मऊगंज विधायक द्वारा इस संबंध में विधानसभा में सवाल लगाने की चर्चा है लिहाजा लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बैंकुंठपुर प्राचार्य को जिला शिक्षा अधिकारी का दायित्व सौंपा है।

पुलिस ने आदर्श गांव बनाने 8 गांव लिए गोद

ग्रामीणों के बीच पहुंची पुलिस ने संवाद कर किया समाधान

जागरण, रीवा। मिशन कर्मयोगी अभियान के तहत के तहत एडीजी प्रशिक्षण राजा बाबू सिंह पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन पर पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा के पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में सोमवार को रीवा जिले के गांव को आदर्श गांव बनाने मिशन में 8 गांव को गोद लेने के अभियान के तहत ग्रामीणों से संवाद किया गया। उप पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश मिश्रा एवं निरीक्षक अंजू कुर्मी के नेतृत्व में पीटीएस के स्टाफ एवं 93 वां नवआरक्षकों की पुलिस टीम ने जिले के लोही, खजुआ, कनौजा, लक्ष्मणपुर, गोडहर, करहिया, रमकुई एवं भोलगढ़ में जाकर ग्रामीणों से गांव के विकास, सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण, बुनियादी सुविधाएं, साइबर जागरूकता, नशा मुक्ति, यातायात सुरक्षा आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारीयों से समन्वय कर, ग्रामवासियों की समस्याओं का समाधान कर, उनकी मदद करने की बात कही। इस दौरान बताया गया कि इन गांवों को आदर्श गांव बनाने के भारत के प्रधानमंत्री के संकल्प में पुलिस अपना योगदान देने का प्रयास कर रही है।

दुष्कर्म मामले में फरार 10 हजार रुपए का इनामी गिरफ्तार

रीवा। मऊगंज पुलिस ने दुष्कर्म मामले में फरार दस हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेजा गया। आरोपी दो साल से फरार था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मऊगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी शुभम उर्फ रवि पिता रामसागर विश्वकर्मा 27 साल निवासी कजरा नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में फरार था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी, जिसके बाद वह रविवार को पकड़ा गया।

नशे के खिलाफ जारी है पुलिस का जागरुकता अभियान

जागरण, रीवा। नशे के खिलाफ पुलिस का जागरुकता अभियान ''नशे से दूरी है जरूरी'' जारी है। सोमवार को पुलिस ने छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों को सम्मिलित कर स्कूल, कॉलेज एवं शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता हेतु चित्रकला, निबंध, पेंटिग, स्लोगल, रंगोली, पोस्टर, प्रतियोगिता का आयोजन किया। पुलिस ने छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों की सम्मिलित सहभागिता के बीच बताया कि ''नशे से दूरी है जरूरी'' एक राज्य स्तरीय जन-जागरूकता अभियान है। जिसका लक्ष्य बच्चों, युवाओं और समुदाय को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाना और समाज में नशा-मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों को जोड़कर नशे के दुष्प्रभावों एवं बचाव पर एक सूचना-सत्र, संवाद कर नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलवाई गई।

दिव्यांगजनों को बस किराया में छूट दें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया है कि जिले में दिव्यांगजनों को बस किराया में 50 प्रतिशत छूट का प्रावधान सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में सभी बसों में यूडीआईडी धारक दिव्यांगजनों को 50 प्रतिशत छूट की सूचना चस्पा कराते हुए बस में चढ़ने हेतु बाधा रहित व्यवस्था सुनिश्चित करायें।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com